राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 03 अक्टूबर 2022 वर्ष–5,अंक–247 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी ने बापू को किया याद, यूएन का अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर दुनिया को संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राजघाट पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी 153वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। संयुक्त राष्ट्र ने अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर दुनिया को संदेश दिया।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राजघाट पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को उनकी 153वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके अलावा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला समेत कई राजनेताओं ने राजघाट पहुंचकर गांधी जी को याद किया। संयुक्त राष्ट्र ने भी बापू को याद कर अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर दुनिया को संदेश दिया। इस मौके पर पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए लोगों से गांधीजी को श्रद्धांजलि के रूप में खादी और हस्तशिल्प उत्पादों को खरीदने का आग्रह किया। हर साल 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के रूप में मनाई जाती है, जिन्होंने अपना जीवन स्वतंत्रता के लिए भारत के संघर्ष को समर्पित कर दिया। अहिंसा के उपदेशक (अहिंसा), गांधी के जन्मदिन को अहिंसा के अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, जिसे 2007 में

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित किया गया था। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्विटर पर लिखा, ÷गांधी जयंती पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि। यह गांधी जयंती और भी खास है क्योंकि भारत आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। हो सकता है (हम) हमेशा बापू के आदर्शों पर खरा उतरें ... उन्होंने लोगों से गांधी को श्रद्धांजलि के रूप में खादी और हस्तशिल्प उत्पादों को खरीदने का भी आग्रह किया। मोदी को श्रद्धांजलि देने दिल्ली के राजघाट भी पहुंचे।

राष्ट्रपति का देश के नाम संदेश

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गांधीजी को श्रद्धांजलि दी और कहा कि यह सभी के लिए शांति, समानता और सांप्रदायिक सद्भाव के मूल्यों के लिए खुद को फिर से समर्पित करने का अवसर है। उन्होंने राष्ट्र के नाम एक संदेश में कहा, महात्मा गांधी की 153वीं जयंती के अवसर पर मैं सभी देशवासियों की ओर से राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। राष्ट्रपति ने कहा, गांधी जयंती हम सभी के लिए उनके प्रेरक जीवन - शांति, समानता और सांप्रदायिक सद्भाव के मूल्यों के लिए खुद को फिर से समर्पित करने का अवसर है।

सोनिया गांधी समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

कांग्रेस (अंतरिम) बॉस सोनिया गांधी और वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे उन नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने राजघाट पहुंचकर गांधीजी को पुष्पांजलि अर्पित की। गांधीजी की साल 1948 में हत्या कर दी गई थी। गांधी को 30 जनवरी, 1948 को नाथूराम विनायक गोडसे ने गोली मारी थी।

संयुक्त राष्ट्र ने भी किया याद

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने एक ट्वीट में अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस की याद दिलाई और गांधी की शिक्षाओं को याद किया। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर, हम महात्मा गांधी के जन्मदिन और शांति, सम्मान और सभी के द्वारा साझा की जाने वाली आवश्यक गरिमा के मूल्यों का जश्न मनाते हैं। हम इन मूल्यों को अपनाने और संस्कृतियों में काम करके आज की चुनौतियों को हरा सकते हैं।

लॉरेंस बिश्नोई का करीबी दीपक पुलिस कस्टडी से फरार, सिद्धू मूसेवाला मर्डर में शामिल

चंडीगढ़। पंजाबी गायक सिद्धू मूसे वाला की हत्या का आरोपी दीपक उर्फ टीनू शनिवार और रविवार की दरमियानी रात पुलिस हिरासत से फरार हो गया है। केंद्रीय जांच एजेंसी (सीआईए) का एक कर्मचारी रात करीब 11 बजे उसे अपने निजी वाहन से कपूरथला जेल से मनसा ले जा रहा था, तभी गैंगस्टर को भागने का मौका ले गया। दीपक सिद्धू मूसे वाला की हत्या के मास्टरमाइंड गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का करीबी सहयोगी बताया जा रहा है। दीपक का नाम उस चार्जशीट में था जिसमें हत्या में शामिल 15 लोगों को शूटर, मास्टरमाइंड और अन्य के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। गौरतलब है कि गायक और राजनेता सिद्धू मूसे वाला की 29 मई को पंजाब के मानसा जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। राज्य सरकार द्वारा उनके सुरक्षा कवर में कटौती के एक दिन बाद उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उनके साथ जीप में यात्रा कर रहे उनके चचेरे भाई और एक दोस्त भी हमले में घायल हुए थे।

इंडिगो फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी, मुंबई एयरपोर्ट को मिले ईमेल के बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट को शनिवार रात धमकी भरा ईमेल मिला, जिसमें इंडिगो की फ्लाइट में बम रखे होने की बात कही गई थी। इस ईमेल के आते ही एयरपोर्ट पर सुरक्षा अधिकारियों की हलचल बढ़ गई। हालांकि, जब फ्लाइट की जांच की गई तो ऐसा कुछ भी नहीं मिला। ऐसे में यह साफ हो गया कि बम होने का दावा अफवाह भर था। ईमेल में लिखा था कि इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6E 6045 में बम रखा है। यह फ्लाइट रात में मुंबई से अहमदाबाद जाने वाली थी। बम की अफवाह के चलते इंडिगो की फ्लाइट को जांच के बाद रात को देरी से छोड़ा गया। सुरक्षा एजेंसियां अब इसकी जांच में लगी हैं कि ये ईमेल किसने भेजा और इसका क्या मकसद था।

बदरीनाथ मंदिर को होने वाला है खतरा ? सिंहद्वार के पास की दीवारों में आई दरारें

गोपेश्वर। बदरीनाथ मंदिर के सिंहद्वार के पास की दीवारों में दरारें आ गई हैं। हालांकि, इन दरारों से मंदिर के लिए किसी तरह का खतरा नहीं है। मौके पर पहुंची आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) की टीम ने कहा कि इन दरारों का जल्दी उपचार कर लिया जाएगा।

एएसआई के ट्रीटमेंट एक्सपर्ट नीरज मैठाणी के नेतृत्व में पहुंची टीम ने बदरीनाथ मंदिर के सिंहद्वार के पास आई दरारों का निरीक्षण किया। ट्रीटमेंट एक्सपर्ट नीरज मैठाणी और आशीष सेमवाल ने बताया कि सिंहद्वार के पास की दीवारों पर हल्के क्रेक हैं। दरारों के उपचार के लिए एएसआई की ओर से सर्वेक्षण का काम शनिवार को पूरा कर लिया गया है। बदरीनाथ, केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय और मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डॉक्टर हरीश गौड़ भी इस दौरान एएसआई की टीम के साथ मौजूद रहे। अजेंद्र अजय ने बताया कि दीवारों पर आई दरारों को एएसआई ने मामूली बताया है। इनसे मंदिर को किसी तरह का खतरा नहीं है। बद्रीनाथ मंदिर के धर्माधिकारी भुवन चंद्र उनियाल ने बताया सिंहद्वार के निकट भोगमंडी की ओर की दीवारों पर ये हल्की दरारें वर्षो से हैं।

हेलो की जगह अब वंदे मातरम बोलेंगे सरकारी अधिकारी, इस राज्य ने जारी किया बड़ा आदेश

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार का यह आदेश अधिकारियों के लिए सभी मोबाइल फोनों और लैंडलाइन फोनों पर लागू होगा। अपने डेली रूटीन में भी अधिकारी एक-दूसरे को वंदे मातरम से ही संबोधित करेंगे। इसको लेकर महाराष्ट्र सरकार में मंत्री दीपक केसरकर ने कहा कि वंदे मात्रा में एक ऐसा मंत्र है जिसने अंग्रेजो के खिलाफ देश को स्वतंत्र कराने में बड़ी भूमिका निभाई है। महाराष्ट्र के शिंदे फडणवीस सरकार ने बड़ा आदेश जारी किया है। नए आदेश के मुताबिक अब सरकारी अधिकारी हेलो की जगह वंदे मातरम बोल कर अभिवादन करेंगे। यानि कि जब भी आप महाराष्ट्र सरकार के अधिकारियों को फोन करेंगे तो वह हेलो की जगह आपको वंदेमातरम कहते सुनाई देंगे। इसके लिए सरकारी आदेश भी जारी कर दिया गया है। इससे पहले महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने सरकारी अधिकारियों को फोन कॉल पर हेलो की जगह वंदे मातरम बोलने का आदेश दिया

था। कुल मिलाकर देखें तो जब से महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार बनी है तब से लगातार कई बड़े निर्णय लिए जा रहे हैं। महाराष्ट्र सरकार का यह आदेश अधिकारियों के लिए सभी मोबाइल फोनों और लैंडलाइन फोनों पर लागू होगा। अपने डेली रूटीन में भी अधिकारी एक-दूसरे को वंदे मातरम से ही संबोधित करेंगे। इसको लेकर महाराष्ट्र सरकार में मंत्री दीपक केसरकर ने कहा कि वंदे मात्रा में एक ऐसा मंत्र है जिसने अंग्रेजो के खिलाफ देश को स्वतंत्र कराने में बड़ी भूमिका निभाई है। पूरे भारतवर्ष में सभी सरकारें और आम लोग इस बात को स्वीकार करते हैं। मुझे लगता है कि एक दूसरे को वंदे मातरम कहकर संबोधित करना कोई बुरी चीज नहीं है। इसके साथ ही महाराष्ट्र सरकार के मंत्री ने यह भी कहा कि जिनके मन में वंदे मातरम को लेकर गलतफहमी है, उन्हें भी हम समझा बुझा लेंगे। महाराष्ट्र सरकार ने अपने आदेश में यह भी कहा है कि अधिकारी उनसे मिलने आने वाले लोगों को भी वंदे मातरम से अभिवादन करें। साथ ही साथ इसके लिए जागरूकता भी फैलाएं। हालांकि, महाराष्ट्र सरकार के इस आदेश पर राजनीति भी शुरू हो गई है। एआईएमआईएम के नेता वारिस पठान ने इस को लेकर सवाल उठाए हैं और कहा है कि यह सब सिर्फ बेरोजगारी, महंगाई से ध्यान भटकाने के लिए नाटक किया जा रहा है। उन्होंने सवाल पूछा कि मान लो किसी ने वंदेमातरम नहीं बोला तो क्या करेंगे, उस पर केस करेंगे, या फांसी दे देंगे यह भाजपा सरकार को बताना पड़ेगा।

कानपुर में दूसरा बड़ा सड़क हादसा, पांच श्रद्धालुओं की मौत, 10 घायल

कानपुर। कानपुर जिला के चकेरी थाना क्षेत्र में अहिरवां फ्लाई ओर के पास रविवार भोर हाइवे पर अचानक खराब हुए लोडर में अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर से लोडर में सवार पांच श्रद्धालुओं की मौत हो गई। हादसे में दस लोग घायल हो गए। सूचना पर पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के शिकार हुए सभी लोग मुंडन कराने के लिए एक लोडर (छोटा हाथी) में सवार होकर विंध्यांचल जा रहे थे। यह लोग जूही व बारादेवी क्षेत्र के रहने वाले एक परिवार के सदस्य थे। हादसे

में कसक पुत्री सुरेश सिंह, गुड़िया पत्नी सुशील, सुनील पुत्र स्वर्गीय रमेश चन्द्र, रामा देवी पुत्री रमेश चन्द्र, सूरज पुत्री सरेश सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। आकाश पुत्र सुरेश, प्रिंस पुत्र सुनील, प्रथम पुत्र सुशील, वैष्णवी पुत्री सुनील, रानी पत्नी सुरेश, बिल्ली मौसी उर्फ रीता, रेखा, प्रिया पुत्री सुनील, कुटपुट पत्नी हीरालाल, रेनू पत्नी सुनील घायल हो गए। घायलों का हैलट अस्पताल भेजा गया है। पुलिस आयुक्त बीपी जोग दण्ड, संयुक्त पुलिस आयुक्त आनन्द प्रकाश तिवारी समेत आलाधिकारी मौके पर पहुंचे।

गुजरात को मिला विकल्प, परिवर्तन होकर रहेगा-केजरीवाल

नयी दिल्ली, - आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गुजरात की जनता के पास 27 साल से विकल्प नहीं था लेकिन इस बार आम आदमी पार्टी विकल्प है और अब गुजरात में परिवर्तन होकर रहेगा।

श्री केजरीवाल ने आज पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ गुजरात के गांधीधाम में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि गुजरात की जनता इनको 27 साल से बर्दाश्त कर रही है। अब इनका अहंकार तोड़ने का समय आ गया है। मेरी अपील है कि इस बार सभी इकट्ठे हो जाओ और भारी बहुमत के साथ 'आप' की सरकार बनाओ। हम अपने सारे वादे पूरा करके दिखाएंगे। उन्होने कहा कि एक सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक गुजरात में भारी बहुमत से 'आप' की सरकार बनने

जा रही है। इसके बाद से ये लोग पागल हो गए हैं। भाजपा और कांग्रेस की गुप्त बैठकें हो रही हैं कि कुछ भी हो जाए, लेकिन 'आप' की सरकार नहीं आनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि पिछले सात साल से दिल्ली का मुख्यमंत्री हूं। छह महीने से भगवंत मान पंजाब के मुख्यमंत्री हैं। हमने जनता की सेवा की है। हमने गरीबों की सेवा की है। दुखी लोगों का दुख दूर किया है। परेशान लोगों की परेशानियां दूर की है। हमने खूब स्कूल, अस्पताल, सड़कें बनाई है, बिजली-पानी ठीक करके राष्ट्र निर्माण का काम किया है। आज हमारे पास बैंक अकाउंट में एक भी पैसा नहीं है, लेकिन हमने पुण्य बहुत कमाए हैं। आज हमारे उपर करोड़ों लोगों का आशीर्वाद है। श्री केजरीवाल ने कहा हमने दिल्ली में सब लोगों के बिजली के बिल जीरो कर दिए और सारे पुराने बिजली के बिल माफ कर दिए। पंजाब में भी सबके बिजली के बिल जीरो कर दिए और पुराने बिल भी माफ कर दिए। अब दिल्ली और पंजाब में बिजली का बिल जीरो आता है। अगर ईमानदार सरकार गुजरात में आएगी, तो गुजरात में भी हो सकता है। ये मुझे खूब गालियां देते हैं और कहते हैं कि केजरीवाल फ्री की रेवड़ी बांट रहा है। केजरीवाल बिजली फ्री क्यों देता है? आप गुजरात में आम आदमी पार्टी की सरकार बना दो। मैं मैं गारंटी देकर रहा हूं कि एक मार्च से सबके बिजली के बिल जीरो आने लगेंगे और सबके पुराने बिजली के बिल माफ हो जाएंगे। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि हमारी सरकार बनने पर 18 साल से उपर ही हर महिला को एक-एक हजार रुपए उनके खाते में देंगे। अगर किसी परिवार में दो या तीन महिलाएं हैं, तो उनको अलग-अलग एक-एक हजार रुपए मिलेंगे। हर महीने एक-एक हजार रुपए मिलने से कई बच्चियों की पढ़ाई पूरी हो जाएगी। दिल्ली में मैने 12 लाख बच्चों के लिए रोजगार दिलाए। भगवंत मान ने पिछले छह महीने में 17 हजार बच्चों को सरकारी नौकरियां दी हैं। हमारी नीयत भी है और हमें काम भी करने आता है। हमने वादा किया है कि गुजरात में हमारी सरकार बनने पर हर बच्चे के लिए रोजगार का इंतजाम करेंगे।

भाजपा अगले साल से दुर्गा पूजा का आयोजन नहीं करेगी

नई दिल्ली। भाजपा द्वारा आखिरी दुर्गा पूजा आयोजन को यादगार बनाने के लिए 28 वर्षीय गैर ब्राह्मण सुजाता मंडल को दुर्गा पूजा करने के लिए चुना गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार शनिवार को इस पंडाल का उद्घाटन करेंगे। पश्चिम बंगाल मेंदो साल पहले दुर्गा पूजा आयोजित करने वाली पहली राजनीति पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अगले साल से यह आयोजन नहीं करेगी। भाजपा ने 2021 में हुए विधानसभा चुनाव से एक साल पहले से यह आयोजन शुरू किया था। भाजपा ने आधिकारिक रूप से कहा कि वित्तीय संकट पूजा को जारी नहीं रखने का कारण है। हालांकि, पार्टी सूत्रों ने बताया कि आतंरिक तौर पर बहस चल रही है कि क्या राजनीतिक दल को दुर्गा पूजा का आयोजन करना चाहिए और साथ ही इस पर भी चर्चा चल रही है कि पार्टी को क्या अब खुद को राज्य में 'बंगाली संस्कृति' के प्रति सम्मान करने वाली पार्टी के रूप में साबित करने की जरूरत है, जिसे सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पार्टी 'बाहरी' करार देती थी। भाजपा द्वारा आखिरी दुर्गा पूजा आयोजन को यादगार बनाने के लिए 28 वर्षीय गैर ब्राह्मण सुजाता मंडल को दुर्गा पूजा करने के लिए चुना गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार शनिवार को इस पंडाल का उद्घाटन करेंगे। भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई

ने वर्ष 2021 में होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव से पहले वर्ष 2020 में कोलकाता स्थित पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (ईजेडसीसी) में दुर्गा पूजा का आयोजन किया था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित किया था। पिछले साल दूसरी बार पार्टी की ओर से दुर्गा पूजा का आयोजन किया गया था। मजूमदार ने 'पीटीआई-भाषा'से कहा, ''अनुष्ठान के मुताबिक दुर्गा पूजा का आयोजन कम से कम तीन साल लगातार करना होता है। इसलिए यह हमारी आखिरी दुर्गा पूजा है और वित्तीय संकट की वजह से अगले साल से हम इसका आयोजन नहीं करेंगे।'' भाजपा की महासचिव अग्निमित्र पॉल ने कहा कि पूजा शुरू होने के बाद से पार्टी के भीतर पूजा आयोजित की जानी है, इसको लेकर दो विचार है। उन्होंने कहा,''संभवतः यह विचार है कि राजनीतिक पार्टी का काम दुर्गा पूजा का आयोजन करना नहीं है बल्कि लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने के लिए जन आंदोलन और राजनीतिक कार्यक्रम करना है।'' भाजपा द्वारा आयोजित दुर्गा पूजा की योजना और क्रियान्वयन की जिम्मेदारी भाजपा की महिला मोर्चा और संस्कृति प्रकोष्ठ के पास है। इस साल की पूजा कराने की जिम्मेदारी महिला पुजारी को दिए जाने पर पॉल ने कहा, ''भाजपा महिला सशक्तिकरण पर विश्वास करती है। अगर महिला घर में पूजा कर सकती है, तो पंडाल में क्यों नहीं? हिंदू धर्म ग्रंथों में भी कहीं नहीं लिखा है कि महिला पूजा नहीं कर सकती। साथ ही लिखा है कि ब्राह्मण कर्म से होता है जन्म से नहीं।'' पार्टी सूत्रों ने बताया कि राज्य इकाई को अपनी 'बंगाली विश्वसनीयता' साबित करने के लिए दुर्गा पूजा आयोजित करने की जरूरत नहीं है क्योंकि मजूमदार और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को 300 से अधिक विभिन्न पूजा समितियों से उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण मिला है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए तृणमूल कांग्रेस के राज्य महासचिव कुणाल घोष ने कहा कि यह साबित करता है कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव से पहले राजनीति लाभ लेने के लिए दुर्गा पूजा का इस्तेमाल करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, ''वे अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में असफल रहे और इसलिए उन्होंने आयोजन को बंद करने का फैसला किया। यह साबित करता है कि भाजपा बंगालियों की मनोस्थिति को समझने में असफल रही।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पाबंदी और सवाल

सरकार भी दावा करती रही है कि जिस पीएफआई व उसके आठ आनुषंगिक संगठनों पर बैन लगाया गया है उनमें स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया यानी सिमी तथा जेएमबी व आईएसआईएस जैसे संदिग्ध संगठनों की भागीदारी रही है। जो बहुसंख्यक समाज के खिलाफ हिंसक गतिविधियों को विस्तार देते रहे हैं। लेकिन संगठन की कारगुजारियों की वास्तविकता भी सामने आनी चाहिए।

पॉप्युलर फ्रंट ऑफ इंडिया के खिलाफ देशव्यापी छापेमारी और सैकड़ों सदस्यों की गिरफ्तारी के बाद इस पर यूएपीए के प्रावधानों के तहत पांच साल का बैन लगाया गया है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप सामाजिक संगठन चलाना कोई अपराध नहीं है लेकिन यदि संगठन राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त पाया जाता है तो सख्त कार्रवाई स्वाभाविक है। छापेमारी के बाद यदि संगठन पर बैन लगाया गया है तो जाहिर है सरकारी एजेंसियों को कुछ प्रमाणिक दस्तावेज मिले होंगे जो सामाजिक वैमनस्य फैलाने वाले होंगे। दरअसल, देश में अल्पसंख्यकों के बीच लंबे समय से सक्रिय पीएफआई की कतिपय संदिग्ध गतिविधियों को लेकर सवाल उठते रहे हैं। सरकार भी दावा करती रही है कि जिस पीएफआई व उसके आठ आनुषंगिक संगठनों पर बैन लगाया गया है उनमें स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया यानी सिमी तथा जेएमबी व आईएसआईएस जैसे संदिग्ध संगठनों की भागीदारी रही है। जो बहुसंख्यक समाज के खिलाफ हिंसक गतिविधियों को विस्तार देते रहे हैं। लेकिन संगठन की कारगुजारियों की वास्तविकता भी सामने आनी चाहिए। बहुत संभव है कि सरकार के इस फैसले को अदालत में चुनौती दी जाये, जैसे कि पीएफआई के सहयोगी संगठन कह भी रहे हैं कि उनका संगठन सामाजिक कार्यों के क्रियान्वयन तक ही सीमित रहा है, जिसके चलते ही संगठन का जनाधार विकसित भी हुआ है। ऐसे में सरकार को भी आरोपों की तार्किकता को स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वाकई संगठन के लोगों की किसी रूप में हिंसक गतिविधियों में भूमिका रही है। फिर इस बात पर भी विचार करने की जरूरत है कि यदि इस संगठन को एक तबके का समर्थन मिल रहा है तो उसकी वजह क्या है। बहुत संभव है कि जांच प्रक्रिया को बाधित होने से बचाने के लिये इन छापों में प्राप्त दस्तावेज सार्वजनिक न किये जायें, लेकिन किसी भी तरह के अविश्वास का निराकरण भी जरूरी है। लोकतांत्रिक व्यवस्था की तार्किकता इस बात पर निर्भर करती है कि सरकार की किसी भी कार्रवाई का आधार भी पारदर्शी ही हो। बहरहाल, सरकार की इस कार्रवाई को लेकर विपक्षी राजनीतिक दलों की तल्ख प्रतिक्रिया भी आई और उन्होंने बहुसंख्यक वर्ग से जुड़े कतिपय संगठनों को लेकर भी सवाल खड़े किये हैं। उनकी दलील है कि यदि पीएफआई पर वर्ग विशेष में मजहबी कट्टरता को बढ़ावा देने व दूसरे धर्मों के खिलाफ विषवमन के आरोप हैं तो ऐसे में बहुसंख्यक समाज में ऐसी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने वाले संगठनों पर भी कार्रवाई की जानी चाहिए। यदि ऐसा नहीं होता तो प्रतिबंध के बावजूद पीएफआई का विस्तार रोकना मुश्किल होगा। बहुत संभव है कि प्रतिबंध के बाद संगठन की भूमिगत गतिविधियां और तेज हो जायें। इसकी वजह यह भी कि बहुसंख्यक संगठनों की सक्रियता का भय दिखाकर पीएफआई को वित्तीय संसाधन जुटाने में कोई परेशानी न हो। इससे संगठन की आक्रामकता को भी विस्तार मिल सकता है। ऐसे में सरकारी सतर्कता बढ़ानी जरूरी होगी। निस्संदेह, देश में लोकतांत्रिक संगठनों की गतिविधियों के विस्तार से किसी को परहेज नहीं होना चाहिए। यदि कोई संगठन समाज में चेतना के विकास, प्रगतिशील विचारों के पोषण व राष्ट्रीय सरोकारों के अनुरूप व्यवहार करे। लेकिन संवैधानिक व्यवस्था की लक्ष्मण रेखा लांघने का प्रयास होता है तो सख्त कार्रवाई होनी ही चाहिए। अब चाहे संगठन अल्पसंख्यक समुदाय का प्रतिनिधित्व करता हो या बहुसंख्यक समाज का।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

टीचर (कड़क कर), 'क्लास में कौन शोर मचा रहा था। मनु, मेरा ख्याल हैं यह तुम ही थे।'

मनु, 'नहीं सर, मैं तो निशू के साथ बातचीत कर रहा था। शोर कोई और मचा रहा होगा।'

तीन दिन से हो रही मूसलाधार बरसात के कारण नगर में एक तरह की बाढ़-सी आई हुई थी। ऐसे में फायर ब्रिगेड विभाग के फोन की घंटी बजी, 'जनाब, मेरे परिवार को बचा लीजिए मैं दो फुट पानी में खड़ा आपको फोन कर रहा हूं।'

इधर से जवाब दिया गया, 'क्षमा करना दो फुट पानी को हम आपातकालीन दशा नहीं मान सकते अत: कुछ नहीं किया जा सकता।'

फोन पर फिर आवाज आई, 'आपने मेरी पूरी बात तो सुनी ही नहीं। मैं अपने मकान की तीसरी मंजिल के कमरे में खड़ा फोन कर रहा हूं।'

एक हकीम जी कंधे पर बंदूक लटकाए कहीं जा रहे थे। उनके एक दोस्त ने पूछा, 'कहां जा रहे हो?'

हकीम जी बोले, 'एक मरीज को दवा देने जा रहा हूं।'

दोस्त बोला, 'उसे मारने के लिए तो तुम्हारी दवा ही काफी हैं। बंदूक साथ ले जाने की क्या जरूरत हैं।'

पीएफआई का खेल खत्म

लेखक- अनिल बिहारी श्रीवास्तव

पीएफआई के विरूद्ध कार्रवाई पुख्ता जानकारियां मिलने के बाद शुरू की गई थी। 22 सितम्बर को एनआईए और ईडी ने राज्यों की पुलिस के सहयोग से आपरेशन आक्टोपस के तहत छापे मारे थे। एनआईए और इंटेलीजेंस एजेंसियों ने 15 राज्यों की पुलिस के सहयोग से पीएफआई के 93 ठिकानों पर छापे मार कर 106 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सबसे अधिक 22 लोग केरल से गिरफ्तार किए गए हैं। इसके अलावा कर्नाटक से 20, तमिलनाडु से 10, असम से 9, उत्तरप्रदेश से 9, आन्ध्र प्रदेश से 5, मध्यप्रदेश से 4 पुदुचेरी से 3 और राजस्थान से 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

लीजिए, पीएफआई का खेल खत्म हो गया। कांग्रेस के शासनकाल में जन्मे और केरल में कम्युनिस्टों के शासनकाल में पले-बढ़े पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया(पीएफआई) पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इसके साथ पीएफआई से जुड़े आठ अन्य संगठनों पर पांच साल के लिए प्रतिबंध लगाया गया है। 28 सितम्बर को तड़के एक के बाद एक दो अधिसूचनाएं जारी की गईं। पिछले सात दिनों से यह संभावना व्यक्त की जा रही है कि केंद्र सरकार किसी भी समय पीएफआई के संबंध में कड़ा निर्णय ले सकती है। इन सात दिनों में देश भर में पीएफआई पर तीन बार छापे की कार्रवाई की गई। तीन चक्रों की इस छापा कार्रवाई में तीन सौ से अधिक पीएफआई सदस्यों और उससे संबंध रखने वालों को गिरफ्तार किया गया। इंटेलीजेंस एजेंसियों का कहना है कि काफी संवेदनशील जानकारियां मिलीं हैं। सूत्रों के अनुसार बरामद दस्तावेज दस्तावेज और सामने आए प्रमाणों ने पीएफआई का सारा खेल ही उजागर कर दिया है। पानी वाकई सिर से ऊपर निकलने जैसी नौबत है। केंद्र में उच्च स्तरीय विचार-विमर्श में यही निष्कर्ष सामने आया कि यदि अब भी सख्त कदम नहीं उठाये गए तब भविष्य में खतरा और अधिक बढ़ जाएगा। पीएफआई और उसके सहयोगी संगठनों पर प्रतिबंध का असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिश्व शर्मा ने स्वागत किया है। उल्लेखनीय है कि पीएफआई पर प्रतिबंध लगाने की मांग सबसे पहले उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की थी। गौरतलब है कि एक ओर जहां समूचे देश पीएफआई पर प्रतिबंध का स्वागत किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर की गई कार्रवाई पर सवालिया निशान लगाते इक्का-दुक्का स्वर भी सुनाई दिए हैं। किसी ने पीएफआई पर प्रतिबंध को गलत ठहराने की कोशिश की और कोई कह रहा है कि केंद्र की कार्रवाई इकतरफा है। उनका कहना है कि पीएफआई की तरह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर भी कार्रवाई की जानी चाहिए, क्योंकि ये दोनों ही संगठन देश में नफरत फैलाने में लगे रहे हैं। एक राजनीतिक विश्लेषक ने इस बात को सिरे से खारिज किया है कि पीएफआई पर कार्रवाई सरकार की मुस्लिम विरोधी अघोषित रणनीति का हिस्सा है। उनका कहना है कि 'इसे मुस्लिम विरोधी कदम नहीं कहा जा सकता। सरकार पर इस तरह का आरोप लगाना सही है। देश में एआईएमआईएम,इंडियन मुस्लिम लीग, आल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट सहित लगभग एक दर्जन मुस्लिम पार्टियां हैं, उनके विरूद्ध तो किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं की जा रही है।' पीएफआई के विरूद्ध कार्रवाई पुख्ता जानकारियां मिलने के बाद शुरू की गई थी। 22 सितम्बर को एनआईए और ईडी ने राज्यों की पुलिस के सहयोग से आपरेशन आक्टोपस के तहत छापे मारे थे। एनआईए और इंटेलीजेंस एजेंसियों ने 15 राज्यों की पुलिस के सहयोग से पीएफआई के 93 ठिकानों पर छापे मार कर 106 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सबसे अधिक 22 लोग केरल से गिरफ्तार किए गए हैं। इसके अलावा कर्नाटक से 20, तमिलनाडु से 10, असम से 9, उत्तरप्रदेश से 9, आन्ध्र प्रदेश से 5, मध्यप्रदेश से 4 पुदुचेरी से 3 और राजस्थान से 2 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें पीएफआई का चेयरमैन ओएमए सलाम शामिल है। आतंकी गतिविधियों और फंडिंग के अहम दस्तावेज बरामद किए गए हैं। जांच एजेंसी ने सौ से अधिक मोबाइल फोन जब्त किए हैं। इनके पास से धारदार हथियार, डिजिटल उपकरण और नकदी मिली है। पीएफआई के पदाधिकारियों और सदस्यों के घरों की तलाशी ली गई। पीएफआई के खिलाफ ईडी और एनआईए की जांच मे राष्ट्र विरोधी साजिश की परतें खुलने लगीं हैं। मिली सूचनाओं के आधार पर दो दौर की छापे की कार्रवाई पुनः की गई। इसमें मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, कर्नाटक, असम, दिल्ली, महाराष्ट्र और गुजरात से साढ़े तीन सौ से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। एनआईए के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया है कि मिले साक्ष्य के आधार पर राज्यों की पुलिस अलग-अलग मामले दर्ज करेंगी। जांच एजेन्सियों का दावा है कि पीएफआई ने 12 जुलाई को पटना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली में हमले की साजिश की थी। इस हमले की साजिश में फंडिंग में कोझिकोड से पीएफआई का सदस्य शफीक पायथे शामिल था। हमले के लिए पीएफआई ने ट्रेनिंग कैम्प लगाये थे। 2018 तक कतर में गल्फ तेजस मीडिया हाउस में बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर रहा पायथे ने गैर कानूनी तरीके से 40 लाख रुपये ट्रांसफर किए थे। एनआईए ने कोच्चि में हलफनामे में कहा है कि भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाने के लिए पीएफआई ने लश्कर और आईएसआईएस जैसे आतंकवादी संगठन ज्वाइन करने के लिए युवाओं को प्रोत्साहित किया। भोपाल मे गिरफ्तार पीएफआई के चार सदस्यों के पास से संवेदनशील दस्तावेज और कुछ डिजीटल कंटेंट मिले हैं। इन आरोपितों ने स्वीकार किया है कि अकेले मध्यप्रदेश में उनके दो हजार सक्रिय सदस्य हैं। कट्टरपंथी विचारधारा के प्रचार प्रसार के लिए मुस्लिम युवाओं को प्रलोभन दिया जाता था। राजस्थान के कोटा को पीएफआई का बड़ा गढ़ माना जाता रहा है। ऐसा ही कुछ वह मध्यप्रदेश के श्योपुर में करने की कोशिश कर रहा था। इसी वर्ष बिहार में एक पुलिस छापे के बाद पुलिस ने बताया था कि झारखंड पुलिस के एक रिटायर्ड सब इंसपेक्टर सहित पीएफआई के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। 22 युवकों का एक गुट बिहार और उत्तरप्रदेश में साम्प्रदायिक सद्भाव के वातावरण को बिगाड़ने की जुगत में था। पीएफआई ने अपने नापाक इरादों को अंजाम देने के लिए जरूरी धन की सुनिश्चित आपूर्ति का पक्का इंतजाम कर रखा था। धन जुटाने के लिए खाड़ी देशों में उसका बड़ा नेटवर्क रहा है। जांच एजेन्सियों की नजर से बचने के लिए वह खाड़ी देशों में काम करने वालों की ओर से रेमिटेंस के रूप में पैसा भारत मंगवाता था। उसके बाद उसे अपने खातों में डोनेशन से प्राप्त रकम के रूप में दिखाता रहा है। 2013-14 से 2020-21 तक 120 करोड़ रुपये की फंडिंग हो चुकी है। रिक्शा चालकों और मजदूरों के नाम हजारों रुपयों का डोनेशन दिखाया गया। आन्ध्र प्रदेश में कई लोगों के खातों से पीएफआई को डोनेशन दिया था। ईडी ने उनसे पूछताछ की तो उन्हें इसकी जानकारी ही नही थी। पीएफआई के किन्हीं सदस्यों ने गरीब लोगों के नाम पर बैंक खाते खोल लिए थे। वे ही उसे संचालित करते थे। दिल्ली में पीएफआई के दफ्तर से बरामद डोनेशन की पर्चियों में दान देने वालों के पूरे नाम और पते तक नही लिखे थे। कुछ स्थानों पर बरामद पर्चियों में जिन लोगों के नाम लिखे थे, उनसे पूछताछ करने पर यह तथ्य सामने आया कि उन्होंने कोई डोनेशन नहीं दिया है। उनमें से अधिकांश की आर्थिक स्थिति ऐसी थी ही नहीं की वो दान के लिए अतिरिक्त धन जुटा सकें। पीएफआई की कुछ राज्य इकाइयां मुख्यालय से फंड लेने के अलावा स्थानीय स्तर भी चंदा जमा करतीं थीं। इस राशि का उपयोग दंगे के आरोपितों और हिंदू विरोधियों के लिए किया जाता था। उन लोगों को मदद दी जाती थी जो लव जिहाद, साम्प्रदायिक हिंसा और हमलों के आरोप में जेल में बंद हैं। यह भी पता चला है कि चंदा उगाही, प्रचार-प्रसार और ज्ञापन सौंपने आदि के लिए पीएफआई की राजनीतिक इकाई सोशाल डेमोक्रेटिक पार्टी आफ इंडिया(एसडीपीआई) का उपयोग किया जाता था। किसी विरोध प्रदर्शन की अगुआई एसडीपीआई के नेता करते हैं। पीएफआई पर्दे के पीछे से भीड़ जुटाने का काम करती है। पीएफआई ने कभी कोई चुनाव नहीं लड़ा। इसने स्वयं की भूमिका मुसलमानों के बीच धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों तक सीमित बताई है। बताया यह भी जा रहा है कि पीएफआई ने अपने सदस्यों का कोई लिखित रिकार्ड भी नहीं रखा है। यही कारण है कि किसी हिंसा या आतंकवादी घटना अथवा देश विरोधी गतिविधियों के लिए किसी को गिरफ्तार करने पर उसका संबंध पीएफआई से जोड़कर दिखाना थोड़ा कठिन काम माना जाता रहा है। पीएफआई पर ताजा कार्रवाई से पहले एनआईए ने लगभग साढे चार-पांच माह तक चुपचाप तैयारी की। विश्वसनीय सबूत जुटाये गए जिनसे साबित किया जा सके की पीएफआई के लोग गैरकानूनी तरीकों से विदेश से धन जुटाते हैं और उस धन का उपयोग आतंकवादी गतिविधियों और अन्य समुदायों के विरूद्ध नफरत फैलाने के लिए किया जाता है। पीएफआई का जन्म 2007 में दक्षिण भारत के तीन मुस्लिम संगठनों- नेशनल डेमाक्रेटिक फ्रंट आफ केरल, कर्नाटक फोरम फॉर डिग्रिटी और मनीथा नीथि पासाराई के विलय से हुआ था। इससे पहले इन तीनों संगठनों के नेता 2006 में कोझिकोड में मिले थे। पीएफआई के गठन की औपचारिक घोषणा 16 फरवरी 2007 में बंगलौर में एक रैली में की गई थी। पीएफआई के गठन में प्रतिबंधित सिमी के नेताओं की अहम भूमिका बताई जाती रही है। शुरूआत में घोषणा की गई थी की पीएफआई मुसलमानों, दलितों और अत्यधिक कमजोर समुदायों के अधिकारों के लिए संघर्ष की जिम्मेदारी उठाएगा। कांग्रेस, भाजपा और कर्नाटक ने जनतादल-सेकुलर की कथित जनविरोधी नीतियों का पीएफआई लगातार विरोध करता रहा। धीरे-धीरे इसका असली चेहरा लोगों के सामने आने लगा। जल्द ही चुनावों के समय यह पर्दे के पीछे से खेलने लगा। इसका मकसद चुनावों में मुसलमानों को एकजुट करना होता था ताकि सरकार बनने की स्थिति में सत्ता में दखल का रास्ता मिल जाए। 2009 में पीएफआई ने अपनी राजनीतिक इकाई एसडीपीआई के गठन के साथ ही अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा उजागर कर दी। एसडीपीआई के लिए मैदानी कार्यकर्ता जुटाने की जिम्मेदारी पीएफआई उठाती है। कहा जाता है कि पीएफआई का जन्म केरल में कांग्रेसी राज में हुआ और कम्युनिस्टों के राज में वह वहां मजबूत होता चला गया। पीएफआई/एसडीपीआई का प्रभाव मुख्य रूप से मुस्लिम बहुल इलाकों तक सीमित रहा है। एसडीपीआई ने तटीय दक्षिणी कन्नड़ और उडुपी में गांवों, नगरों और नगर परिषदों के चुनाव जीत कर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है।

सोने के सम्मोहन से उछलता बाजार

एससी ढल

सभी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय त्योहारों में सोने की कीमत में वृद्धि देखी जाती है। जब भी डॉलर वैश्विक स्तर पर मजबूत होता है तो सोने की कीमत बढ़ जाती है क्योंकि लोग इसे अधिक मात्रा में खरीदना शुरू कर देते हैं। भारत का स्वर्ण उद्योग लगभग देश जितना ही पुराना है। सोने को पारंपरिक रूप से समृद्धि की देवी लक्ष्मी के साथ जोड़ा गया है और यह भारत में शादियों के लिए लगभग अनिवार्य आवश्यकता है, चाहे जोड़े का धर्म कुछ भी हो। यह सुनिश्चित करता है कि भारत दुनिया के सबसे बड़े सोने के बाजारों में से एक बना हुआ है, अनुमानित 300,000 जौहरी इस कीमती धातु की भारतीय मांग को पूरा करते हैं। निस्संदेह लोग गहनों से प्यार करते हैं। लेकिन पहले, उस धातु के बारे में थोड़ी-सी जानकारी, जो भारत की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अन्य वस्तुओं के विपरीत, सोने की कीमत बचत और बिक्री पर अधिक और वास्तविक खपत पर कम निर्भर करती है। इसके अतिरिक्त, सोने को अभी भी एक स्टेटस सिंबल के रूप में देखा जाता है। यह भावनात्मक रूप से विवाह और त्योहारों जैसे व्यक्तिगत कारकों के प्रभाव मिलकर इसके मूल्य निर्धारण में भी एक भूमिका निभाता है। वास्तव में, बहुत हाल तक, लगभग सभी देशों के पास एक स्वर्ण मानक था, जिसके लिए उन्होंने अपनी अर्थव्यवस्था को आंका था। इसका मतलब यह भी है कि उनकी मुद्रा की शक्ति उनके पास रखे सोने की मात्रा के सीधे आनुपातिक थी। अधिकांश देशों के साथ अब ऐसा नहीं है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि सोने ने अपनी अंतर्निहित शक्ति खो दी है। सोना एक देश की अर्थव्यवस्था का पर्याय है, एक उत्कृष्ट मानक के रूप में विश्व स्तर पर उपयोग किया जा रहा है। कीमती धातुओं में, सोना सबसे प्रभावी व सुरक्षित ठिकाना है। कई देशों में यह सबसे अच्छा सामाजिक सुरक्षा का रूप है। ज्यादातर लोग इस तथ्य का फायदा उठाते हैं, खासकर भारतीय, जो इसके बिना शादी की कल्पना नहीं कर सकता। लेकिन जरूरी नहीं शादियां तब होती हों, जब भारतीय सबसे ज्यादा सोना खरीदते हैं। बल्कि, यह उन त्योहारों पर है जो समृद्धि, धन या देवी लक्ष्मी से जुड़े हैं कि भारत में सोने की मांग नाटकीय रूप से बढ़ जाती है। वास्तव में, सभी राष्ट्रीय और क्षेत्रीय त्योहारों में सोने की कीमत में वृद्धि देखी जाती है, दिवाली एक ऐसा समय है जब पूरे भारत में सोने की खरीदारी अपने उच्चतम स्तर पर होती है। नवरात्रि एक ऐसा त्योहार है जो परंपरागत रूप से भारत के लिए सोने के बाजार को खोलता है। यह 9 दिवसीय त्योहार दशहरा से पहले होता है, जो बदले में दिवाली की उलटी गिनती शुरू करता है। इस सीजन में सोने की कीमतों में धीरे-धीरे बढ़ोतरी देखी जा रही है और दिवाली के आसपास सोने की कीमतें अपने चरम पर देखी गई हैं। हालांकि, पिछले साल नवरात्रि के दिनों में सोने की बिक्री में 50 प्रतिशत की कमी देखी गई थी। ऐसा कर अधिकारियों की आशंकाओं और सोने पर आयात शुल्क के मजबूत होने के मेल के कारण हुआ। इस प्रकार, उपभोक्ताओं ने थोक खरीद के बजाय सोने की छोटी खरीद यानी आभूषण और सिक्के पर ध्यान केंद्रित किया। हालांकि डॉलर के मजबूत होने और भू-राजनीतिक अनिश्चितता ने सोने की कीमतों में बढ़ोतरी को सुनिश्चित किया। इस साल खरीदारों द्वारा जांच की ऐसी कोई आशंका नहीं है। साथ ही रुपये के अवमूल्यन ने सोने के कारोबारियों को सोने की खरीदारी में बढ़ोतरी का भरोसा दिया है। कमजोर रुपये और भू-राजनीतिक अस्थिरता के कारण इस साल दिवाली के मौसम में सोने की कीमत में तेजी का अनुमान है। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि सोने को अन्य विकल्पों की तुलना में सुरक्षित माना जाता है, कुछ ऐसा जो इसकी कीमतों में वृद्धि सुनिश्चित करता है जैसा कि वे पहले से ही हैं। इसके अलावा, जब भी डॉलर वैश्विक स्तर पर मजबूत होता है तो सोने की कीमत बढ़ जाती है क्योंकि लोग इसे अधिक मात्रा में खरीदना शुरू कर देते हैं। इस मिश्रण में भारत का भावनात्मक लगाव जोड़ें तो दिवाली के दौरान कीमतें और भी अधिक बढ़ जाती हैं। भारत में अधिकांश शादियां अक्तूबर और फरवरी के बीच होती हैं। इन्हीं दिनों यानी दीपावली लगभग हमेशा अक्तूबर-नवंबर के महीनों में होती है। रोशनी के त्योहार के आसपास सोने की कीमत अपनी ऊपरी सीमा को छू लेती है। भारत के त्योहारों के आसपास सोने की मांग और कीमत में हमेशा उछाल देखने को मिलेगा। खासकर नवरात्रि की शुरुआत से लेकर दिवाली के अंत तक। कमोबेश बाद के शादी के मौसम के दौरान कम लेकिन स्थिर मांग के कारण दरें उनके उच्च स्तर पर तैरती हैं। लेकिन हमेशा की तरह, सोने की कीमत का वास्तविक संकेतक पीली धातु के पीछे की भावना है, न कि सूक्ष्म गणना।

चिंतन-मनन

क्षमा भाव आत्मसात करें

बुद्धि का अर्थ है नीर-क्षीर विवेक करने वाली शक्ति और ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा पदार्थ को जान लेना। ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा भौतिक पदार्थ के अन्तर को जानना। आधुनिक शिक्षा में आत्मा के विषय में कोई ज्ञान नहीं दिया जाता, केवल भौतिक तत्वों तथा शारीरिक आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जाता है। फलस्वरूप शैक्षिक ज्ञान पूर्ण नहीं हैं। असम्मोह अर्थात संशय तथा मोह से मुक्ति तभी प्राप्त हो सकती है, जब मनुष्य झिझकता नहीं और दिव्य दर्शन को समझता है। वह धीरे-धीरे निश्चित रूप से मोह से मुक्त हो जाता है। क्षमा का अभ्यास करना चाहिए। मनुष्य को सहिष्णु होना चाहिए और दूसरों के छोटे अपराध क्षमा कर देना चाहिए। सत्यम का अर्थ है तथ्यों को सही रूप में अन्यों के लाभ के लिए प्रस्तुत किया जाए। तथ्यों को तोड़ना-मरोड़ना नहीं चाहिए। सामाजिक प्रथा के अनुसार कहा जाता है कि वही सत्य बोलना चाहिए, जिससे दूसरे लोग समझ सके कि सच्चाई क्या है। कोई चोर है और यदि लोगों को सावधान कर दिया जाये कि अमुक व्यक्ति चोर है, तो यह सत्य है। यद्यपि सत्य कभी-कभी अप्रिय होता है, किन्तु कहने में संकोच नहीं करना चाहिए। सत्य की मांग है कि तथ्यों को यथारूप में लोकहित के लिए प्रस्तुत किया जाए। यही सत्य की परिभाषा है। दम का अर्थ है इन्द्रियों को व्यर्थ विषयभोग में न लगाया जाए। अनावश्यक इन्द्रियभोग आध्यात्मिक उन्नति में बाधक है। मन पर भी अनावश्यक विचारों के विरुद्ध संयम रखना चाहिए। इसे शम कहते हैं। मनुष्य धन-अर्जन के चिन्तन में ही सारा समय न गवाए। यह चिन्तन शक्ति का दुरुपयोग है। मन का उपयोग मनुष्यों की मूल आवश्यकताओं को समझने के लिए किया जाना चाहिए। साधुपुरुषों, गुरुओं महान विचारको की संगति में रहकर विचार-शक्ति का विकास करना चाहिए। जो कुछ कृष्णभावनामृत के विकास के अनुकूल हो, उसे स्वीकार करे और जो प्रतिकूल हो, उसका परित्याग करे।

महंगाई की वजह से बढ़ रही लोन की ईएमआई

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने महंगाई पर रोक लगाने के लिए रेपा रेट 50 आधार अंक बढ़ाकर 5.90 प्रतिशत कर दिया गया है। जिसकी वजह से होम लोन, कार लोन, पर्सनल लोन या फिर अन्य किसी प्रकार का लेने वाले लोगों की ईएमआई में इजाफा हो गया है, क्योंकि आरबीआई के एलान के बाद कई बैंक और एनबीएफसी कंपनियां ब्याज दरें बढ़ा चुकी हैं। पिछले पांच महीनों में चार बार महंगाई को काबू करने के लिए आरबीआइ की ओर से रेपो रेट को 1.90 प्रतिशत बढ़ा दिया गया है। इसके कारण रेपो रेट तीन साल के उच्चतम स्तर 5.90 प्रतिशत पर पहुंच गई है। आरबीआइ ने पहली बार मई में 0.40 प्रतिशत, जून, अगस्त और सितंबर में हर बार 0.50 प्रतिशत का इजाफा किया था। जानकारों का कहना है कि अगर आने वाले महीनों में महंगाई काबू में नहीं आती है, तो फिर आरबीआइ दिसंबर में होने वाली अगली मौद्रिक नीति में 0.35 प्रतिशत की और वृद्धि कर सकता है। ब्याज दर बढ़ने के कारण किसी भी व्यक्ति के लिए लोन लेना महंगा हो जाता है और वर्तमान में चल रहे आपके कार लोन, होम लोन या फिर पर्सनल लोन की ईएमआई में इजाफा हो सकता है। भारत ही नहीं दुनियाभर में इस समय ब्याज दरों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। इसके पीछे की प्रमुख वजह रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध, आपूर्ति श्रंखला का प्रभावित होना और वैश्विक अस्थिरता है।

सरकार ने घरेलू कच्चे तेल पर अप्रत्याशित लाभ कर घटाया

- जेट ईंधन के निर्यात पर विंडफाल टैक्स पूरी तरह समाप्त

नई दिल्ली । सरकार ने घरेलू कच्चे तेल और डीजल पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल टैक्स) में कटौती कर दी है तथा जेट ईंधन के निर्यात पर इसे समाप्त कर दिया। सरकार ने घरेलू उत्पादित कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 10,500 रुपए प्रति टन से घटाकर 8,000 रुपए प्रति टन किया है। डीजल के निर्यात पर इसे 10 रुपए प्रति लीटर से घटाकर पांच रुपए प्रति लीटर कर दिया गया। बताया गया है` कि यह कदम अंतरराष्ट्रीय दरों में गिरावट के बाद उठाया गया है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार देर रात को अधिसूचना जारी कर यह जानकारी दी। अधिसूचना के अनुसार एटीएफ (एविएशन टर्बाइन फ्यूल) के निर्यात पर इसे पूरी तरह खत्म कर दिया गया है जबकि पहले यह 5 रुपए प्रति लीटर था। केंद्र सरकार ने जुलाई में तेल उत्पादक कंपनियों पर विंडफॉल टैक्स लगाया था। सरकार का कहना था कि ये कंपनियां वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से असमान्य लाभ उठा रही हैं। इस कदम से ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी), वेदांता लिमिटेड, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और नायरा एनर्जी को लाभ मिलेगा। सरकार ने सबसे पहले 1 जुलाई को तेल उत्पादक कंपनियों पर विंडफॉल टैक्स लगाया था। तब पेट्रोल और एटीएफ के निर्यात पर 6 रुपए प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया था। इसके अलावा देश में उत्पादिक तेल पर 23250 रुपए प्रति टन विंडफॉल प्रॉफिट टैक्स लगा था। हालांकि, उसके बाद पांच चरणों में इसे घटाया भी गया था। 16 सितंबर तक पेट्रोल से अतिरिक्त निर्यात शुल्क को पूरी तरह हटा दिया गया था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले महीने विंडफॉल टैक्स को लेकर कहा था कि ये कोई अचानक उठाया गया कदम नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे पहले इस उद्योग के हितधारकों से चर्चा की गई थी और उन्हें पूरी तरह आश्वस्त करने के बाद ही विंडफॉल टैक्स लगाया गया था। बकौल वित्त मंत्री उद्योगों को कहा गया था कि हर 15 दिन पर इस टैक्स की समीक्षा की जाएगी। गौरतलब है कि यह विंडफॉल टैक्स की छठी समीक्षा थी।

आरबीआई का अनुमान- अगले वित्त वर्ष में 5.2 फीसदी पर आ सकती है मुद्रास्फीति

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लिए मुद्रास्फीति का निरंतर शीर्ष स्तर पर बने रहना नीतिगत चिंता का एक अहम कारण बना हुआ है लेकिन सामान्य बरसात और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान दूर होने से अगले वित्त वर्ष में दबाव कम होने की संभावना है। आरबीआई की एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। आरबीआई की इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल 2023 से शुरू होने वाले अगले वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति नियंत्रण में आ जाएगी और इसका स्तर 5.2 फीसदी तक रहने की उम्मीद है। चालू वित्त वर्ष में इसके 6.7 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है। आरबीआई ने 'मौद्रिक नीति रिपोर्ट सितंबर 2022' में कहा, 'सामान्य मानसून, आपूर्ति श्रृंखलाओं में बने व्यवधानों के लगातार दूर होने और कोई अन्य बाहरी या नीतिगत झटका नहीं लगने की स्थिति में वित्त वर्ष 2023-24 में मुद्रास्फीति के औसतन 5.2 फीसदी रहने का अनुमान है।' जनवरी 2022 से मुद्रास्फीति का स्तर आरबीआई की संतोषजनक ऊपरी सीमा (छह प्रतिशत) से भी अधिक बना हुआ है। अप्रैल में तो मुद्रास्फीति 7.8 फीसदी के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी हालांकि बाद में इसमें कमी आनी शुरू हुई, फिर भी यह अस्वीकार्य उच्च स्तर पर बनी हुई है। महंगाई को काबू में करने के लिए शुक्रवार को आरबीआई ने नीतिगत दर रेपो 0.5 प्रतिशत बढ़ाकर 5.9 प्रतिशत कर दी। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिये मुद्रास्फीति अनुमान को 6.7 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। दूसरी छमाही में इसके करीब छह प्रतिशत पर रहने का अनुमान है।

मैक्रोटेक ने समय से पहले यश बैंक का कर्ज चुकाने का किया फैसला

नई दिल्ली ।

मैक्रोटेक डेवलपर्स ने यस बैंक के 125 करोड़ के कर्ज को समय से 5 महीने पहले ही भुगतान करने का फैसला किया है। बता दें कि मैक्रोटेक डेवलपर्स को पहले लोढा डेवलपर्स के नाम से जाना जाता था और यह देश की सबसे बड़ी रियल एस्टेट डेवलपर्स में से एक है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी है कि मैक्रोटेक डेवलपर्स ने 2018 में यस बैंक से 625 करोड़ रुपए के सिक्योर्ड बॉन्ड जुटाए थे। इसके तहत उसे 5 सालों तक हर तिमाही 12.5 फीसदी भुगतान करना था। हालांकि अब कंपनी ने इस कर्ज को तय समय से 5 महीने पहले ही पूरा भुगतान करने का लक्ष्य रखा है। 125 करोड़ के कर्ज को 5 महीने पहले ही भुगतान करने का फैसला भी इसी का लक्ष्य का हिस्सा है। रिपोर्ट के मुताबिक जून तिमाही के अंत में मैक्रोटेक डेवलपर्स के कुल करीब 8,856 करोड़ रुपए का कर्ज था, जिसे उसने इस वित्त वर्ष के अंत तक घटाकर 6,000 करोड़ रुपए पर लाने का लक्ष्य रखा है। यस बैंक को कर्ज का समय से पहले भुगतान इसी कवायद का हिस्सा है। बता दें कि मैक्रोटेक डेवलपर्स पिछले कुछ समय से अपने ऊपर लदे कर्ज को तेजी से कम रही है।

देश की अव्वल 10 में से 7 कंपनियों के निवेशकों को लगा 1.16 लाख करोड़ का फटका

नई दिल्ली । बाजार में चल रही अस्थिरता से देश की 10 अव्वल कंपनियों में से सात कंपनियों की कुल मार्केट वैल्यू 1,16,053.13 करोड़ रुपये घट गई। इसका श्रेय पिछले हफ्ते शेयर बाजारों में काफी हद तक रही गिरावट को जाता है। बीते सप्ताह में बीएसई के 30 शेयरों वाले सूचकांक सेंसेक्स में 672 अंक यानी 1.15 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इस गिरावट का सबसे अधिक खामियाजा रिलायंस इंडस्ट्रीज को उठाना पड़ा। सर्वाधिक मूल्यांकन रखने वाली शीर्ष 10 कंपनियों में से पिछले सप्ताह रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस और एचडीएफसी नुकसान में रहीं। वहीं टीसीएस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और इंफोसिस के लिए यह हफ्ता बाजार मूल्यांकन के हिसाब से फायदेमंद साबित हुआ। सर्वाधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को इस हफ्ते अपने बाजार मूल्यांकन में 41,706.05 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। सप्ताह के अंत में उसका बाजार पूंजीकरण 16,08,601.05 करोड़ रुपये पर आ गया। वहीं, एसबीआई का मूल्यांकन 17,313.74 करोड़ रुपये घटकर 4,73,941.51 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 13,806.39 करोड़ रुपये गिरकर 6,01,156.60 करोड़ रुपये पर आ गया। इसी तरह एचडीएफसी बैंक के मूल्यांकन में 13,423.6 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 7,92,270।97 करोड़ रुपये रह गया। एचडीएफसी लिमिटेड का मूल्यांकन 10,830.97 करोड़ रुपये गिरकर 4,16,077.03 करोड़ रुपये पर आ गया। वहीं बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 10,240.83 करोड़ रुपये घटकर 4,44,236.73 करोड़ रुपये हो गया।

इस सप्ताह शेयर बाजार वैश्विक रुझान और विदेशी निवेश जैसे घटकों से प्रभावित रहेंगे

नई दिल्ली ।

इस हफ्ते शेयर बाजार की दशा और दिशा को लेकर अनुमान लगाया जा रहा है कि यह वैश्विक रुझान, आर्थिक आंकड़ों की घोषणा और विदेशी निवेश जैसे घटकों से प्रभावित रह सकते हैं। विश्लेषकों ने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में आने वाले उतार-चढ़ाव और कच्चे तेल की कीमत पर भी बाजार की नजरें बनी रहेंगी। इस सप्ताह में दशहरे का त्योहार होने से कारोबारी दिन भी कम रहेंगे। स्वस्तिका इंवेस्टमेंट लिमिटेड के रिसर्च हेड संतोष मीणा ने कहा है कि बीते शुक्रवार की तेजी की उम्मीद कर रहे निवेशकों को वैश्विक बाजारों से समर्थन की आवश्यकता होगी। पिछले सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन शुक्रवार को शेयर बाजारों ने लगातार सात दिनों से जारी गिरावट के रुख को पलट दिया था। बीएसई का मुख्य सूचकांक सेंसेक्स एक ही दिन में 1,016.96 अंक यानी 1.80 प्रतिशत जबकि एनएसई का निफ्टी 276.25 अंक यानी 1.64 प्रतिशत चढ़ गया था। मीणा ने कहा, 'बाजार की दिशा तय करने में संस्थागत निवेशकों का रुख अहम भूमिका निभाएगा।' साथ ही उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव, अमेरिकी अर्थव्यवस्था के कुछ वृहद-आर्थिक आंकड़ों की घोषणा, डॉलर सूचकांक की दिशा और बॉन्ड यील्ड जैसे बिंदुओं पर निगाह रहेगी। बीते सप्ताह शेयर बाजारों में खासी गिरावट रही। साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 672 अंक यानी 1.15 प्रतिशत गिर गया, जबकि सेंसेक्स में 233 अंक यानी 1.34 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। ऐसा तब है जबकि कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन शुक्रवार को बाजार ने जबरदस्त तेजी बनाई और सेंसेक्स 1000 अंकों सें अधिक की बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार की नजर कुछ महत्वपूर्ण वृहद-आर्थिक आंकड़ों पर भी रहेगी। विनिर्माण क्षेत्र के लिए खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) का आंकड़ा भी सोमवार को जारी होने की संभावना है। वहीं सेवा क्षेत्र से जुड़े आंकड़े गुरुवार को जारी किए जाएंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के उपाध्यक्ष (रिसर्च) अजीत मिश्रा ने कहा, 'इस सप्ताह से एक नए महीने की शुरुआत हो रही है जिसमें वाहन बिक्री, विनिर्माण पीएमआई और सेवा पीएमआई जैसेअहम आंकड़ों पर ध्यान रहेगा। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों के रुख और मुद्रा एवं कच्चे तेल की चाल पर भी कारोबारियों की नजरें रहेंगी।' कोटक सिक्योरिटीज लिमिटेड के अमोल अठावले ने कहा कि आगे भी वैश्विक कारक घरेलू बाजार को प्रभावित करते रहेंगे और किसी भी तरह की नकारात्मक खबर से बाजार में फिर से गिरावट देखने को मिल सकती है।

(तेल तिलहन बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह तेल तिलहन कीमतों में गिरावट रही

सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला की नई फसल आने से भी खाद्य तेलों के भाव में गिरावट आई

नई दिल्ली ।

विदेशों में खाने के तेलों का बाजार कमजोर होने से बीते सप्ताह दिल्ली तेल तिलहन बाजार में खाद्यतेल कीमतों में गिरावट का रुख रहा। घरेलू बाजार में सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला की नई फसल आने से खाद्य तेलों के भाव में` गिरावट आई और इसका असर बाकी खाद्य तेलों पर भी पड़ा। बाजार के जानकार ने कहा कि विदेशों में खाद्यतेलों के बाजार टूटने का असर स्थानीय स्तर पर भी दिखा और खाद्य तेलों के भाव में गिरावट आई। इसके अलावा सोयाबीन के नये फसल की मंडियों में आवक शुरू होने से भी कीमतों में गिरावट आई है। सूत्रों के मुताबिक पिछले सप्ताहांत के शुक्रवार के बंद भाव के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का भाव 130 रुपए टूटकर 6,670-6,700 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल समीक्षाधीन सप्ताहांत में 340 रुपए घटकर 13,360 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। वहीं सरसों पक्की घानी और कच्ची घानी तेल की कीमतें भी क्रमश़ 50-50 रुपए घटकर क्रमश़ 2,080-2,210 रुपए और 2,150-2,265 रुपए टिन (15 किलो) पर बंद हुईं। नई फसल की आवक शुरु होने के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज के थोक भाव क्रमश़ 500 रुपए और 525 रुपए की गिरावट के साथ क्रमशः 4,750-4,850 रुपए और 4,550-4,650 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन तेल कीमतों में भी गिरावट रही। सोयाबीन दिल्ली का थोक भाव 250 रुपए घटकर 12,100 रुपए, सोयाबीन इंदौर का भाव 350 रुपए घटकर 11,800 रुपए और सोयाबीन डीगम का भाव 200 रुपए टूटकर 10,600 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बढ़त के आम रुख के अनुरूप समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहनों कीमतों में भी गिरावट आई। मूंगफली तिलहन का भाव 120 रुपए घटकर 6,900-6,965 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पूर्व सप्ताहांत के बंद भाव के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल गुजरात 350 रुपए घटकर 15,900 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ जबकि मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड का भाव 55 रुपए की गिरावट के साथ 2,640-2,810 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव 400 रुपए की गिरावट के साथ 8,000 रुपए क्विंटल रह गया।

जबकि पामोलीन दिल्ली का भाव 450 रुपए घटकर 9,600 रुपए और पामोलीन कांडला का भाव 550 रुपए घटकर 8,550 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बिनौला तेल भी 800 रुपए टूटकर 11,600 रुपए प्रति क्विंटल के भाव पर बंद हुआ।

एपीजे सुरेंद्र पार्क होटल का साल 2025 तक अपनी संपत्तियों को दोगुना करने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

निजी क्षेत्र के अग्रणी होटल श्रंखला एपीजे सुरेंद्र पार्क होटल्स लिमिटेड ने साल2025 तक अपनी संपत्तियों की संख्या दोगुनी करते हुए 50 तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। कंपनी की चेयरपर्सन प्रिया पॉल ने यह जानकारी दी। कंपनी के पास वर्तमान में कुल 1,934 कमरों वाले 23 होटल हैं। कंपनी अगले कुछ वर्षों में पुणे, अमृतसर, श्रीनगर, दीमापुर, दार्जिलिंग और पोर्ट ब्लेयर समेत कई जगहों पर अपने पोर्टफोलियो में 1,640 से अधिक कमरे जोड़ने की योजना बना रही है। कंपनी की विस्तार योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर पॉल ने कहा, 'हम वर्ष 2025 तक अपने होटल की संख्या 50 तक पहुंचाने की तैयारी में हैं।' उन्होंने कहा कि इस विस्तार के लिए 'एसेट लाइट मॉडल' का विकल्प चुना है। इनमें से कई संपत्तियों का निर्माण कंपनी खुद करेगी। कंपनी के होटलों के कुल पोर्टफोलियो में उसके स्वामित्व वाली संपत्तियों का अनुपात 50 प्रतिशत से भी कम है। इसके मातहत ब्रांड में 'द पार्क', 'द पार्क कलेक्शन', 'जोन बाय द पार्क' और 'जोन कनेक्ट' शामिल हैं। उन्होंने कंपनी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की योजना के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'जब बाजार सही होगा तब फिर से देखा जाएगा। अभी ऐसी योजना नहीं है और यह अगले दो से तीन वर्षों में लाया जा सकता है।' कंपनी ने कोविड-19 महामारी के कारण आईपीओ लाने की योजना को स्थगित कर दिया गया था।

चिप आपूर्ति सुधरने और त्योहारी मांग से वाहनों की बिक्री बढ़ी

- सितंबर में कुल 3,55,946 यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री हुई

नई दिल्ली ।

चिप आपूर्ति में सुधार और त्योहारी मौसम में मांग बढ़ने से देश में घरेलू यात्री वाहन उद्योग की सितंबर की बिक्री सालाना आधार पर बढ़ी है। पिछले वर्ष सेमीकंडक्टर की कमी होने से वाहन आपूर्ति प्रभावित हुई थी लेकिन इस वर्ष उद्योग की मासिक बिक्री सबसे अच्छी रही है। सितंबर में कुल 3,55,946 यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री हुई जो एक साल पहले की तुलना में 91 फीसदी अधिक है। यही नहीं दूसरी तिमाही की बिक्री भी 10 लाख के आंकड़े को पार कर गई। मारुति सुजुकी, हुंदै और टाटा मोटर्स जैसी अग्रणी वाहन कंपनियां चिप की कमी में सुधार होने से पिछले महीने डीलरों को अधिक आपूर्ति कर पाईं। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने बताया कि सितंबर में उसकी घरेलू यात्री वाहनों की कुल बिक्री बढ़कर 1,48,380 इकाई रही जो सितंबर 2021 में 63,111 इकाई थी। आल्टो और एस-प्रेसो जैसी छोटी कारों की बिक्री भी बढ़कर 29,574 इकाई हो गई जो एक साल पहले 14,936 इकाई थी। इसी तरह स्विफ्ट, सेलेरियो, इग्निस, बलेनो और डिजायर जैसी कॉम्पैक्ट कारों की बिक्री पिछले वर्ष सितंबर की 20,891 इकाई की तुलना में बढ़कर 72,176 इकाई हो गई। ब्रेजा, एस-क्रॉस और एर्टिगा जैसे यूटिलिटी वाहनों की बिक्री 18,459 इकाई से बढ़कर 32,574 इकाई हो गई। कंपनी के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक शशांक श्रीवास्तव ने कहा कि 42 महीनों में कंपनी के लिए यह दूसरा सबसे अच्छा महीना रहा है। सर्वश्रेष्ठ महीना अक्टूबर 2020 था जब कंपनी ने घरेलू बाजार में 1,63,000 इकाई की आपूर्ति की थी। उन्होंने बताया कि पहली बार उद्योग ने एक तिमाही में दस लाख वाहनों की बिक्री की है। पहले छह महीने की थोक बिक्री भी उद्योग के लिए सबसे अच्छी रही है जिसमें 19.37 लाख वाहन बिके। टाटा मोटर्स ने बताया कि सितंबर में उसकी घरेलू स्तर पर कुल बिक्री 44 फीसदी बढ़कर 80,633 इकाई हो गई जो पिछले वर्ष समान महीने में 55,988 इकाई थी। पिछले महीने यात्री वाहनों की कुल घरेलू बिक्री 85 फीसदी बढ़कर 47,654 इकाई हो गई जो सितंबर 2021 में 25,730 इकाई थी। टाटा मोटर्स पैसेंजर वेहिकल के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने कहा कि नेक्सॉन और पंच की रिकॉर्ड बिक्री के बूते पिछले महीने 47,654 इकाई की बिक्री हुई जो किसी भी महीने में सर्वाधिक आंकड़ा है। हुंदै मोटर इंडिया की सितंबर में थोक बिक्री 38 फीसदी बढ़कर 63,201 इकाई रही। पिछले वर्ष सितंबर में कंपनी ने 45,791 इकाई की आपूर्ति की थी।

कच्चे तेल में गिरावट, कुछ राज्यों में पेट्रोल महंगा

ब्रेंट क्रूड 2.04 डॉलर गिरकर 87.96 डॉलर प्रति बैरल पर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों कच्चे तेल की कीमतों में बढ़त देखने को नहीं मिली है। ब्रेंट क्रूड का भाव 2.04 डॉलर गिरकर 87.96 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। वहीं डब्ले यूटीआइ 79.49 डॉलर प्रति बैरल बिक रहा है। देश में सरकारी तेल कंपनियों ने रे विवार को पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें जारी कर दी हैं। हालों कि कुछ राज्यों में पेट्रोल और डीजल महंगा हुआ है ले किन अन्य जगह पर इसमें कोई बदलाव नहीं देखा गया है। बिहार में पेट्रोल 33 पैसे बढ़कर 109.23 रुपए प्रति लीटर और डीजल 31 पैसे महंगा होकर 95.88 रुपए लीटर हो गया है। हरियाणा में पेट्रोल 19 पैसे बढ़कर 97.64 रुपए लीटर और डीजल 18 पैसे की तेजी के साथ 90.47 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र समेत कुछ अन्य राज्यों में भी ईंधन की कीमतों में हल्की बढ़त देखने को मिली है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

लखनऊ में पेट्रोल 96.44 रुपए और डीजल 89.64 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर है।

अनुकूल नीतियों के कारण तेलंगाना में 8 वर्षों में आया ढाई लाख करोड़ रुपए का निवेश : केटी रामाराव

हैदराबाद।

तेलंगाना राज्य औद्योगिक मोर्चे पर तेजी से अग्रसर हो रहा है राज्य के उद्योग मंत्री के टी रामाराव ने कहा है कि राज्य ने पिछले आठ वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार अनुकूल नीतियों और माहौल के कारण ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित किया है। वाणिज्य, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) और शहरी विकास मंत्रालय का भी दायित्व संभाल रहे राव ने राज्य की निवेश नीतियों पर एक सवाल के जवाब में यह बात कही। उन्होंने एक बातचीत में कहा, 'हमने पिछले आठ वर्षों में 'टीएस आईपास' के जरिये 20,000 से अधिक मंजूरियां (व्यावसायिक प्रस्तावों के लिए) दी हैं। इनसे 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होने के साथ 16 लाख प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा हुए।' राव ने कहा कि टीएस आईपास या तेलंगाना राज्य औद्योगिक नीति के तहत एक निवेशक को 15 दिनों के भीतर सभी मंजूरी दी जाती है। उन्होंने कहा कि अगर किसी निवेशक को तेलंगाना सरकार से कोई संदेश नहीं मिलता है तो उसका निवेश प्रस्ताव स्वीकृत माना जाता है और इस विलंब के लिए संबंधित अधिकारी पर जुर्माना लगाया जाता है। राव ने कहा कि आईटी, फार्मा और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों ने पिछले आठ सालों में जबरदस्त विकास दिखाया है। तेलंगाना में काम कर रही कंपनियों की संख्या पर एक सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा, 'हम टीका विनिर्माण के मामले में दुनिया के सबसे बड़े केंद्र हैं। विश्व के 33 प्रतिशत टीके का उत्पादन तेलंगाना में ही होता है। हम भारत में 35 से 40 प्रतिशत दवा सबंधी उत्पादों का उत्पादन करते हैं।' उन्होंने कहा कि तेलंगाना सूचना और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी एक अहम केंद्र है और विश्व की सबसे बड़ी आईटी कंपनियां जैसे गूगल, एप्पल, माइक्रोसॉफ्ट, फेसबुक, अमेजन और क्वालकॉम सभी यहां मौजूद हैं।

सितंबर में बिजली खपत बढ़कर 127.39 अरब यूनिट रही

नई दिल्ली ।

सितंबर में भारत की बिजली खपत सालाना आधार पर 13.31 प्रतिशत बढ़कर 127.39 अरब यूनिट हो गई जबकि चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों में इसमें 11.65 प्रतिशत की तेजी देखी गई है। बिजली मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इसके मुताबिक सितंबर 2021 में 112.43 अरब यूनिट की खपत हुई थी जो इस साल सितंबर में बढ़कर 127.39 अरब यूनिट हो गई। सितंबर 2020 में यह आंकड़ा 112.24 अरब यूनिट रहा था। वहीं वित्त वर्ष 2022-23 के पहले छह महीनों में बिजली की खपत 786.5 अरब यूनिट रही है जो एक साल पहले की समान अवधि के 740.40 अरब यूनिट की तुलना में 11.65 प्रतिशत अधिक है। अप्रैल-सितंबर 2020 के दौरान देश में 625.33 अरब यूनिट बिजली की खपत हुई थी। बिजली मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि सितंबर के महीने में एक दिन में सर्वाधिक बिजली मांग बढ़कर 199.47 गीगावाट हो गई। एक साल पहले इसी महीने में एक दिन में 180.73 गीगावाट की सर्वाधिक मांग दर्ज की गई थी। बिजली क्षेत्र के जानकारों का कहना है कि त्योहारी मौसम शुरू होने के पहले सितंबर महीने में बिजली खपत में दहाई अंकों की वृद्धि से औद्योगिक एवं वाणिज्यिक क्षेत्रों में बिजली की बढ़ी हुई मांग का संकेत मिलता है। यह आर्थिक पुनरुद्धार की तरफ इशारा करता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, त्योहारी मौसम में बिजली की मांग और खपत दोनों में ही वृद्धि होने की संभावना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईसीसी की वनडे और टी20 रैंकिंग में चौथे पायदान पर भारतीय महिला टीम

दुबई । भारतीय महिला टीम शनिवार को जारी सालाना अपडेट के बाद आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) की महिलाओं की वनडे और टी20 रैंकिंग में चौथे पायदान पर है। भारत ने वनडे रैंकिंग में एक अंक हासिल किया और उसके अब कुल 104 अंक हो गए हैं। कॉमवेल्थ गेम्स की रजत पदक विजेता हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम को टी 20 में चार अंक का फायदा हुआ और उसके अब कुल 266 अंक हैं। सालाना अपडेट के बाद 2018-19 के परिणामों को हटाया गया है, जबकि 2019-20 और 2020-21 के परिणामों का महत्व 50 प्रतिशत कर दिया गया है। इस तरह से 2021-22 के मैचों को आकलन करते समय शत प्रतिशत महत्व दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया रिकॉर्ड अंतर के साथ वनडे में शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि टी20 टीम रैंकिंग में भी उसने अपनी बढ़त बढाई है। कॉमनवेल्थ गेम्स और विश्व कप चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने वनडे रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका पर अपनी बढ़त 48 से 51 रेटिंग अंक कर दी है, जो कि खेल के किसी भी प्रारूप में अंतरराष्ट्रीय पुरुष या महिला टीम की सबसे बड़ी बढ़त है। टी20 रैंकिंग में उसने दूसरे स्थान पर काबिज इंग्लैंड पर अपनी बढ़त 14 से 18 रेटिंग अंक कर दी है। वनडे रैंकिंग में टीमों की स्थिति में हालांकि कोई बदलाव नहीं हुआ है।

महिला एशिया कप : भारतीय टीम मलेशिया पर बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी

सिलहट।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम सोमवार को यहां महिला एशिया कप क्रिकेट के अपने दूसरे ही मैच में मलेशिया पर जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम ने अपने पहले ही मैच में श्रीलंका को हराया था। इस मैच में टीम की सलामी बल्लेबाज शैफाली वर्मा बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगी। भारतीय टीम के लिए इस मैच में जीत दर्ज करना कठिन नहीं होना चाहियो। मलेशियाई टीम पहले ही मैच में पाकिस्तान के खिलाफ नौ विकेट से मिली हार के कारण दबाव में है। पहले ही मैच में साफ हो गया है कि उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी कमजोर है। भारतीय टीम की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने श्रीलंका के खिलाफ शानदार पारी खेली थी और वह इस सिलसिले को बनाये रखना चाहेगी। वहीं पिछले कुछ समय से असफल रही शैफाली के पास मैच में रन बनाकर लय हासिल करने का अच्छा अवसर है। शैफाली ने पिछले साल मार्च से ही टी20 में एक बार भी पचास रन तक नहीं बनाये हैं। इस बल्लेबाज ने राष्ट्रमंडल खेलों में दो अच्छी पारियां खेली थी पर इसके बाद इंग्लैंड दौरे में वह असफल रही थी। इस आक्रामक सलामी बल्लेबाज के खेल में निरंतरता की कमी पायी गये है। उनका फुटवर्क भी ठीक नहीं है जिसका लाभ इंग्लैंड की गेंदबाजों ने उठाया था। वहीं मलेशिया की गेंदबाजी कमजोर है और शैफाली इस मैच में बड़ा स्कोर कर अपना मनोबल बढ़ाना चाहेंगी। वहीं जेमिमा ने पिछले मैच में अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और वह अपनी इस फॉर्म को आगे भी बनाये रखना चाहेगी। कप्तान हरमनप्रीत कौर भी अभी फार्म में हैं जिसका लाभ भारतीय टीम को मिलेगा। वहीं पिछले मैच में विफल रही उपकप्तान स्मृति मंधाना भी इस बार अधिक से अधिक रन बनाना चाहेगी। इस मैच में किरण नवगीरे जैसी नए खिलाड़ियों को अवसर मिल सकता है। इसके अलावा इस मैच से गेंदबाजी संयोजन सही करने पर भी टीम की नजरें रहेंगी। वहीं दूसरी ओर मलेशियाई टीम की बात करें तो उसकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी कमजोर है। पाक के खिलाफ पहले ही मैच में वह नौ विकेट से हारी थी जिसके बाद उसका मनोबल अभी गिरा हुआ है। ऐसे में उसके लिए इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना आसान नहीं रहेगा।

जेसविन और पविता ने राष्ट्रीय खेलों में जीता स्वर्ण

अहमदाबाद । तमिलनाडु के जेसविन एल्ड्रिन ने पुरुष वर्ग से राष्ट्रीय खेलों की लंबी कूद स्वर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही अगले साल होने वाले 2023 विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप के लिए भी क्वालीफाई किया है। इस स्पर्धा में एल्ड्रिन ने मुरली श्रीशंकर को हराया। वहीं बांस कूद के वहीं महिला वर्ग में तमिलनाडु की मीना पॉलराज ने 4.20 मीटर स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। मीना ने सुरेखा के 4.15 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा। तमिलनाडु की ही पविता वेंगाटेश ने (चार मीटर) और बारानिका इलांगोवान ने (3.90 मीटर) में छलांग लगाकर दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। पुरुषों की लंबी कूद में एल्ड्रिन ने अंतिम प्रयास में 8.26 मीटर की कूद लगाई और विश्व चैम्पियनशिप के 8.25 मीटर के 'क्वालीफाइंग मार्क' को हासिल कर लिया। उन्होंने दो अन्य प्रयासों में भी 8 मीटर से ज्यादा (8.07 मीटर और 8.21 मीटर) की कूद लगाई। वहीं श्रीशंकर ने 7.93 मीटर की कूद पहले ही प्रयास में लगायीद्य। उन्होंने 7.55 मीटर की एक और कूद लगायी। वहीं 'हैमस्ट्रिंग' चोट के कारण वह बाकी चार प्रयास नहीं कर पाये। वहीं एक लंबबी कूद मुकाबले में शीर्ष एथलीट केरल के मोहम्मद अनीस याहिया 7.92 मीटर की कूद लगाकर तीसरा स्थान हासिल किया जबकि 100 मीटर की स्पर्धा में असम के अमलान बोरगोहेन ने पुरुष जबकि आंध्र प्रदेश की ज्योति याराजी ने महिला वर्ग में स्वर्ण जीता। बोरगोहेन 10.38 सेकेंड समय निकालकर पहले स्थान पर रहे जबकि तमिलनाडु के इलाकियादासान वीके को (10.44 सेकेंड) और सिवा कुमार बी (10.48 सेकेंड) समय के साथ ही दूसरा और तीसरा स्थान मिला। ज्योति ने दुती चंद और हिमा दास को पीछे छोड़ते हुए 11.51 सेकेंड से महिलाओं की 100 मीटर स्पर्धा में पहला स्थान हासिल किया। तमिलनाडु की अर्चना सुसींद्रन 11.55 सेकेंड और महाराष्ट्र की डायंड्रा वालाडारेस 11.62 सेकेंड के साथ ही दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं।

तेल अवीव ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

तेल अवीव ।

सार्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच एक कड़े मुकाबले के बाद कनाडा के वासेक पोस्पिसिल को 7-6(5), 6-3 से हराकर तेल अवीव वाटरजेन ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इस जीत के साथ ही जोकोविच ने लगातार दो एटीपी श्रृंखला में जीत का सिलसिला बनाये रखा है। मैच के बाद सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा, ''वासेक मेरे सबसे अच्छे दोस्तों में से एक है। हम एक दूसरे को कई सालों से जानते हैं। इस प्रकार के खिलाड़ी से खेलना आसान नहीं होता जिसका आप बहुत सम्मान करते हो हालांकि हम दोनो ही पेशेवर हैं और हर मैच जीतना चाहते हैं। मुझे लगता है कि टेनिस का स्तर बेहतर था। खासकर पहले सेट और दूसरे सेट के अंत में। इस प्रकार के संघर्षपूर्ण मैच का श्रेय उन्हें जाता है। रोम और विंबलडन में मिली जीत के बाद अब जोकोविच का लक्ष्य यह तीसरा टूर खिताब जीतना है।

भारतीय टीम इस साल टी-20 में कैच छोड़ने के मामले में सबसे फिसड्डी रही

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम इस साल सबसे ज्यादा कैच छोड़ने वाली टीम रही है। यह बात हम नहीं कह रहे इसे पूर्व भारतीय बल्लेबाज और कॉमेंटेटर आकाश चोपड़ा पुख्ता की है। इससे जुड़ी एक कहावत है कि केचेज विन मेचेज यानि पकड़ो कैच और जीतो मैच। लेकिन, टी20 वर्ल्ड कप से पहले यही टीम इंडिया की सबसे बड़ी कमजोरी लग रही है। पूर्व भारतीय बल्लेबाज और कॉमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने इससे जुड़े कुछ चौंकाने वाले आंकड़े अपने यू-ट्यूब वीडियो में साझा किए हैं। इसमें आकाश ने बताया है कि भारतीय टीम इस साल टी20 में कैच छोड़ने के मामले में सबसे फिसड्डी है। यहां तक कि पाकिस्तान भी कैच पकड़ने के मामले में हम से बेहतर है। हालांकि, कैच छोड़ने में अव्वल होने के बावजूद भारतीय गेंदबाज प्रति मैच औसतन 6 विकेट ले रहे हैं। इस मामले में टीम इंडिया टी20 की मजबूत माने जाने वाली टीमों पाकिस्तान और इंग्लैंड से भी बेहतर है। आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर इस साल के इंटरनेशनल टी20 के आंकड़े साझा करते हुए टीम इंडिया की सबसे बड़ी कमजोरी के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम इस साल सबसे ज्यादा कैच छोड़ने वाली टीम है। सिर्फ एक देश ही इस मामले में हमसे फिसड्डी है। टीम इंडिया औसतन 6 मैच में से सिर्फ 4 कैच ही पकड़ रही। यानी भारतीय फील्डर 25 फीसदी कैच छोड़ रहे हैं। हम बार-बार यह कहते हैं कि हमारी गेंदबाजी कमजोर है। हम विकेट नहीं ले पा रहे हैं। डेथ ओवर में रन नहीं बचा पाते हैं। लेकिन, कहीं ऐसा तो नहीं हो रहा है कि हम गेंदबाजी तो ठीक कर रहे। लेकिन, फील्डर्स उतनी मदद नहीं कर रहे। हम इतने कैच छोड़ रहे हैं कि हमारी गेंदबाजी और कमजोर नजर आ रही है।' पूर्व भारतीय ओपनर ने आगे आंकड़ों के जरिए यह बताया कि 2022 में टी20 में कैच पकड़ने के मामले में पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान की टीमें भारत से बेहतर हैं। पाकिस्तान ने भारत के 37 कैच ड्रॉप करने के मुकाबले, इस साल सिर्फ 10 कैच छोड़े हैं। पाकिस्तान ने कुल 77 फीसदी कैच लपके हैं जबकि भारत ने 75 फीसदी से कुछ अधिक कैच पकड़े हैं। टॉप-10 देशों में श्रीलंका सबसे फिसड्डी है। उसने टी20 में इस साल अब तक 19 कैच छोड़े हैं और उसका कैच पकड़ने का औसत 74 फीसदी है। इस साल टी20 में न्यूजीलैंड का कैच पकड़ने का सक्सेस रेट सबसे बेहतर है। कीवी टीम हर 10 में से 9 कैच पकड़ती है। इस साल न्यूजीलैंड ने सिर्फ 5 कैच छोड़े हैं। दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है। उसने इस साल अब तक 9 कैच छोड़े हैं और उसका सक्सेस रेट 86 फीसदी है। इंग्लैंड ने 84 फीसदी कैच लपके हैं। अफगानिस्तान की टीम हर 10 में से 8 कैच पकड़ लेती है। यानी कैच लपकने के मामले में यह टीम भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका से बेहतर है टीम इंडिया से क्यों कैच छूट रहे हैं, आकाश ने इस वीडियो में इसकी वजह भी बताई।

संक्षिप्त समाचार

बुमराह को नहीं है फ्रैक्चर, विश्वकप के नॉकआउट दौर में खेलने की उम्मीदें जागीं

नई दिल्ली । टीम इंडिया के प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जांच में वह स्ट्रैस फ्रैक्चर से पीड़ित नहीं पाये गये हैं। ऐसे में उनके एक माह में ठीक होने की संभावना बढ़ गयी है। इसको देखते हुए एक बार फिर उनके टी0 विश्वकप में खेलने की संभावनाएं बनने लगी हैं। यह भी अनुमान है कि वह नॉकआउट दौर में खेलने के लिए फिट हो जाएंगे। इससे पहले कहा था रहा था कि फ्रैक्चर होने के कारण वह तीन से चार माह तक खेल से दूर रहेंगे और ऐसे में वह टी0 विश्वकप में नहीं खेलेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह के चोट की जांच की। इसमें पाया गया है कि उन्हें स्ट्रैस फ्रैक्चर नहीं है, बल्कि स्ट्रैस रिएक्शन है। यह फ्रैक्चर से एक चरण पहले की चोट है। ऐसे में उन्हें ठीक होने में से 4 से 6 महीने नहीं बल्कि सिर्फ 4 से 6 सप्हाह ही लगेंगे। टीम इंडिया टी20 विश्व कप के लिए 5 अक्टूबर को रवाना होगी हालांकि तब बुमराह को नहीं भेजा जाएगा। टीम 15 अक्टूबर तक उनकी चोट के ठीक होने का इंतजार करेगी और इसके बाद ही कोई उन्हें भेजे जाने पर किसी भी प्रकार का फैसला होगा। 15 अक्टूबर से पहले तक बिना किसी तकनीकी कमेटी के दूसरे खिलाड़ी को टीम से जोड़ा जा सकेगा।

अगले साल भारत में आयोजन कराएगा मोटो जीपी, नौ साल बाद देश में होगी मोटर स्पोर्ट की वापसी

नई दिल्ली । दोपहिया रेसिंग के वैश्विक आयोजक मोटो जीपी ने शुक्रवार को पुष्टि की कि 2023 सत्र से भारत में मोटर स्पोर्ट का आयोजन किया जाएगा। फॉर्मूला वन रेस के कैलेंडर से हटने के नौ साल बाद वैश्विक मोटरस्पोर्ट की देश में वापसी होगी। मोटो जीपी की ओर से जारी संभावित कैलेंडर में भारत में होने वाले आयोजन की तिथि 22 से 24 सितंबर निर्धारित की गई है। विश्व की प्रमुख दोपहिया रेसिंग चैंपियनशिप का आयोजन फॉर्मूला वन की तरह बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर होगा। इस सर्किट ने 2011 से 2013 तक फॉर्मूला वन की मेजबानी की है। मोटो जीपी ने घोषणा की कि भारत अगले साल मोटरसाइकिल ग्रां प्री की मेजबानी करने वाला 31वां देश बन जाएगा। इसके अस्थायी कैलेंडर के मुताबिक 21 रेस के सत्र में भारत सितंबर में 14वें दौर की मेजबानी करेगा। इस रेस का नाम ग्रां प्री ऑफ भारत रखा गया है। इससे पहले मोटो जीपी के वाणिज्यिक अधिकार धारक डोर्ना के शीर्ष अधिकारी इस महीने की शुरुआत में भारतीय रेस प्रमोटर्स फेयरस्ट्रीट स्पोर्ट्स (एफएसएस) के साथ सात साल के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए भारत आए थे। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ भी बैठक की थी। एफएसएस ने घोषणा की थी कि मोटो जीपी के एक दौर को अगले साल यहां आयोजित किया जाएगा, लेकिन डोर्ना के प्रबंध निदेशक कार्लोस इजपेलेटा ने सत्र की व्यस्तता का हवाला देते हुए किसी समय सीमा का जिक्र नहीं किया था।

टी20 विश्वकप में विकेट का डर छोड़कर बल्लेबाजी करें राहुल : वाटसन

सिडनी ।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर शेन वाटसन के अनुसार लोकेश राहुल को टी20 विश्वकप में बिना किसी डर के बल्लेबाजी करनी चाहिये तभी वह अधिक से अधिक रन बना पायेंगे। ऑलराउडर वाटसन का मानना है कि जब राहुल यह महसूस करेंगे कि हैं कि उनके पास खोने के लिए कुछ नहीं है तभी वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पायेंगे। इसलिए उन्हें आउट होने का डर छोड़कर तेजी से बल्लेबाजी करनी चाहिये। हाल के दिनो में राहुल अपने कम स्ट्राइक रेट के कारण आलोचकों के निशाने पर रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 मैच में भारत को केवल 107 रन बनाने थे पर राहुल ने इसके बाद भी धीमी बल्लेबाजी की और 56 गेंदों पर 51 रन बनाए। वाटसन ने कहा कि अगर सफल होना है तो राहुल को विश्वकप में पहली ही गेंद से ही आक्रामक रुख अपनाना होगा। वाटसन ने कहा, 'राहुल मेरा पसंदीदा बल्लेबाज है और वह ऐसा बल्लेबाज है जिसको खेलते हुए देखना मुझे पसंद है। मेरे विचार से राहुल तब आक्रामक रुख अपनाना है तभी वह सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी करता है। वह खेल को आगे बढ़ाता है और उस पर नियंत्रण करने का प्रयास नहीं करता है। उन्होंने कहा, 'मुझे उसे तब बल्लेबाजी करते हुए देखना अच्छा लगता है जब वह यह सोचकर खेलेगा कि उसके पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। इन हालातों में वह बहुत अधिक खतरा लिए बिना भी 180 के स्ट्राइक रेट से रन बना सकता है। अगर वह ऐसा कर सकता है तो विरोधी टीम के गेंदबाजों की मुसीबत बढ़ जाएगी।। वहीं वाटसन ने यह भी कहा कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बाहर होने से भारतीय टीम का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हुआ है। उनके अनुसार अगर बुमराह विश्वकप के लिए फिट नहीं होते तो उनकी जगह मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया जाना चाहिए। वाटसन ने कहा, 'भारत के पास कई बल्लेबाज हैं जो ऑस्ट्रेलियाई हालातों में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं पर उनकी गेंदबाजी पर को लेकर सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'स्पिनर अक्षर पटेल और युजवेंद्र चहल किसी भी तरह के हालातों में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं पर बुमराह के बिना अन्य तेज गेंदबाज ऐसा कर पाएंगे यह सबसे बड़ा सवाल है। ऐसे में विरोधी टीम हावी हो जाएगी।

वाटसन ने कहा कि बुमराह के नहीं खेलने पर भारतीय टीम को एक ऐसा तेज गेंदबाज चाहिए जो 140 किमी की रफ्तार से गेंदबाजी कर सके।

विश्वकप के लिए हमारे पास काफी अच्छे खिलाड़ी : द्रविड़

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ का कहना है कि टी20 विश्व कप के लिए टीम के पास अच्छे खिलाड़ी हैं। इसलिए कुछ खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर हम परेशान नहीं हैं। भारतीय टीम के ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा सर्जरी के कारण टीम से बाहर हैं। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ में दर्द के बाद से ही टीम से बाहर है। इन दोनो अहम खिलाड़ियों के बाहर होने के कारण प्रशंसक टीम के प्रदर्शन को लेकर आशंकित हैं। इसी को लेकर द्रविड़ ने कहा कि टीम संतुलित है और उसके पास काफी अच्छे स्तर के खिलाड़ी हैं। द्रविड़ ने कहा, 'हमें पता है कि टीम में किस तरह के संयोजन की जरूरत है। अंतिम-11 में शामिल करने के लिए कई महीने पहले ही खिलाड़ियों का चयन नहीं किया जा सकता है। हमें पता है कि किस तरह की क्षमता वाले खिलाड़ियों की जरूरत हमें रहेगी।।' उन्होंने कहा कि कुछ खिलाड़ियों की कमी जरुर महसूस होगी। बड़े टूर्नामेंट में अलग-अलग जगहों पर खेलना होता है , ऐसे में टीम में विविधता जरुरी है। ऐसे में सभी खिलाड़ियों को अलग-अलग हालातों के हिसाब से ढ़लना होगा क्योंकि यह सफलता के लिए जरुरी है।

पांड्या और स्टोक्स शीर्ष स्तर के खिलाड़ी: कैलिस

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर जैक्स कैलिस के अनुसार टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिया पांड्या और इंग्लैंड के ब्रेन स्टोक्स शीर्ष स्तर के खिलाड़ी हैं और ये दोनो ही टी20 विश्व कप में अहम भूमिका निभाएंगे। कैलिस के अनुसार ऑस्ट्रेलिया में आगामी टी20 विश्व कप में इस जोड़ी का अहम प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने साथ ही कहा कि पांड्या और स्टोक्स उन खिलाड़ियों में से हैं, जिनकी देखभाल करनी चाहिये। कैलिस का मानना है कि विश्वकप में यह दोनो ही दोनों अपनी-अपनी टीमों के पदर्शन में अहम भूमिका निभाएंगे। कैलिस ने कहा, 'ये दोनों ही विश्व स्तर के ऑलराउंडर हैं। ये ऑलराउंडर ऐसे हैं जिनकी आपको देखभाल करनी होगी क्योंकि इनके जैसे खिलाड़ी कभी-कभी ही होते हैं। मुझे भरोसा है कि ये दोनों अपनी टीमों के लिए एक बड़ी भूमिका निभाएंगे।' कैलिस के अनुसार विश्व कप में हालात अलग होंगे पर इसके बाद भी भारत और दक्षिण अफ्रीका सीरीज में मिले अनुभवों का लाभ खिलाड़ियों को मिलेगा। उन्हें अपने देश की टीम के कप्तान टेंबा बावुमा से कहा कि उन्हें विश्वकप को ध्यान में रखते हुए काम करने की जरुरत है। इस दौरान सभी उनके साथ हैं।'

नमन की शानदार बल्लेबाजी से इंडिया लीजेंड्स ने दूसरी बार जीता खिताब

रायपुर ।

विकेटकीपर बल्लेबाज नमन ओझा की आक्रामक बल्लेबाजी से सचिन तेंदुलकर की इंडिया लीजेंड्स ने श्रीलंका लीजेंड्स को 33 रनों से हराकर वर्ल्ड सेफ्टी सीरीज खिताब जीता है। इसी के साथ ही इंडिया लीजेंड्स ने दूसरी बार इस खिताब पर कब्जा किया है। वहीं यह दूसरी बार है जब फाइनल में श्रीलंकाई टीम हारी है। इससे पहले हुए फाइनल में भी उसे हार का सामना करना पड़ा था। इस मुकाबले में नमन ने 71 गेंदों में 15 चौके और 2 छक्के लगाकर नाबाद 108 रन बनाये। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंडिया लीजेंड्स ने 6 विकेट पर 195 रन बनाए। इस प्रकार श्रीलंकाई लीजेंड्स को जीत के लिए 196 रनों का लक्ष्य मिला पर वह 18.5 ओवरों में 162 रन ही बना पायी। भारतीय टीम की कोर से विनय कुमार ने 3 जबकि अभिमन्यु मिथुन ने 2 खिलाड़ियों को आउट किया। वहीं राजेश पवार, स्टुअर्ट बिन्नी, राहुल शर्मा और युसूफ पठान को 1-1 विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंकाई टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज सनथ जयसूर्या 5 रनों पर ही पेवेलियन लौट गये। दिलशान मुनावीरा भी 8 रन आउट हो गये। ईशान जयरत्ने 51 को छोड़कर कोई भी अन्य बल्लेबाज रन नहीं बना पाया। वहीं इससे पहलेबल्लेबाजी करते हुए इंडिया लीजेंड्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और कप्तान सचिन खाता खोले बिना ही कुलसेखरा की गेंद पर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद सुरेश रैना भी 2 गेंदों में 4 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद विनय कुमार

और नमन ओझा ने टीम को 100 रनों के ऊपर पहुंचाया। विनय कुमार 36 रनों पर आउट हुए। वहीं दूसरे छोर पर नमन ने जमकर रन बटोरे। उन्होंने युवराज सिंह (19) और इरफान पठान (11) के साथ मिलकर पारी को 195 रनों तक पहुंचाया। नमन ने 39 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। वहीं श्रीलंकाई टीम की ओर से कुलसेखरा ने 3 और उडाना ने 2 विकेट लिए।

शमी ने शुरू किया अभ्यास, वापसी के लिए पास करना होगा कार्डियोवासक्युलर टेस्ट

मुम्बई । टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टी20 विश्व कप से पहले अभ्यास शुरु कर दिया है। इससे खिलाड़ियों की चोटों से उबर रही भारतीय टीम को राहत मिली है। शमी ने गेंदबाजी का अपना एक वीडियो भी इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया है। इसमें शमी पूरी रफ्तार से गेंदबाजी करते दिखे हैं। यह वीडियो उनके फार्म हाउस का दिख रहा है। उन्होंने इसके साथ लिखा है। न थके हैं पांव कभी, न ही हिम्मत हारी है। शमी को हालांकि अभी टीम में वापसी के लिए बीसीसीआई द्वारा कोरोना संक्रमण से उबरने वाले खिलाड़ियों के लिए अनिवार्य किए गए कार्डियोवासक्युलर टेस्ट को पास करना होगा। शमी को टी20 विश्व कप के लिए रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है। भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पहले ही पीठ दर्द के कारण टीम से बाहर हो गये हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि शमी अगर पूरी तरह से ठीक साबित होते हैं तो उन्हें बुमराह की जगह पर टीम में जगह मिल सकती है। शमी को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय सीरीज में भी खेलने का अवसर मिल सकता है। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'शमी की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आई है। उन्हें अब दूसरी अनिवार्य जांच से गुजरना होगा। पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद से ही शमी ने कोई टी20 मैच नहीं खेला है , ऐसे में विश्व कप से पहले अन्हें अभ्यास के लिए कुछ मैच खेलने होंगे।' गौरतलब है कि बीसीसीआई 9 अक्टूबर तक चोट के बाद भी टी20 विश्व कप के दल में बदलाव कर सकती है , वहीं अगर आईसीसी अनुमति देती है तो भारत को 15 अक्टूबर तक टीम में बदलाव की अनुमति रहेगी। भारतीय टीम 6 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया रवान होगी।

लौंग कपूर से आरती करने के लाभ

नवरात्रि में व्रत कर पूजा के बाद आखिर में मां दुर्गा की आरती की जाती है। आरती में अदिकतर लोग घी का दिया जलाकर आरती करते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं। नवरात्रि में व्रत कर पूजा के बाद आखिर में मां दुर्गा की आरती की जाती है। आरती में अदिकतर लोग घी का दिया जलाकर आरती करते हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं। अगरबत्ती, लाल बत्ती, कपूर और लौंग से आरती करना बहुत शुभ होता है। ऐसा कहा जाता है कि इन चीजों को ही दुर्गा जी की आरती में शामिल करना चाहिए। वैसे तो लौंग और कपूर अग्यारी देते समय तो हम अर्पित करते हैं, लेकिन आरती करते समय भी हमें लौंग का इस्तेमाल करना चाहिए। कपूर का इस्तेमाल करने के पीछे कहा जाता है कि रोज कपूर जलाने से घर में नेगेटिव एनर्जी नहीं रहती है और लौंग को मां लक्ष्मी से जुड़ा हुआ माना जाता है। इसलिए लौंग और कपूर की से मां दुर्गा जी की आरती करने से घर में स्रु समृद्धि बढ़ती है। इसके अलावा घी और अगर कपूर बत्ती अर्पित करने से भी लाभ होता है।

अंबे जी की आरती

अम्बे तू है जगदम्बे काली, जय दुर्गे खप्पर वाली,
तेर ही गुण गायें भारती,
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती।
तेर भक्त जानो पर मैया भीड़ पड़ी है भारी,
दानव दल पर टूट पड़ो माँ कर के सिंह सवारी।
सो सो सिंघो से है बलशाली,
है दस भुजाओं वाली, दुखिओं के दुखड़े निवारती।
माँ बेटे की है इस जग में बड़ा ही निर्मल नाता,
पूत कपूत सुने है पर ना माता सुनी कुमाता।
सबपे करुना बरसाने वाली, अमृत बरसाने वाली,
दुखिओं के दुखड़े निवारती।
नहीं मांगते धन और दौलत ना चांदी ना सोना,
हम तो मांगे माँ तेरे मन में एक छोटा सा कोना।
सब की बिगड़ी बनाने वाली,
लाज बचाने वाली, सतिओं के सत को सवारती।
ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती।

नवरात्रि में दुर्गा विसर्जन का क्या है महत्व

नवरात्रि में घटस्थापना, जवारे स्थापा और माता दुर्गा की प्रतिमा की स्थापना करके 9 दिनों तो उनकी पूजा आराधना की जाती है और दशमी के दिन विसर्जन किया जाता है। अंतिम दिन के बाद अर्थात नवमी के बाद माता की प्रतिमा और जवारे का विसर्जन किया जाता है। आखिर क्या है विसर्जन का महत्व, आओ जानते हैं।

कहते हैं कि जिस प्रकार बेटियां अपनी ससुराल से मायके आती हैं और कुछ समय रहने के बाद पुन: अपने ससुराल चली जाती है। उसी प्रकार मां दुर्गा अपने मायके अर्थात धरती पर आती हैं और 9 दिन रुकने के बाद पुन: अपने पति के पास कैलाशधाम चली जाती हैं। बेटी को विदा करते समय कुछ खाने-पीने का सामान, श्रृंगार का सामन, वस्त्र आदि दिए जाते हैं, उस प्रकार माता की प्रतिमा के विसर्जन के समय एक पोटली में यह सभी सामान बांधकर उनके साथ ही विसर्जन किया जाता है। एक और मान्यता है कि यह संपूर्ण ब्रह्मांड पंचतत्वों से बना हुआ माना जाता है। शास्त्रों में कहा भी गया है-

क्षिति, जल, पावक, गगन, समीरा। पंचतत्व ये अधम शरीरा।।

अर्थात शरीर आकाश, जल, अग्नि और वायु से मिलकर यह शरीर बना है। जल भी पंचतत्व है इसे काफी पवित्र माना गया है क्योंकि यह हर गुण दोष को अपने आप में विलिन कर लेता है। इसीलिए पूजा में भी पवित्र जल से पवित्रीकरण किया जाता है।

3.जल को ब्रह्म (ब्रह्मा नहीं) भी माना गया है। जल से ही जीवन की उत्पत्ति हुई है। जल चिर तत्व है। इसी कारण से जल में त्रिदेवों का वास भी माना जाता है। यही वजह है कि पूजा पाठ में भी पवित्रीकरण के लिए जल का प्रयोग किया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जल में देव प्रतिमाओं को विसर्जित करने के पीछे यह कारण है कि देवी देवताओं की मूर्ति भले ही विलीन हो जाए लेकिन उनके प्राण मूर्ति से निकलकर सीधे परम ब्रह्म में लीन हो जाते हैं।

दुर्गा विसर्जन मंत्र :
गच्छ गच्छ सुरश्रेष्ठे स्वस्थानं परमेश्वरि।
पूजाराधनकाले च पुनरागमनाय च।।

अष्टमी, नवमी को किया जाता है कन्या पूजन, पूजा विधि और शुभ मुहूत

शारदीय नवरात्रि की शुरुआत 26 सितंबर, 2022 से हो गई है। नवरात्रि के दौरान मां के नौ रूपों की पूजा- अर्चना की जाती है। नवरात्रि में अष्टमी और नवमी तिथि का विशेष महत्व होता है

शारदीय नवरात्रि की शुरुआत 26 सितंबर, 2022 से हो गई है। नवरात्रि के दौरान मां के नौ रूपों की पूजा- अर्चना की जाती है। नवरात्रि में अष्टमी और नवमी तिथि का विशेष महत्व होता है। इस अष्टमी को दुर्गा अष्टमी या महाअष्टमी भी कहा जाता है। नवमी के दिन नवरात्रि का समापन होता है। नवरात्रि में कन्या पूजन बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। अष्टमी और नवमी तिथि पर कन्या पूजन शुभ माना जाता है।

अष्टमी- 3 अक्टूबर, 2022
अष्टमी तिथि प्रारम्भ - अक्टूबर 02, 2022 को 06:47 पी एम बजे
अष्टमी तिथि समाप्त - अक्टूबर 03, 2022 को 04:37 पी एम बजे
नवमी- 4 अक्टूबर, 2022
नवमी तिथि प्रारम्भ - अक्टूबर 03, 2022 को 04:37 पी एम बजे
नवमी तिथि समाप्त - अक्टूबर 04, 2022 को 02:20 पी एम बजे

कन्या पूजन विधि

- कन्या पूजन के लिए नौ कन्याओं और एक लड़के की आवश्यकता होती है। नौ कन्याओं को मां का स्वरूप और लड़के को भैरव का स्वरूप मानकर पूजा की जाती है।
- अगर आपको नौ कन्याएं नहीं मिल रही हैं तो आप जितनी कन्याएं हैं उनका ही पूजन कर लें। बाकी कन्याओं के हिस्से का भोजन गाय को खिला दें।
- सबसे पहले कन्याओं और लड़के के पैरों को स्वच्छ जल से धोएं और उन्हें आसन पर बिठाएं।
- सभी कन्याओं और लड़के को तिलक लगाएं।
- इसके बाद कन्याओं और भैरव स्वरूप लड़के की आरती करें।
- कन्याओं को भोजन खिलाएं। कन्याओं को भोजन खिलाने से पहले मंदिर में मां को भोग अवश्य लगा लें।
- कन्याएं जब भोजन कर लें तो फिर उन्हें प्रसाद के रूप में फल दें और अपने सामर्थ्यानुसार दक्षिणा अवश्य दें।
- सभी कन्याओं और भैरव स्वरूप लड़के के चरण स्पर्श भी करें।
- कन्याओं को सम्मान पूर्वक विदा करें। ऐसा माना जाता है कि कन्याओं के रूप में मां ही आती हैं।

महानवमी के दिन घर में इस विधि से करें हवन

हिंदू धर्म में नवरात्रि का विशेष महत्व होता है। नवरात्रि के दौरान मां के 9 रूपों की पूजा- अर्चना की जाती है। इस साल 26 सितंबर से नवरात्रि के पावन पर्व की शुरुआत हो गई है। हिंदू धर्म में नवरात्रि का विशेष महत्व होता है। नवरात्रि के दौरान मां के 9 रूपों की पूजा- अर्चना की जाती है। इस साल 26 सितंबर से नवरात्रि के पावन पर्व की शुरुआत हो गई है। 4 अक्टूबर को महानवमी है। महानवमी के दिन कन्या पूजन और हवन भी किया जाता है। हवन करने से मां दुर्गा की विशेष कृपा प्राप्त होती है। इस दिन व्रत पारण भी किया जाता है।

हवन विधि...

- नवमी के दिन प्रात: जल्दी उठ जाना चाहिए।
- स्नान आदि से निवृत्त होकर साफ- स्वच्छ वस्त्र पहन लें।
- शास्त्रों के अनुसार हवन के समय पति- पत्नी को साथ में बैठना चाहिए।
- किसी स्वच्छ स्थान पर हवन कुंड का निर्माण करें।
- हवन कुंड में आम के पेड़ की लकड़ी और कपूर से अग्नि प्रज्जवलित करें।
- हवन कुंड में सभी देवी- देवताओं के नाम की आहुति दें।
- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कम से कम 108 बार आहुति देनी चाहिए। आप इससे अधिक आहुति भी दे सकते हैं।
- हवन के समाप्त होने के बाद आरती करें और भगवान को भोग लगाएं। इस दिन कन्या पूजन का भी विशेष महत्व होते हैं। आप हवन के बाद कन्या पूजन भी करवा सकते हैं।

नौमी तिथि की ये 10 खास बातें जानकर ही करें पूजा या नए कार्य

शारदीय नवरात्रि में नवमी तिथि का बहुत महत्व होता है। यह नवरात्रि की अंतिम तिथि होती है। चैत्र और शारदीय नवरात्रि में इस तिथि को माता सिद्धिदात्री देवी की पूजा होती है। 4 अक्टूबर 2022 को शारदीय नवरात्रि की नवमी तिथि है। आओ जानते हैं नवमी तिथि का महत्व।

- नवमी तिथि चन्द्र मास के दोनों पक्षों में आती है। इस तिथि की स्वामिनी देवी माता दुर्गा है।
- ज्योतिष के अनुसार यह तिथि रिक्ता तिथियों में से एक है। रिक्ता अर्थात खाली। इस तिथि में किए गए कार्यों की कार्यसिद्धि रिक्त होती है। यहीं कारण है कि इस तिथि में समस्त शुभ कार्य वर्जित माने गए हैं। मात्र माता की पूजा ही फलदायी होती है।
- यह तिथि चैत्रमाह में शून्य संज्ञक होती है और इसकी दिशा पूर्व है। यह उग्र अर्थात आक्रामकता देने वाली तिथि हैं।
- यह तिथि शनिवार को सिद्धदा और गुरुवार को मृत्युदा मानी गई है। अर्थात शनिवार को किए गए कार्य में सफलता मिलती है और गुरुवार को किए गए कार्य में सफलता की कोई गारंटी नहीं।
- इस तिधि में जगतजननी त्रिदेवजननी माता दुर्गा की पूजा करने से मनुष्य इच्छापूर्वक संसार-सागर को पार कर लेता है तथा हर क्षेत्र में सदा विजयी प्राप्त करता है।
- नवमी तिथि के शुक्ल पक्ष में दुर्गा की पूजा शुभ लेकिन शिव पूजन अशुभ है। हालांकि कृष्ण नवमी को शिव पूजन कर सकते हैं।
- जीवन में यदि कोई संकट है अथवा किसी प्रकार की अड़चनें आने से काम नहीं हो पा रहा है तो जातक दुर्गा नवमी के दिन दुर्गा सप्तशती का पाठ करके विधिवत समापन करें और कन्याओं को भोज कराएं।
- नवमी के दिन लौकी खाना निषेध है, क्योंकि इस दिन लौकी का सेवन गौ-मांस के समान माना गया है। इस दिन कड़ी, पूरणपौल, खीर, पूरी, साग, भजिये, हलवा, कद्दू या आलू की सब्जी बनाई जा सकती है।
- नवमी तिथि में जन्म लेने वाला जातक देवों का भक्त होता और पुत्रवान होता है। जातक अपने बाहुबल से विजय पाने की कोशिश करता है। हालांकि उसमें त्याग और समर्पण होता है। इस तिथि में जन्मा जातक धनार्जन में कुशल होता है।
- कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी अक्षय एवं आंवला नवमी के नाम से मनाई जाती है। इस दिन भगवान विष्णु का पूजन होता है और आंवले के वृक्ष की पूजा भी की जाती है। अश्विन माह की शारदीय नवरात्रि में दुर्गा की पूजा होती है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी को राम नवमी के रूप में उत्साह और हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्रीराम का पूजन और वंदन करने से सुख, समृद्धि और शांति बढ़ती है। साथ ही संतान सुख की प्राप्ति होती है।

नवरात्रि के 9 दिनों में क्या-क्या खरीदें, माता रानी हो जाए प्रसन्न

क्या आप जानते हैं कि नवरात्रि के पवित्र त्योहार पर ऐसी कौन-कौन-सी चीजें खरीदें जिससे सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाए। अगर नहीं तो आप भी जानिए और अवश्य खरीदें नवरात्रि में इन चीजों को.

- आरोग्य पाना चाहते हैं तो नवरात्रि के प्रथम दिन से लेकर अंतिम दिन तक कभी भी गाय का घी लाकर रखें।
- अपना घर चाहते हैं तो मिट्टी का छोटा सा घर लाकर पूजा स्थल में रखें।
- अगर विदेश यात्रा करना चाहते हैं तो 9 दिनों में कभी भी पताका (ध्वजा या परचम) खरीद कर नौ दिनों तक पूजा करें और नवमी के दिन किसी देवी मंदिर में अर्पित करें।
- आर्थिक कष्टों से मुक्ति के लिए चांदी की कोई भी शुभ सामग्री लाकर देवी को समर्पित करें।
- नौकरी में पदोन्नति चाहते हैं तो 3 नारियल लाकर पहले घर में रखें और नवमी के दिन मंदिर में चढ़ाएं।
- आकर्षण बढ़ाना चाहते हैं तो धूप, सुगंध, अगरबत्ती, रूई या चमकीली सफेद सामग्री खरीदें।
- नवरात्रि के दिन मौली खरीद कर उस पर नौ गांठ लगा कर देवी को समर्पित करें और फिर उसे सदा अपने पास रखने से हर कार्य में सफलता मिलती है।
- अपार धन संपत्ति के लिए इन नौ दिनों में किन्नर से पैसा लेकर तिजोरी या पर्स में रखें।
- सौभाग्य में वृद्धि के लिए समस्त सुहाग श्रृंगार सामग्री (कांच, काजल, कुमकुम, मंगलसूत्र, चूड़ी, कंघी, बिछिया, चुनरी) खरीदें और काली मां को नवमी के दिन चढ़ाएं।

नवरात्रि पूजन में नवमी के दिन पारण कैसे करें

जिन लोगों के यहां पर अष्टमी का पूजन होता है वे अष्टमी को और जिन लोगों के यहां नवमी का पूजन होता है वे नवमी को व्रत का पारण करते हैं। पारण कब करें, पारण का समय क्या है और आओ जानते हैं कि कैसे करें पारण।

क्या होता है पारण

किसी भी उपवास के दूसरे दिन किया जाने वाला पहला भोजन पारण कहलाता है।

पारण का समय

पारण दिन में सभी कार्यों के बाद मुहूर्त देखकर करना चाहिए। ऐसा मानते हैं कि सप्तमी का अष्टमी को, अष्टमी का नवमी को और नवमी का दशमी तिथि को किया जाता है। पारणा मुहूर्त को लेकर शास्त्रों में कुछ मतभेद हैं कि पारणा नवमी को होगा या दशमी को। मिमांसा के अनुसार पारणा दशमी को करना चाहिए, क्योंकि कई शास्त्रों में ऐसा कहा गया है कि नवमी को उपवास रखा जाता है।

पारण कब करें

अगर आप महा नवमी तिथि पर नवरात्रि व्रत पारण कर रहें हैं तो इस दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा करें तथा उन्हें भोग लगाएं। इसके बाद देवी दुर्गा की षोडषोपचार पूजा करें, कन्या भोज कराएं साथ में लंगुरिया (छोटा लड़का) भी होना चाहिए, इसके साथ ही हवन और विसर्जन की विधि संपन्न कराएं। इसके बाद पारण किया जाता है।

परण कैसे करें

- पारण करने के लिए प्रात: काल उठकर स्नान आदि करके देवी का ध्यान किया जाता है। उपरोक्त कर्म के बाद पारण करने के लिए भोजन सात्विक होना चाहिए।
- अष्टमी में पारण के भोजन में प्याज, लहसुन, तेज मसाला, मांस, नारियल, तेल, लाल रंग का साग, पालक, मैथी नहीं होना चाहिए। नवमी के पारण में प्याज, लहसुन, तेज मसाला, मांस, मिठाई, लौकी, केले और दूध नहीं होना चाहिए।
- मान्यता है कि जो भोग आप माता और कन्याओं के लिए प्रस्तुत करते हैं उसी भोग से पारण करना शुभ माना जाता है। पारण करने के पूर्व आचमी करें और पत्ते पर तीन कोल रखकर ब्रह्मा, विष्णु और शिवजी को नम्कार करने के बाद ही पारण करें।
- पारण के समय भरपेट भोजन नहीं करें। इसे पेट में दर्द हो सकता और बल्कि पाचन में भी परेशानी हो सकती है।
- पहले पानी पिएं और फिर 30 मिनट बाद भोजन करें। पानी पीने से पेट में ठंडक पहुंचे, और बाद में होने वाली पाचन संबंधी समस्याओं से बचा जा सके।
- आप चाहें तो नींबू पानी, लस्सी, नारियल पानी य फिर मौसंबी का जूस पीकर भी पारण कर सकते हो या फल खाकर भी पारण कर सकते हो।
- आप पारण में अंकुरित आहार ले सकते हैं। आप अगर चाहें तो मिले जुले आटे की रोटी बना सकते हैं। सब्जियों में गिल्की, कद्दू, टमाटर, अरबी, भिंडी, दाल व दही जैसे पाचक व हल्की चीजें ले सकते हैं।

नवरात्रि में 9 दिन चढ़ाएं ये फूल

शारदीय नवरात्रि में मूर्ति स्थापना, घटस्थापना, कलश पूजा, व्रत, गरबा, दुर्गा पूजा, हवन, कन्या भोज और विसर्जन किया जाता है। इस दौरान यदि आप माता को प्रसन्न करने के लिए उनके मंदिर में जाकर उन्हें हर रोज एक फूल अर्पित करेंगे तो माता प्रसन्न होगी।

- शैलपुत्री : मां शैलपुत्री को गुड़हल का लाल फूल और सफेद कनेर का फूल अर्पित करने से वे बहुत प्रसन्न होती हैं।
- ब्रह्मचारिणी : मां ब्रह्मचारिणी को गुलदाउदी का फूल पसंद हैं। इस दिन मां के चरणों में यह फूल अर्पित कर उन्हें प्रसन्न किया सकता है।
- चंद्रघंटा : मां चंद्रघंटा को कमल का फूल और शंखपुष्पी का फूल बेहद पसंद हैं। इस दिन मां के चरणों में यह फूल अर्पित करने से मां प्रसन्न होती है और जल्दी सफलता मिलती है।
- कुष्मांडा : मां कुष्मांडा को चमेली का फूल या पीले रंग का कोई भी फूल पसंद है। इस फूल को अर्पण करने से मां प्रसन्न होकर अपने भक्तों को अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद देती हैं।
- स्कंदमाता : मां को पीले रंग के फूल बहुत पसंद हैं। इस दिन माता को यह फूल अर्पित करने से मां प्रसन्न होकर सुख और समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं।
- कात्यायनी : मां कात्यायनी को गेंदे का फूल और बेर के पेड़ का फूल पसंद है।
- कालरात्रि : सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा होती है। माता कालरात्रि को नीले रंग का कृष्ण कमल का फूल बहुत अधिक पसंद है। यदि ये फूल न मिले तो कोई भी नीले रंग का फूल भी अर्पित करेंगे तो माता प्रसन्न होगी।
- महागौरी : आठवें दिन महागौरी माता की पूजा की जाती है। माता महागौरी को मोगरे का फूल बेहद पसंद है। इस दिन मां के चरणों में यह फूल अर्पित करेंगे तो तो मां की कृपा हमेशा आपके घर-परिवार पर बनी रहेगी।
- सिद्धिदात्री : नौवें दिन माता सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। मां को चंपा और गुड़हल का फूल बेहद पसंद है। उनके चरणों में इस फूल को चढ़ाने से मां प्रसन्न होती हैं और अपने भक्तों को आशीर्वाद देती हैं।

बुर्किना फासो में नौ महीने में दूसरी बार तख्तापलट, राष्ट्रपति डामिबा सत्ता से बाहर

बुर्किना फासो। बुर्किना फासो में सैनिकों ने शुक्रवार देर रात सरकारी प्रसारणकर्ता को अपने नियंत्रण में ले लिया और सैन्य तख्तापलट कर राष्ट्रपति बने लेफ्टिनेंट कर्नल पॉल हेनरी सैंडाओगो डामिबा को महज नौ महीने बाद ही सत्ता से बेदखल करने की घोषणा की।

सैन्य प्रवक्ता ने कहा कि कैप्टन इब्राहिम त्राओरे इस्लामिक चरमपंथ से जूझ रहे पश्चिमी अफ्रीकी देश के नए राष्ट्राध्यक्ष हैं। डामिबा और उनके सहयोगियों ने महज नौ महीने पहले ही लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित राष्ट्रपति को सत्ता से बाहर कर दिया था और वह देश को अधिक सुरक्षित बनाने का वादा करके सत्ता में आए थे। हालांकि, हिंसा का दौर जारी रहा तथा हाल के महीनों में उनके नेतृत्व को लेकर असंतोष की आवाज बुलंद होने लगी थीं। प्रवक्ता कैप्टन किस्वेंदसिदा फारुक अजारिया सोरघो द्वारा शुक्रवार शाम को पढ़े गए बयान में कहा गया है, ''बिगड़ते सुरक्षा हालात के मद्देनजर हमने सुरक्षा मुद्दों पर बदलाव पर ध्यान केंद्रित करने का बार-बार प्रयास किया है।'' सैनिकों ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से वादा किया कि वे अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करेंगे। उन्होंने देशवासियों से ''शांति से अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने'' का अनुरोध किया। डामिबा बुर्किना फासो के राष्ट्राध्यक्ष के तौर पर न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित कर हाल में लौटे थे। हालांकि, तनाव महीनों से बढ़ रहा है। डामिबा ने अपने भाषण में जनवरी में हुए तख्तापलट का बचाव करते हुए इसे ''देश को बचाए रखने का मुद्दा'' बताया था। राजधानी औगाडोउगोउ में शुक्रवार को गोलीबारी हुई। दोपहर बाद डामिबा के प्रवक्ता ने राष्ट्रपति कार्यालय के फेसबुक पेज पर पोस्ट किए बयान में कहा, ''शांति वापस लाने के लिए बातचीत की जा रही है।

रूस पर यूक्रेन के परमाणु ऊर्जा संयंत्र के प्रमुख को अगवा करने का आरोप

कीव। यूक्रेन के परमाणु ऊर्जा प्रदाता विभाग ने रूस पर यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र के प्रमुख का अपहरण करने का आरोप लगाया है। यूक्रेन की परमाणु कंपनी एनर्गोटम ने शनिवार को कहा कि रूसी सेना ने जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र के महानिदेशक इहोर मुराशोव को शुक्रवार अपराह्न करीब चार बजे अगवा कर लिया। जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर रूस के सैनिकों का कब्जा है। एनर्गोटम ने कहा कि रूसी सैनिकों ने मुराशोव की कार को रोका, उनकी आंखों पर पट्टी बांधी और फिर उन्हें एक अज्ञात स्थान पर ले गए। एनर्गोटम के अध्यक्ष पेट्रो कोटिन ने कहा, रूस द्वारा उनको हिरासत में लेने की घटना यूक्रेन और यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र की सुरक्षा को खतरे में डालती है। पेट्रो कोटिन ने मांग की कि रूस तुरंत मुराशोव को रिहा करे। दरअसल, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के चार क्षेत्रों को औपचारिक रूप से रूसी संघ में शामिल करने के लिए एक संधि पर हस्ताक्षर किए हैं।डोनेत्स्क, लुहांस्क, खेरसन और जापोरिज्जिया को रूस में शामिल करने की घोषणा की गयी है। रूस ने हालांकि, परमाणु ऊर्जा संयंत्र के महानिदेशक इहोर मुराशोव को हिरासत में लेने की बात स्वीकार नहीं की है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी जिसके कर्मचारीसंयंत्र में तैनात हैं, ने एनर्गोटम के मुराशोव के अपहरण के दावे को स्वीकार नहीं किया है। जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र बार-बार यूक्रेन में जारी युद्ध की कार्रवाई का शिकार हुआ है। रूसी सैनिकों द्वारा जापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर कब्जा करने के बाद यूक्रेनी तकनीशियनों ने इसे चलाना जारी रखा है। संयंत्र के पास चल रही गोलाबारी के बीच सितंबर में संयंत्र का आखिरी रिएक्टर बंद कर दिया गया था।

दक्षिण कैरोलिना में 'इयान' का कहर, फ्लोरिडा में मृतक संख्या बढ़ कर 27 हुई

वॉशिंगटन। फ्लोरिडा के बाद दक्षिण कैरोलिना में एक बार फिर प्रचंड होने के बाद तूफान 'इयान' ने कहर बरपाया जिससे सड़कों पर पानी भर गया। इससे पहले 'इयान' ने फ्लोरिडा में जमकर तबाही मचायी और हजारों लोग अपने घरों में कैद हो गए तथा कम से कम 27 लोगों की मौत हो गयी। प्राधिकारियों ने बताया कि जान गंवाने वालों में 22 साल की एक युवती शामिल है जो सड़क पर पानी में बह जाने की वजह से शुक्रवार को गहरे गड्ढे में गिर गई थी। इसके अलावा 71 वर्षीय व्यक्ति के सिर पर छत का एक हिस्सा गिर जाने की वजह से उनकी मौत हो गई और ऑक्सीजन मशीन पर निर्भर 94 वर्षीय व्यक्ति की भी बिजली कटौती के कारण मौत हो गयी। पानी के तेज बहाव में बह जाने से 68 साल की एक महिला की मौत हो गई। इससे पहले, तूफान की वजह से क्यूबा में तीन लोगों की जान चली गई। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि तूफान से बुरी तरह प्रभावित इलाकों में मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसैन्टिस ने शुक्रवार को बताया कि राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने कहा कि बचाव दलों ने तूफान से बुरी तरह प्रभावित 3,000 से अधिक घरों में जा कर सहायता पहुंचाई। बचाव कार्य में लगे कर्मियों ने मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका जताई है। आपदा संबंधी एक कंपनी ने बताया कि 'इयान' तूफान से 100 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान होने की आशंका है।

ब्राजील में दक्षिणपंथी बोलसोनारो और वामपंथी लूला डा सिल्वा के बीच कांटे की टक्कर

रियो डी जेनेरियो । ब्राजील में रविवार को हुए आम चुनाव में 12 करोड़ से अधिक लोगों मतदान किया। इस चुनाव के परिणाम से तय होगा कि दुनिया के चौथे सबसे बड़े लोकतंत्र की कमान किसके हाथ में जाएगी। ब्राजील में हो रहे इस चुनाव का बड़े पैमाने पहले ही ध्रुवीकरण हो चुका है। इस चुनाव में जनता यह तय करेगी कि देश की सत्ता चार वर्षों के लिए दक्षिणपंथी विचारधारा वाले मौजूदा राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो के हाथ में दोबारा सौंपी जाए, अथवा वामपंथी लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा एक बार फिर सत्ता में लौटेंगे। राजधानी ब्राजीलिया समेत देश के अन्य हिस्सों में सुबह आठ बजे शुरू हुए मतदान में मौजूदा राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो और पूर्व राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा के बीच कड़ा मुकाबला है। नौ अन्य उम्मीदवार भी मैदान में हैं, पर उनमें से किसी के भी चुनाव जीतने की संभावना बेहद कम है। हाल में कराए गए कई सर्वेक्षणों में लूला डा सिल्वा को लोगों ने अपनी पहली पसंद बताया है। सर्वेक्षणों में हिस्सा लेने वाले 50 प्रतिशत लोगों ने लूला डा सिल्वा का समर्थन किया है जबकि 36 प्रतिशत लोगों ने जेयर बोलसोनारो को एक बार फिर देश की कमान सौंपने की बात कही है। बोलसोनारो पर भड़काऊ भाषण देने के अलावा लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने के आरोप लगाए जाते हैं। देश में कोविड-19 महामारी की चुनौती से निपटने के उनके प्रयासों की भी आलोचना की जाती है। अमेजन वर्षावन में बीते 15 वर्षों के दौरान वनों की सबसे अधिक कटाई होने के लिए भी उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाता है। बोलसोनारो ने पारंपरिक पारिवारिक मूल्यों की रक्षा करके और खुद को वामपंथी नीतियों से देश की रक्षा करने वाले नेता के रूप में पेश करके एक बड़ा जनाधार बनाया है। ब्राजील की आर्थिक विकास दर बेहद धीमी है तथा कल्याणकारी योजनाएं शुरू करने के बावजूद 3.3 करोड़ लोगों को खाद्य पदार्थों की कमी का सामना करना पड़ रहा है। देश में बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। ब्राजील में 15 करोड़ से अधिक योग्य मतदाता हैं, और मतदान करना अनिवार्य है। करीब 20 प्रतिशत लोगों के मतदान में हिस्सा नहीं लेने की आशंका है।

अंटार्कटिका में एक ग्लेशियर से कई सालों से बह रहा खून का झरना

सिडनी । अंटार्कटिका में एक ग्लेशियर से खून का झरना बह रहा है। ग्लेशियर का नाम टेलर ग्लेशियर है। यह पूर्वी अंटार्कटिका के विक्टोरिया लैंड पर है। यहां जाने वाले बहादुर खोजकर्ताओं और वैज्ञानिकों को यह नजारा हैरान कर रहा है। खून का यह झरना कई दशकों से बह रहा है। अब जाकर इसके निकलने की वजह पता चली है। टेलर ग्लेशियर के नीचे एक अत्यधिक प्राचीन जगह है। ऐसा माना जाता है कि वहां पर जीवन मौजूद है। धरती पर एलियन की मौजूदगी की तरह। यानी ग्लेशियर के नीचे जीवन पनप रहा है। जिन वैज्ञानिकों ने खून के झरने को नजदीक जाकर देखा है। सैंपल लिया है, वहां बताते हैं कि यह स्वाद में नमकीन है। जैसे खून होता है। लेकिन यह इलाका किसी नरक से कम नहीं है। यहां जाना मतलब जान जोखिम में डालने जैसा हैं। खून के इस झरने की खोज सबसे पहले ब्रिटिश खोजकर्ता थॉमस ग्रिफिथ टेलर ने 1911 में की थी। अंटार्कटिका के इस इलाके में यूरोपियन वैज्ञानिक सबसे पहले पहुंचे थे। शुरुआत में थॉमस और उनके साथियों को लगा था कि ये लाल रंग की एल्गी है। लेकिन ऐसा था नहीं। बाद में यह मान्यता रद्द की गई। 1960 में पता चला कि यहां ग्लेशियर के नीचे लौह नमक है।

ताइवान में चीन के झंडे को आग के हवाले करते हुए एक पार्टी के कार्यकर्ता।

स्निपेक्स एलिगेटर अचूक राइफल से रूस के टैंक भेद रही यूक्रेनी सेना

कीव । यूक्रेन करीब 7 महीनों से रूस की मिसाइलों और बम धमाकों का सामना कर रहा है इसके पीछे उसकी सैन्य सज्जा भी सहायता कर रही है। यूक्रेन के पास दुनिया की सबसे ताकतवर राइफलों में से एक राइफल स्निपेक्स एलिगेटर से वह रूस की बख्तरबंद गाड़ियों, टैंक्स, तोप, विमान आदि को मारकर गिरा दे रहा है। यूक्रेनी निशानेबाज यानी स्नाइपर इन बंदूकों के ऊपर साइलेंसर भी लगाते हैं ताकि फायरिंग की आवाज़ कम हो। एक बार गोली निशाने की तरफ बढ़ी तो मौत पक्की है।

स्निपेक्स एलिगेटर एक एंटी-मैटेरियल राइफल है। यानी किसी भी धातु वाले टारगेट पर सीधा हमला किया जा सकता है। यह नई और अत्याधुनिक है। साल 2020 से उसका उत्पादन शुरू हुआ है। इसे यूक्रेन, जर्मनी और नीदरलैंड्स में एक्सएडीओ होल्डिंग लिमिटेड बनाती है।

स्निपेक्स एलिगेटर का वजन 25 किलोग्राम है। इसकी कुल लंबाई 2000 मिलिमीटर यानी 6.56 फीट है। इसमें से इसकी नली यानी बैरल की लंबाई 1200 मिलिमीटर यानी 3.93 फीट है। बैरल लंबी यानी रेंज ज्यादा। इसकी सटीक मारक रेंज 2 किलोमीटर है। लेकिन अधिकतम सात किलोमीटर तक निशाना बना सकती है। स्निपेक्स एलिगेटर से निकलने वाली गोली हर सेकेंड में एक किलोमीटर की दूरी तय करती है। यानी इधर गोली चली और दो सेकेंड में दो किलोमीटर दूर बैठा टारगेट ध्वस्त। मैगजीन डिटैचेबल होती है। यानी निकालकर फिर लगाई जा सकती है। एक मैगजीन में पांच राउंड होते हैं। यानी पांच गोलियां भरी जाती हैं।

शुरू हो चुका है तीसरा विश्वयुद्ध, मानने को तैयार नहीं पश्चिमी देश: फियोना हिल

मॉस्को (एजेंसी)।

रूस और यूक्रेन का युद्ध चल रहा है। यूक्रेन को लगातार अमेरिका मदद दे रहा है। हथियारों की मदद के साथ ही रूस पर प्रतिबंध समेत कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं, जो यूक्रेन के लिए फायदेमंद रहे हैं। इस युद्ध को लेकर लगातार चेतावनी दी जाती रही है कि तीसरा विश्वयुद्ध कभी भी शुरू हो सकता है, लेकिन अब व्हाइट हाउस की एक पूर्व सलाहकार ने चेतावनी दी है कि तीसरा विश्वयुद्ध शुरू हो गया है, लेकिन पश्चिमी देश इसे स्वीकार नहीं कर रहे हैं।

रूसी मामलों की जानकार फियोना हिल का मानना है कि रूस और यूक्रेन का तनाव लगातार बढ़ रहा है, लेकिन पश्चिम अभी भी स्पष्ट नहीं है। यूक्रेन के कुछ हिस्सों पर रूस के कब्जे की घोषणा ने युद्ध के तनाव को और भी बढ़ा दिया है। हिल ने दावा किया कि दूसरे विश्व युद्ध के दौरान जापान पर परमाणु हथियार गिरा कर अमेरिका ने एक मिसाल कायम की थी। हिल ने कहा हम लंबे समय से तीसरे विश्वयुद्ध में हैं। हम इसे पहचानने में विफल रहे हैं।

अमेरिका लगातार रूस की न्यूक्लियर गतिविधियों को देख रहा है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने परमाणु हमले के कारण होने वाली तबाही को लेकर पुतिन को चेतावनी दी है। हिल ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि युद्ध के पहले से ही तनाव किस तरह बढ़ रहा था। उन्होंने विशेष रूप से 2014 में रूस के क्रीमिया पर कब्जा करने का जिक्र किया, जिसमें बाद यूक्रेन ने अपने हथियारों को बढ़ाना शुरू कर दिया है।

हिल पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सलाहकार रही हैं। उनका कहना है कि पुतिन ने यूक्रेन से यह समझ लिया है कि आखिर रूस के हमले की स्थिति में अमेरिका किस तरह की प्रतिक्रिया देगा। हालांकि यूक्रेन बहादुरी के साथ लड़ रहा है और हजारों वर्ग मील क्षेत्र पर इस महीने वापस कब्जा जमा लिया है। इसके साथ ही अब यूक्रेन ने नाटो में शामिल होने के लिए आवेदन दिया है।

उत्तर कोरिया ने एक सप्ताह में चौथी बार मिसाइल परीक्षण किया

कोरिया। (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया ने शनिवार को कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया। उसके पड़ोसी देशों ने यह जानकारी दी। इस सप्ताह यह चौथी बार है जब उत्तर कोरिया ने हथियारों का परीक्षण किया है, जिसकी उसके विरोधियों ने कड़ी निंदा की है। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति यून सुक यियोल ने उत्तर कोरिया के हथियार कार्यक्रम की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि उत्तर कोरिया की परमाणु हथियारों की ''सनक'' उसके अपने लोगों की पीड़ा को बढ़ा रही है तथा उन्होंने ऐसे हथियारों के इस्तेमाल पर दक्षिण कोरिया तथा अमेरिकी सेनाओं की ओर से ''अत्यधिक कड़ी प्रतिक्रिया'' मिलने को लेकर आगाह किया। यून ने सशस्त्र सेना दिवस समारोह में कहा, ''उत्तर कोरिया ने पिछले 30 वर्ष में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की निरंतर आपत्ति के बावजूद परमाणु तथा मिसाइल हथियारों के लिए अपना फितूर नहीं छोड़ा है। परमाणु हथियारों का विकास उत्तर कोरियाई लोगों को और पीड़ा में डाल देगा।'' उन्होंने कहा, ''अगर उत्तर कोरिया परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की कोशिश करता है तो उसे दक्षिण कोरिया-अमेरिका गठबंधन तथा हमारी सेना की कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा।'' यून की टिप्पिणियां उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन को नाराज कर सकती हैं, जिन्होंने आरोप लगाया है कि यून की सरकार का नेतृत्व ''सनकी और गुंडे'' करते हैं। किम ने परमाणु निरस्त्रीकरण के बदले में मदद की यून की पेशकश पहले ही ठुकरा दी है। उत्तर कोरिया ने अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की दक्षिण कोरिया की यात्रा तथा अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के बीच पांच साल में पहला पनडुब्बी रोधी प्रशिक्षण होने के बाद मिसाइल परीक्षण तेज कर दिए हैं। दक्षिण कोरिया, जापान और अमेरिकी सेनाओं ने शनिवार को कहा कि उन्होंने उत्तर कोरिया के दो मिसाइल परीक्षणों का पता लगाया है। दक्षिण कोरिया तथा जापान की सेनाओं के अनुसार, मिसाइलों ने कोरियाई प्रायद्वीप तथा जापान के बीच समुद्र में गिरने से पहले करीब 350-400 किलोमीटर की दूरी तय की।

मीथेन लीक की वजह से बाल्टिक सागर में भीषण विस्फोट, बुरी तरह प्रभावित हुआ समुद्री इको सिस्टम

न्यूयॉर्क (एजेंसी)।

बाल्टिक सागर में बिछी नेचुरल गैस पाइपलाइन सिस्टम नॉर्ड स्ट्रीम फट गई है. जिसकी वजह से भयानक मीथेन लीक हो रही है. इससे इतना बड़ा विस्फोट हुआ, जो अंतरिक्ष से भी दिखाई दिया. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण प्रोग्राम (यूएनईपी) का मानना है कि यह विस्फोट कई टीएनटी बमों के बराबर है. इस विस्फोट की वजह से बाल्टिक सागर के इकोसिस्टम पर बुरा असर पड़ रहा है. अगर इसे जल्दी नहीं रोका गया तो आसपास के बड़े इलाके में समुद्री जीव-जंतुओं को भारी नुकसान होगा. यहां तक कि समुद्री परिवहन पर भी असर पड़ सकता है. यूएनईपी का इंटरनेशनल मीथेन एमिशन ऑब्जरवेटरी (आईएमईओ) ने कहा है कि अत्यधिक कंसेनट्रेटेड मीथेन निकल रही है. यह बात सही है कि यह कार्बन डाईऑक्साइड से कम समय पर्यावरण में रहता है. लेकिन नुकसान ज्यादा पहुंचाता है. आईएमईओ के प्रमुख मैनफ्रेडी काल्टाजिरोन ने कहा कि यह बेहद बुरी घटना है.

मैनफ्रेडी के मुताबिक यह मीथेन लीक की अब तक की सबसे बड़ी घटना है. दुनिया भर में मीथेन पर नजर रखने वाली सैटेलाइट जीएचजीसैट के अनुसार यहां से करीब 23 हजार किलोग्राम मीथेन हर घंटे निकल रही है. यानी यह पूरी दुनिया में हर घंटे में जलने वाले 2.85 लाख टन कोयले के बराबर है. नॉर्ड स्ट्रीम पाइपलाइन की कंपनी ने कहा है कि पिछले चार दिनों से मीथेन लीक की गति इतनी ज्यादा है कि उसे ठीक करना मुश्किल हो रहा है.

ऑडियो लीक मामले पाक कैबिनेट ने इमरान खान के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने को मंजूरी दी

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान में शहबाज शरीफ मंत्रिमंडल ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ उनके ऑडियो लीक को लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू करने के संबंध में शुक्रवार को औपचारिक रूप से फैसला किया। एक खबर में यह जानकारी दी गई है। खबर के अनुसार, हाल में लीक हुए ऑडियो में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के तीन नेताओं को पार्टी के अध्यक्ष इमरान खान के साथ अमेरिकी साइफर (गूढ़लेख) के बारे में बात करते हुए सुना जा सकता है।

इसके अनुसार लीक हुए इस ऑडियो में खान अपनी सरकार को गिराने की कथित साजिश के बारे में भी बात कर रहे थे। इस ऑडियो लीक का संज्ञान लेते हुए कैबिनेट ने 30 सितंबर को एक समिति का गठन किया था। समिति ने इस ऑडियो लीक को लेकर कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की। 'जियो न्यूज' की खबर के अनुसार कैबिनेट समिति ने सिफारिश की है, ''यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है, जिसका राष्ट्रीय हितों पर गंभीर प्रभाव पड़ता है और इस संबंध में कानूनी कार्रवाई महत्वपूर्ण है।'' संघीय जांच एजेंसी को अमेरिकी साइबर और ऑडियो लीक की जांच का काम सौंपा जाएगा। इस बीच, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की नेता मरियम नवाज शरीफ ने शनिवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार के प्रति असंतोष व्यक्त किया और कहा कि इतने सारे आरोप होने के बावजूद सरकार खान को गिरफ्तार करने में विफल रही है। उन्होंने खान के बानी गाला स्थित आवास पर छापेमारी करने की मांग की। वित्त मंत्री इसहाक डार ने कहा कि खान सत्ता के भूखे हैं और ''किसी भी कीमत पर'' देश पर शासन करना चाहते हैं।

इंडोनेशिया में फुटबॉल मैच के बीच प्रशंसकों में मची भगदड़, 129 लोगों की मौत, कई घायल

मलंग। (एजेंसी)।

इंडोनेशिया में एक फुटबॉल मैच के दौरान हुए विवाद को शांत करने के लिए पुलिस द्वारा आंसू गैस के गोले छोड़े जाने के बाद प्रशंसकों के बीच मची भगदड़ से 129 लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूर्वी जावा प्रांत के मलंग शहर के कंजुरुहान स्टेडियम के अंदर दो प्रतिद्वंद्वी फुटबॉल टीमों के समर्थकों के बीच उस समय कई झड़पों की सूचना मिली थी, जब इंडोनेशियाई प्रीमियर लीग के मैच में पर्सेबाया सुरबाया ने अरेमा मलंग को 3-2 से हरा दिया था। पूर्वी जावा के पुलिस प्रमुख निको अफिंटा ने बताया कि शनिवार देर रात मैच की समाप्ति के बाद हुए विवाद को शांत करने के लिए दंगा रोधी पुलिस को आंसू गैस के गोले दागने पड़े, जिससे समर्थकों के बीच दहशत फैल गई। अफिंटा के मुताबिक, आंसू गैस के गोले के प्रभाव से बचने के लिए सैकड़ों प्रशंसक निकास द्वार की तरफ भागे। उन्होंने बताया कि इस दौरान कुचलने और दम घुटने के कारण 34 लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। अफिंटा के अनुसार, 300 से अधिक लोगों को पास के अस्पतालों में ले जाया गया, लेकिन इनमें से कई ने रास्ते में या फिर इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि अस्पताल में भर्ती 180 घायलों में से कई की हालत लगातार बिगड़ रही है, ऐसे में मृतकों की संख्या में इजाफा हो सकता है।

रूस के ''अवैध जनमत संग्रह'' पर संयुक्त राष्ट्र में लाए प्रस्ताव पर भारत ने बनायी दूरी

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

भारत शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में अमेरिका एवं अल्बानिया द्वारा पेश किए गए उस मसौदा प्रस्ताव पर मतदान से दूर रहा, जिसमें रूस के ''अवैध जनमत संग्रह'' और यूक्रेनी क्षेत्रों पर उसके कब्जे की निंदा की गई है। इस प्रस्ताव में मांग की गई थी कि रूस यूक्रेन से अपने बलों को तत्काल वापस बुलाए। परिषद के 15 देशों को इस प्रस्ताव पर मतदान करना था, लेकिन रूस ने इसके खिलाफ वीटो का इस्तेमाल किया, जिसके कारण प्रस्ताव पारित नहीं हो सका। इस प्रस्ताव के समर्थन में 10 देशों ने मतदान किया और चार देश चीन, गाबोन, भारत तथा ब्राजील मतदान में शामिल नहीं हुए। इससे पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के दोनेत्स्क, लुहांस्क, खेरसॉन और जोपोरिज्जिया क्षेत्रों पर कब्जा जमाने की शुक्रवार को घोषणा की थी। मतदान के बाद परिषद को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि यूक्रेन में हाल के घटनाक्रम से भारत बहुत चिंतित है और उसने हमेशा इस बात की वकालत की है कि मानव जीवन की कीमत पर कोई समाधान नहीं निकाला जा सकता। उन्होंने मतदान से दूर रहने पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा, ''हम अनुरोध करते हैं कि संबंधित पक्ष तत्काल हिंसा और शत्रुता को खत्म करने के लिए हरसंभव प्रयास करें। मतभेदों तथा विवादों को हल करने का इकलौता जवाब संवाद है, हालांकि इस समय यह कठिन लग सकता है।'' भारत ने कहा, ''शांति के मार्ग पर हमें कूटनीति के सभी माध्यम खुले रखने की आवश्यकता है।'' कंबोज ने कहा कि इस संघर्ष की शुरुआत से ही भारत का रुख स्पष्ट रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में आतंकी हमला, एक पुलिसकर्मी शहीद, सर्च ऑपरेशन जारी

जम्मू । जम्मू कश्मीर के पुलवामा में एक बार फिर से आतंकवादियों ने अपनी नापाक साजिश को अंजाम देने की कोशिश की है। पुलवामा में आतंकवादियों ने एक बार फिर से आतंकी हमले की कोशिश की है। इस हमले में एक पुलिसकर्मी शहीद हुआ है जबकि सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया है। फिलहाल पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। जम्मू कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों के जवान आतंकवादियों की जांच कर रहे हैं। जानकारी में बताया गया है कि पुलवामा के पिंगलाना में सीआरपीएफ और पुलिस की संयुक्त पार्टी पर आतंकियों ने फायरिंग की। इस आतंकी हमले में एक पुलिस कर्मी शहीद हो गया और सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया। अतिरिक्त सैन्य को भेजा गया है। क्षेत्र की घेराबंदी की जा रही है। आपको बता दें कि आतंकवादियों के खिलाफ जम्मू कश्मीर में इस वक्त ऑपरेशन ऑल आउट चल रहा है। इसके अलावा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दौरे को लेकर जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं। हालांकि, आतंकवादी लगातार इस कोशिश में है कि कहीं ना कहीं से उन्हें अपने नापाक मंसूबों को अंजाम देने का मौका मिल जाए। आज ही जम्मू-कश्मीर के शोपियां में लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकवादी को मुठभेड़ में मार गिराया गया है। मारे गए आतंकवादी की पहचान शोपियां जिले के नौपोरा इलाके के रहने वाले नसीर अहमद भट के तौर पर की गई है। दक्षिण कश्मीर में शोपियां जिले के बासकुचन इलाके में आतंकवादियों की उपस्थिति की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया। सुरक्षा बल जब इलाके में तलाशी अभियान चला रहे थे, तभी आतंकवादियों ने उनपर गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें लश्कर-ए-तैयबा का स्थानीय आतंकवादी मारा गया। वहीं, बारामुला में अग्निवीर रैली को निशाना बनाने की योजना से आए आतंकवादियों को सुरक्षा बलों ने ढेर कर दिया था।

जबरन वसूली केस में मुंबई पुलिस ने छोटा शकील के रिश्तेदार सलीम फ्रूट को हिरासत में लिया

मुंबई । मुंबई पुलिस ने जबरन वसूली मामले में छोटा शकील के रिश्तेदार सलीम को हिरासत में लिया। भगोड़े बदमाश छोटा शकील के रिश्तेदार सलीम इकबाल कुरैशी उर्फ सलीम फ्रूट पर जबरन वसूली का आरोप है। इसी मामले में जांच के सिलसिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी 'एनआईए' से उसे अपनी हिरासत में लिया है। सूत्रों के मुताबिक उसे 6 अक्टूबर तक कस्टडी में दिया गया है। एक अधिकारी के अनुसार कुरैशी भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों के खिलाफ विभिन्न गैरकानूनी गतिविधियों के लिए एनआईए द्वारा दर्ज एक मामले के सिलसिले में न्यायिक हिरासत में था। उन्होंने कहा कि मुंबई अपराध शाखा के एंटी एक्सटॉर्शन सेल 'एईसी' ने जबरन वसूली मामले में उसे हिरासत में लिया है। दाऊद इब्राहिम के कथित सहयोगी रियाज भाटी को भी पहले इस मामले में पकड़ा गया था। उन्होंने कहा कि यह मामला एक कारोबारी की शिकायत पर दर्ज किया गया था। कारोबारी की शिकायत थी कि भाटी और कुरैशी ने उनसे जबरन वसूली की थी। मुंबई पुलिस के सूत्रों के अनुसार इसी साल फरवरी से लेकर अगस्त के बीच रियाज भाटी और सलीम फ्रूट एक व्यापारी को धमकी दे रहे थे और उससे 62 लाख रुपए वसूल करने की कोशिश में थे। धमकी से डर कर शिकायतकर्ता ने आरोपियों के बैंक अकाउंट में 7 लाख 50 हजार रुपए ट्रांसफर किए। इसके अलावा शिकायतकर्ता ने उसकी पत्नी के नाम पर रेंज रोवर गाड़ी थी उसे भी आरोपियों को दे दिया। इस गाड़ी की कीमत 30 लाख रुपए बताई जा रही है।

उत्तरकाशी में महसूस किए गए भूकंप के झटके, घर की दीवारों पर दिखीं दरारें

उत्तरकाशी । उत्तराखंड के उत्तरकाशी में रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। सुबह 10.42 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए जिसके बाद दहशत में लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.5 आंकी गई। जानकारी के मुताबिक जसपुर गांव के कई घरों में दरारें भी देखी गई हैं। अभी तक किसी भी तरह के नुकसान की बात सामने नहीं आई है। इससे पहले अप्रैल और जुलाई में भी उत्तरकाशी में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। उत्तरकाशी का उत्तरकाशी जिला भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील है। भूगर्भीय दृष्टि से संवेदनशील उत्तराखंड भूकंप के जोन 4 व 5 में स्थित है। 20 अक्टूबर 1991 को यहां आए भूकंप में आठ सौ से अधिक लोग मारे गए थे। सैकड़ों परिवार बेघर हो गए थे। इसके बाद 1999 के भूकंप ने भी उत्तरकाशी को डराया था।

मानसून विदाई के बाद 10 राज्यों में बादलों का पहरा, हो सकती बारिश

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उत्तर भारत में आखिरी बारिश के बाद मॉनसून की विदाई हो गई है और मौसम सामान्य हो गया है। हालांकि, देश के दक्षिणी राज्यों में बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, दिल्ली में दो दिन बाद बारिश हो सकती है। वहीं, अगर आज (रविवार), 2 अक्टूबर की बात करें तो दिल्ली में बादलों का पहरा रहने के साथ मौसम शुष्क रहेगा। राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। दिल्ली में दो दिन तक बादल छाए रहना का पूर्वानुमान है। जबकि 4 अक्टूबर को हल्की बारिश होने की संभावना है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में आज (रविवार) न्यूनतम तापमान 24 डिग्री और अधिकतम तापमान 35 डिग्री रहेगा। लखनऊ में आज हल्के बादल रह सकते हैं लेकिन अधिकतर आसमान साफ रहेगा। बिहार की बात करें तो वहां भी हल्के बादल छाए रह सकते हैं लेकिन मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान है। न्यूनतम तापमान 26 डिग्री और अधिकतम तापमान 34 डिग्री रहेगा। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में सुबह को आसमान साफ रहने के आसार हैं जबकि दोपहर और शाम में बादल छाए रह सकते हैं। मौसम विभाग की भविष्यवाणी के मुताबिक, दिल्ली में 3 अक्टूबर तक धूप में नरमी और बादलों का पहरा देखने को मिल सकता है। राष्ट्रीय राजधानी में अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री रह सकता है। जबकि 4 अक्टूबर से 6 अक्टूबर तक हल्की बारिश होने के आसार हैं। इन दिनों अधिकतम तापमान 30 से 34 डिग्री के बीच और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री के बीच हो सकता है।

पश्चिम बंगाल में 99 दुर्गा पूजा पंडाल राज्य सरकार के पुरस्कारों से सम्मानित

कोलकाता । पश्चिम बंगाल सरकार ने कोलकाता और आसपास के क्षेत्रों में 99 दुर्गा पूजा पंडालों को 'विश्व बांग्ला शारद सम्मान-2022' पुरस्कारों से सम्मानित किया है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। बयान के मुताबिक विश्व बांग्ला शारद सम्मान पुरस्कार चार श्रेणियों में दिए गए, जिनमें सर्वश्रेष्ठ में सर्वश्रेष्ठ, विशेष चयन, अभिनव विचार और पर्यावरण के अनुकूल श्रेणी शामिल है। इसमें बताया गया है कि बंगाल सरकार के मंत्रियों फिरहाद हाकिम और अरूप बिस्वास द्वारा समर्थित चेतला अग्रणी और सुरुची संघ को क्रमशः 'सर्वश्रेष्ठ में सर्वश्रेष्ठ' श्रेणी के पहले और दूसरे पुरस्कार से नवाजा गया। वहीं मंत्री सुजीत बोस द्वारा समर्थित श्रीभूमि स्पोर्टिंग क्लब ने इस श्रेणी का छठा पुरस्कार हासिल किया। सूचना एवं संस्कृति मामलों के विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि निर्णायक दल ने सर्वश्रेष्ठ में सर्वश्रेष्ठ श्रेणी में कुल 42 सामुदायिक पूजा पंडालों, विशेष चयन श्रेणी में 21 पंडालों, अभिनव विचार श्रेणी में 20 पंडालों और पर्यावरण के अनुकूल श्रेणी में 16 पंडालों का चयन किया गया है। पर्यावरण के अनुकूल श्रेणी में सॉल्ट लेक एफडी ब्लॉक, कुमारटुली सरबजनिन और युवमैत्री ने शीर्ष तीन पुरस्कार हासिल किए, जबकि विशेष चयन श्रेणी में बादाम क्लब, भवानीपुर शीतला मंदिर और फॉरवर्ड क्लब को क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे पुरस्कार से नवाजा गया। इसमें बताया गया है कि बेहला उत्तर हलपारा क्लब, बेहला प्लेयर्स कॉर्नर और बेलगछिया साधारण दुर्गोत्सव को अभिनव विचार श्रेणी के शीर्ष तीन पूजा पंडालों के रूप में चुना गया है।

मुलायम सिंह यादव की बिगड़ी तबीयत, गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल के आईसीयू में किया गया शिफ्ट

नई दिल्ली । समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की तबीयत एक बार फिर से बिगड़ गई है। उन्हें गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल के आईसीयू डिपार्टमेंट में शिफ्ट किया गया है। वह पिछले कई दिनों से अस्पताल में ही भर्ती थे और उनका इलाज चल रहा था। हालात गंभीर होने के बाद उन्हें आईसीयू में शिफ्ट किया गया है। मेदांता अस्पताल के डॉक्टर सुशीला कटारिया के देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। पिछले कई दिनों से मुलायम सिंह यादव की तबीयत लगातार खराब चल रही है। हाल में ही समाजवादी पार्टी के अधिवेशन में भी मुलायम सिंह यादव अपनी तबीयत की वजह से शामिल नहीं हुए थे।

हिमाचल में बोले जेपी नड्डा

राष्ट्र हमारे लिए सर्वोपरि, कुर्सी के लिए हमने नहीं बदले रंग

अहमदाबाद। (एजेंसी)।

हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां राजनीतिक दलों की ओर से शुरू की जा चुकी है। उना जिले में भाजपा जिला कार्यालय के उद्घाटन समारोह में जेपी नड्डा पहुंचे थे। जेपी नड्डा ने इस दौरान साफ तौर पर कहा कि भाजपा के लिए राष्ट्र सबसे पहले है। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर भी जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। अपने बयान में नड्डा ने कहा कि राष्ट्र हमारे लिए सर्वोपरि है। साथ ही साथ, अगर स्थानीय आकांक्षाओं को साथ लेकर चलने का सामर्थ्य है तो वह भारतीय जनता पार्टी में है और कोई पार्टी ऐसी नहीं है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सारी पार्टियां सिकुड़ गई है, कांग्रेस सिर्फ भाई-बहन की पार्टी बनकर रह गई है।

नड्डा ने आगे कहा कि हम लोग सौभाग्यशाली हैं कि हम दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी हैं। भाजपा विचारों से जुड़ी हुई पार्टी है, हमने कुर्सी के लिए रंग नहीं बदले। हमारा उद्देश्य है- सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश राष्ट्र के लिए हमेशा सर्वोपरि रहा है, राष्ट्रीय ताकत को मजबूती करके चलना है। आने वाले चुनाव में फिर से यहां कमल खिलाना है और कमल को जिताना है। उन्होंने कहा कि भाजपा गांव, गरीब, वंचित, पीड़ित, शोषित, दलित, महिला, युवा, किसान सबके लिए काम करने वाली पार्टी है। वहीं, हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश) में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी नड्डा और मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर पार्टी की बैठक में भी शामिल हुए।

वहीं, मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने धर्मशाला में विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। ठाकुर ने कहा कि गांधी जयंती के असवर पर उनके उस योगदान को स्मरण करता हूं जो देश के करोड़ों लोगों का आज़ादी का मंत्र बना। देश की आज़ादी के लिए उनका योगदान जिस तरह से रहा, अहिंसा अपनाकर भी हम अपनी बात को प्रभावी ढंग से मनवा सकते हैं। इस योगदान को मैं स्मरण करता हूं। आपको बता दें कि इस साल हिमाचल प्रदेश में विधानसभा के चुनाव प्रस्तावित हैं। हिमाचल प्रदेश में फिलहाल भाजपा की सरकार है। भाजपा के लिए सत्ता वापसी एक बड़ी चुनौती है। यही कारण है कि भाजपा नेता लगातार राज्य का दौरा कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को जान से मारने की धमकी

मुंबई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को जान से मारने की धमकी दी गई है। इतना ही नहीं, यह भी कहा गया है कि शिंदे को सुसाइड ब्लास्ट कर जान से मारने की साजिश रची गई है। इस जानकारी के बाद मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ने के निर्देश मुंबई पुलिस की ओर से दिए गए हैं. बताया गया है कि एक महीने पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को जान से मारने की धमकी वाला पत्र मंत्रालय में उनके कार्यालय में आया था। उसके बाद अज्ञात फोन कॉल पर भी धमकी दी गई। माओवादियों ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पहले ही जान से मारने की धमकी दी थी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता प्रवीण दरेकर ने कहा, 'एकनाथ शिंदे की हिंदुत्व सरकार जिस दिन से राज्य में आई है, उस दिन से कई लोग आहत हुए हैं. ये देखा जा रहा है कि उन लोगों ने इतना कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है. लेकिन इस तरह की प्रवृत्ति को अब कुचला जाएगा.' इसकी जड़ में कौन है, इसकी जांच की जाएगी।' उधर सरकार ने पीएफआई पर प्रतिबंध लगा दिया है और पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि उसका इस मामले से कोई लेना-देना है या नहीं। इससे पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को नक्सलियों से भी धमकियां मिल चुकी थीं. बहरहाल मुख्यमंत्री आवास और उनके परिवार के सदस्यों की सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं। आपको बता दें कि कुछ दिन पहले शिंदे को माओवादियों से जान से मारने की धमकी मिल चुकी थी। शिंदे को नक्सलियों द्वारा भेजे गए पत्र में उनके परिवार वालों को जान से मारने और जानलेवा हमला की धमकी दिए गई है.

पाकिस्तान पर बरसे जयशंकर, कहा- पड़ोसी की तरह कोई देश 'आतंकवाद का अभ्यास' नहीं करता

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान की आतंकवाद को शह देने की करतूतों पर खिंचाई की और कहा कि कोई अन्य देश 'आतंकवाद की प्रैक्टिस' नहीं करता है जैसा कि पाकिस्तान करता है। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की कूटनीति ने अन्य देशों को आतंकवाद के मुद्दे को गंभीरता से लेने के लिए प्रेरित किया।

विदेश मंत्री ने 'राइजिंग इंडिया एंड द वर्ल्ड- फॉरेन पॉलिसी इन मोदी एरा' कार्यक्रम में पाकिस्तान पर हमला बोलते हुए कहा कि कोई दूसरा देश उस तरह से आतंकवाद नहीं करता जैसा पाकिस्तान ने किया है। आप मुझे दुनिया में कहीं भी दिखाएं कि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ इतने सालों में क्या किया। जयशंकर ने कहा कि 26/11 के मुंबई हमले के बाद हमारे लिए यह स्पष्ट होना महत्वपूर्ण है कि खुद को इस तरह का व्यवहार और कार्रवाई अस्वीकार्य है और इसके परिणाम होंगे।

विदेश मंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा कि भारत को आईटी में विशेषज्ञ माना जाता है तो वहीं पड़ोसी देश को अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद में विशेषज्ञ के रूप में जाना जाता है। जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने सफलतापूर्वक अन्य देशों को यह अहसास कराया कि अगर आतंकवाद पर काबू नहीं पाया गया तो ये भविष्य में उन्हें भी नुकसान पहुंचा सकता है। विदेश मंत्री ने कहा कि हम आतंकवाद के खिलाफ इस लड़ाई में दुनिया को साथ ले जाने में काफी हद तक सफल रहे हैं। पहले, अन्य देश इस मुद्दे को यह सोचकर नजरअंदाज कर देते थे कि इससे उन पर कोई असर नहीं पड़ेगा क्योंकि यह कहीं और हो रहा है। आज आतंकवाद का समर्थन करने वालों पर दबाव है। यह हमारी कूटनीति का एक उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के साथ भारत के रणनीतिक समझौते के कारण पूर्वोत्तर में आतंकवादी गतिविधियों में कमी आई है। सिएरा लियोन के एक छात्र के सवाल पर कि मोदी सरकार सरदार वल्लभभाई पटेल के 'अखंड भारत' के सपने को कैसे साकार करेगी, जयशंकर ने कहा कि विभाजन एक वास्तविक त्रासदी थी और इसने आतंकवाद जैसी समस्याएं पैदा कीं। पीएम मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि अगर कोई एक नेता है जो सपनों को साकार कर रहा है, जिसके पास सरदार पटेल की विचार प्रक्रिया है, जो सरदार पटेल की दृष्टि को साकार कर रहा है, जिसके पास वह साहस, प्रतिबद्धता और आदतें हैं, तो आप जानते हैं कि वह कौन हैं।

पीएफआई पर प्रतिबंध से कर्नाटक में बीजेपी में दरार, एसडीपीआई को मिल गया अवसर

बेंगलुरु। भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने मुस्लिम संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर पांच साल के लिए पाबंदी लगा दी है। सरकार द्वारा किए जाने वाले इस ऐक्शन के बाद कर्नाटक भाजपा में दरार आ गई है। जानकारी के अनुसार, कर्नाटक में भाजपा के भीतर नेताओं का एक समूह पीएफआई पर प्रतिबंध को चुनावी मुद्दा बनाकर आगामी विधानसभा चुनावों में फायदा उठाने की पार्टी की रणनीति पर सवाल उठा रहा है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता और विधायक ने कहा कि पार्टी के भीतर एक चिंता है कि पार्टी द्वारा उठाए गए मुद्दों का प्रभाव कर्नाटक में ही काफी जगहों पर अपर्याप्त है। वहीं, दूसरी ओर पीएफआई पर बैन लगना कर्नाटक में एसडीपीआई के लिए बड़ा मौका लेकर आया है।

कर्नाटक को एक भाजपा नेता ने कहा, चाहे वह हिजाब हो, धर्मांतरण विरोधी विधेयक या यहां तक कि पीएफआई पर प्रतिबंध को लेकर पार्टी द्वारा लिया गया स्टैंडज ये मुद्दे ज्यादातर तटीय कर्नाटक हिस्सा हो सकते हैं। जबकि दक्षिण कर्नाटक के जिलों में अधिक ध्यान देने की जरूरत है, जहां हमारे पास अभी भी जीत दर्ज करने के लिए बहुत कुछ करना बाकी है। इसलिए, यदि आप मुझसे प्रतिबंध से हुए राजनीतिक लाभ के बारे में पूछते हैं, तो मैं कहूंगा कि यह काफी सीमित है।

ओडिशा में मुख्यमंत्री की तुलना भगवान जगन्नाथ से करने पर विवाद

पुणे (एजेंसी)।

ओडिशा के एक मंत्री ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की तुलना भगवान जगन्नाथ से कर विवाद खड़ा कर दिया है। राज्य के उद्योग मंत्री पी के देब के इस बयान के कारण पूरे प्रदेश में हंगामा मच गया है और विपक्षी दलों ने मंत्री से बिना शर्त माफी की मांग की है। पी के देब ने बीजू जनता दल (बीजद) की एक बैठक के दौरान शुक्रवार को कहा था कि ओडिशा अब नवीन पटनायक के नाम से जाना जाता है, पहले यह भगवान जगन्नाथ के लिए जाना जाता था। मंत्री ने कहा, 'एक समय था जब लोग भगवान जगन्नाथ के कारण ओडिशा को जानते थे। लेकिन अब, यदि आप कहते हैं कि आप ओडिशा से आते हैं, तो पूरे भारत में लोग तुरंत राज्य को मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के स्थान के रूप में पहचान लेंगे।' पी के देब की इस टिप्पणी की विभिन्न विपक्षी दलों और धार्मिक संगठनों ने कड़ी निंदा की है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, 'यह पूरी तरह से अहंकार का मामला है, जब ओडिशा के मंत्री प्रताप केशरी देब कहते हैं कि पहले लोग ओडिशा को भगवान जगन्नाथ के नाम पर पहचानते थे। अब मुख्यमंत्री भगवान जगन्नाथ से अधिक प्रसिद्ध हो गए हैं। ओडिशा अब जगन्नाथ जी के नाम से नहीं बल्कि नवीन पटनायक के नाम से जाना जाता है।' संबित पात्रा ने ट्वीट किया, 'यह 4.5 करोड़ ओड़िया और दुनिया भर के सभी हिंदुओं की आस्था को ठेस पहुंचाने जैसा है। हम सभी जानना चाहेंगे कि क्या मुख्यमंत्री भी देब के इस बयान से सहमत हैं? यदि नहीं तो क्या मुख्यमंत्री उक्त मंत्री को फटकार लगाएंगे?' भाजपा के राज्य महासचिव पृथ्वीराज हरिचंदन ने भी मंत्री के इस बयान की निंदा करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी ''अज्ञान की पराकाष्ठा''को दर्शाती है।

गुजरात में बोले केजरीवाल, स्विस बैंकों से वापस लाएंगे अवैध पैसा

अहमदाबाद (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि गुजरात में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासन के दौरान भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों ने अपना पैसा स्विस बैंक में रखा है, जिसे आम आदमी पार्टी (आप) सत्ता में आने पर वापस लाएगी। उन्होंने पूरे गुजरात में दिल्ली की तर्ज पर 20,000 मोहल्ला क्लीनिक, राज्य के प्रत्येक गांव में सरकारी विद्यालय के निर्माण का भी वादा किया। इसके अलावा आप के राष्ट्रीय संयोजक ने सभी के लिए ÷मुफ्त और असीमित÷ स्वास्थ्य सेवाओं का भी आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि दिसंबर में गुजरात विधानसभा चुनाव होने हैं।

राज्य के अपने दो दिवसीय दौरे के पहले दिन, केजरीवाल ने दावा किया कि भाजपा सरकार की एक खुफिया जानकारी के मुताबिक, आम आदमी पार्टी भारी बहुमत से चुनाव जीत कर राज्य में सरकार बनाने वाली है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ चुनाव के मद्देनज़र पार्टी का प्रचार करते हुए केजरीवाल ने कच्छ जिले के गांधीधाम शहर और जूनागढ़ में दो रैलियों को संबोधित किया। केजरीवाल ने गुजरात के सभी निवासियों को उनकी वित्तीय स्थिति के इतर दवाएं, चिकित्सकीय जांच और सर्जरी सहित मुफ्त और असीमित स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का वादा किया।

केजरीवाल ने जूनागढ़ में कहा, 'हम पूरे गुजरात में 20,000 मोहल्ला क्लीनिक बनाएंगे। अमीर हों या गरीब, गुजरात के लोगों को मुफ्त इलाज दिया जाएगा। सब कुछ मुफ्त होगा, चाहे वह दवा हो, जांच हो या ऑपरेशन, भले ही इसकी लागत 20 लाख रुपये हो।' उन्होंने कहा कि यदि आप सत्ता में आती है तो दिल्ली की तर्ज पर गुजरात के निजी विद्यालयों का भी ऑडिट किया जाएगा। इन विद्यालयों द्वारा एकत्र किया गया अतिरिक्त पैसा लोगों को लौटाया जाएगा। गुजरात में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार के तहत भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों ने स्विस बैंक में अपना अवैध पैसा रखा है। आप नेता ने कहा, 'जब जनता कुछ मांगती है, तो वह (भाजपा सरकार और नेता) कहते हैं कि पैसा नहीं है। वे विभिन्न करों के माध्यम से करोड़ों रुपये जमा करते हैं तो पैसा कहां चला जाता है? यह स्विस बैंक में जाता है। उनमें से प्रत्येक के पास 10 से अधिक बंगले हैं। इन नेताओं ने बहुत अधिक संपत्तियां खड़ी कीं हैं।' केजरीवाल ने कहा, 'अगर राज्य में आम आदमी पार्टी की सरकार बनती है, तो वह किसी भी मंत्री या विधायक को भ्रष्टाचार में लिप्त नहीं होने देगी। हम स्विस बैंकों में जमा सारा काला धन वापस लाएंगे।' उन्होंने कहा, हमारी पार्टी भ्रष्टाचार को खत्म कर पैसे बचाएगी और बिजली मुक्त करेगी।

सीमा पार बैठे आतंकी ने रची थी ऊधमपुर में धमाके की साजिश, ड्रोन से पहुंचाया गया था स्टिकी बम

जम्मू (एजेंसी)।

जम्मू कश्मीर के उधमपुर में हुए बम विस्फोट के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके साथ ही 2 अन्य आतंकियों को भी पकड़ा गया है। एक पूर्व आतंकी की पत्नी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। बताया जाता है कि गिरफ्तार मोहम्मद असलम लश्कर-ए तैयबा से जुड़ा हुआ है। असलम सीमा पार से सीधे संपर्क में था। वह अक्सर सीमापार स्थित लोगों से बातचीत करता रहता था।

पुलिस ने मुख्य आरोपी को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार असलम ने ही दोनों बसों में बम प्लांट किया था। पूछताछ के क्रम में बम धमाकों के तार सीमा पार से जुड़ने के भी साक्ष्य मिले हैं। उल्लेखनीय है कि उधमपुर के 28 और 29 सितंबर 2022 को 2 बम धमाके हुए थे। अब पुलिस ने इस गुत्?थी को सुलझाने का दावा किया है। पुलिस का दावा है कि मोहम्मद असलम नाम के पूर्व आतंकी ने दोनों बसों में बम प्लांट किया था। असलम बसों में बम लगाने के लिए शिमला से जम्मू आया था। मोहम्मद असलम का लशकर-ए तैयबा से संपर्क बताया जा रहा है। उसे उधमपुर के रामनगर के गांव बसंतगढ से गिरफ्तार किया गया है।

उधमपुर में दो दिनों के अंतराल में 2 बम धमाके से स्?थानीय पुलिस के साथ ही खुफिया एजेंसियों के भी होश उड़ गए थे। धमाके के बाद मामले की छानबीन शुरू कर दी गई थी। अब इस मामले में पुलिस को अहम सफलता मिली है। पुलिस ने बसतंगढ के रहने बाले मोहम्मद असलम का रिकॉर्ड खगांला तो पता चला कि वह हिमाचल प्रदेश के शिमला के पास रहकर मजदूरी करता है। आरोप है कि वह वहीं से सीमा पार बैठे अपने भाई से लगातार संपर्क में था। उसका भाई भी आतंकवादी है। असलम खुद एक पूर्व आतंकी है और 10 साल सजा काट चुका है। वह सुरक्षा एजेंसियो की नजर से बचने के लिए हिमाचल प्रदेश चला गया था, ताकि किसी को शक न हो।

पुलिस का दावा है कि असलम सीमा पार बैठे अपने भाई और अन्य आतंकियों के संपर्क में है। उधमपुर-रामनगर रूट की दोनो बसों को स्टिकी बम से निशाना बनाने के लिए सीमा पार से ही आदेश आया था, जिसके चलते ये बम प्लांट किए गए थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, शिमला में असलम का एक साथी भी था। उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया है। जम्मू-कशमीर में खासकर ऊधमपुर इलाके को दहलाने की साजिश सीमा पार से रची गई थी। हिरासत में लिए गए संदिग्धों से पूछताछ में मोहम्मद असलम का नाम सामने आया। इसके बाद उसे गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब इनके बैंक रिकॉर्ड खंगाल रही है।

माना जा रहा है कि टेरर फडिंग के जरिए पैसा भी इन लोगों के पास पहुंचा था। मुख्य आरोपी के साथ दो और पूर्व आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सीमा पार से ड्रोन के जरिए जिला कठुआ जिला के हीरानगर सेक्टर में यह स्टिकी बम कुछ सप्ताह पहले पहुंचा था। वहीं से कुछ ओवरग्राउंड कार्यकर्ताओं ने हथियारों की खेप बसंतगढ़ पहुंचाई थी। सूत्र बताते हैं कि सीमा पार से मोटी रकम भी अलग-अलग अकाउंट में भेजी गई थी। वहीं, उधमपुर दोहरे ब्लास्ट केस में एक महिला भी पूछताछ के लिए हिरासत में ली गई है। यह महिला पूर्व आतंकी की पत्नी है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

नोएडा पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड, 2 बदमाश गिरफ्तार, फर्जी प्रेस कार्ड बरामद

नोएडा। नोएडा में थाना सेक्टर 24 पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। थाना सेक्टर-24 नोएडा पुलिस द्वारा अरावली चौकी के पास चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल को रूकने का इशारा किया गया। जिसपर सवार बदमाशों ने रूकने के बजाय भागने का प्रयास किया और पुलिस पर फायरिंग कर दी। जिसपर पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ हेतु चलाई गयी गोली पैर में लगने के कारण बदमाश 1.शाबिर अंसारी उर्फ छोटू व 2. रियाजुद्दीन को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया है। बदमाशों के कब्जे से 2 अवैध तमंचे मय 2 खोखा कारतूस व 2 जिन्दा कारतूस, घटना में प्रयुक्त 1 मोटरसाइकिल, एक फर्जी मीडिया आइडी कार्ड (आप तक चैनल) व लूट के 5670 रुपए बरामद हुए है। घायल बदमाशों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा जा रहा है। बदमाश शातिर किस्म के अपराधी है जिनके द्वारा दिनांक 28 सितंबर को एक व्यक्ति से कासगंज छोड़ने के बहाने लूट की घटना को अंजाम दिया गया था। इनके द्वारा पूर्व में इस प्रकार की कई घटनाओं को दिल्ली, फरीदाबाद, गाजियाबाद व नोएडा में अंजाम देना बताया गया है। बदमाशों के आपराधिक इतिहास व अन्य जानकारी की जा रही है।

रामलीला मेले में ब्रेक डांस झूला टूटा, एक ही परिवार के तीन सदस्यों समेत चार घायल

गाजियाबाद। शहर के सबसे पुराने घंटाघर रामलीला मैदान में लगे मेले में देर रात एक ब्रेक डांस झूला टूट गया। इसमें एक ही परिवार के तीन सदस्यों समेत 4 लोग घायल हो गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी

दे दी गई। दरअसल, घंटाघर रामलीला मैदान में इन दिनों दशहरा के चलते मेला लगा हुआ है। जहां पर भारी संख्या में आसपास के लोग मेला देखने आते हैं। रात 11 बजे यहां पर ब्रेक डांस झूला चल रहा था। चलते-चलते झूले का एक कप टूट कर नीचे गिर गया। इसमें गिरधरपुर बिसरख गौतम बुधनगर निवासी निशा, उसका बेटा अवनीश एवं बेटी अवनी और कैलाश नगर निवासी चमन लाल की बेटी हेमा घायल हो गई। इस दौरान पूरे मेले में अफरा-तफरी मच गई। कमेटी के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल के चिकित्सक डॉक्टर एसपी सिंह ने बताया कि सभी घायलों को मामूली चोटें आई थीं। उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद घर भेज दिया गया है।

कृष्णा नगर में फ्लैट में लगी आग, दम घुटने से बुजुर्ग दंपती की मौत

नोएडा। अंतरराष्ट्रीय वृद्ध दिवस पर कृष्णा नगर के मकान की चौथी मंजिल पर फ्लैट में आग लगने पर दम घुटने से बुजुर्ग दंपती की मौत हो गई। मृतकों की पहचान राजकुमार जैन (80) और उनकी पत्नी कमलेश जैन (75) के रूप में हुई है। हादसे के वक्त दंपती अकेले थे। दमकल विभाग की चार गाड़ियों ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। क्राइम टीम के अलावा एफएसएल की टीम मामले की जांच कर रही है। शुरुआती जांच के बाद एसी में शार्ट सर्किट आग की वजह बताई जा रही है।पुलिस के मुताबिक पुनीश जैन परिवार के साथ कृष्णा नगर के एफ-ब्लाक में एक मकान की चौथी मंजिल पर बने फ्लैट में किराये पर रहते हैं। उनके परिवार में पत्नी रीमा जैन, बड़ा बेटा मनन जैन और छोटा बेटा आशीष जैन है। पुनीश का गांधी नगर क्षेत्र में कपड़ों का कारोबार है। उनके पिता राजकुमार जैन और मां कमलेश जैन कृष्णा नगर क्षेत्र के ही राम नगर में मछली वाली गली में अलग मकान में रहते थे।

दिल्ली सरकार का वाहन प्रदूषण कम करने की दिशा में बड़ा कदम

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने वाहन प्रदूषण कम करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। पेट्रोल पंपों पर 25 अक्टूबर से प्रदूषण जांच प्रमाण पत्र (पीयूसीसी) अनिवार्य होंगे। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सभी पेट्रोल पंपों पर ईंधन (पेट्रोल-डीजल) लेने के लिए पीयूसी 25 अक्टूबर से अनिवार्य करने की तैयारी है। इसके लिए पर्यावरण विभाग को नोटिफिकेशन जारी करने का निर्देश दे दिए हैं।

विंटर एक्शन प्लान को लागू करने के लिए ग्रीन वॉर रूम को 3 अक्टूबर को लॉन्च किया जाएगा। दिल्ली में 06 अक्टूबर से एंटी डस्ट कैंपेन शुरू किया जाएगा। पराली गलाने को लेकर 10 अक्टूबर से पूसा बायो-डीकंपोजर का छिड़काव शुरू करेगी। दिल्ली सरकार ग्रेप को सख्ती से लागू करेगी। एनसीआर से जुड़े राज्यों के लिए एक जॉइंट एक्शन प्लान बनना चाहिए।

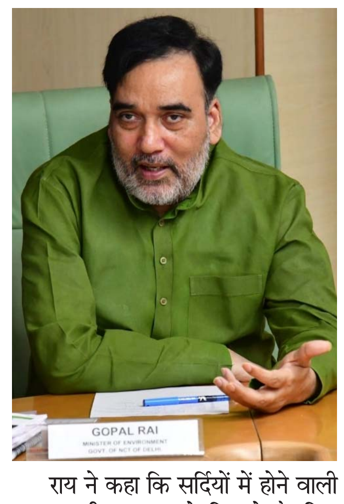

राय ने कहा कि सर्दियों में होने वाली प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए 15 फोकस बिंदुओं पर आधारित विंटर एक्शन प्लान की कल मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घोषणा की है। उसी के आधार पर सभी सम्बंधित विभागों द्वारा सर्दियों में होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए काम शुरू कर दिया गया है।

विंटर एक्शन प्लान में ग्रीन वॉर रूम की मुख्य भूमिका होगी होगी। जहां से ग्रीन दिल्ली ऐप पर आयी प्रदूषण से सम्बंधित शिकायतों को विभागों को भेजा जाता है। साथ ही वहां से सभी सबंधित विभाग से कोर्डिनेशन किया जाता है। इसको तीन अक्टूबर को बेहतर रूप में लॉन्च किया जाएगा, जहां एक्सपर्ट की ड्यूटी लगायी जाएगी।

उन्होंने ने बताया कि 06 अक्टूबर से एंटी डस्ट कैंपेन शुरू किया जाएगा। सभी निर्माण एजेंसी को निर्देश जारी कर दिया गया है की वो डस्ट नॉर्म्स का पालन करें, अन्यथा उनपर सख्त कार्रवाई की जायेगी। 10 अक्टूबर से पराली गलाने को लेकर पूसा बायो-डीकंपोजर का छिड़काव की शुरुआत की जाएगी।। इस साल भी, हम दिल्ली में पांच हजार एकड़ से अधिक बासमती और गैर-बासमती कृषि भूमि पर मुफ्त में पूसा बायो-डीकंपोजर का छिड़काव करेंगे।

राय ने कहा कि परिवहन विभाग को निर्देश दिया कि दिल्ली और केंद्र सरकार के सरकारी विभागों /शहरी निकाय / सरकारी एजेंसी में इस्तेमाल होने वाले वाहनों में अनिवार्य पीयूसीसी सुनिश्चित करने के विभागों को नोटिस जारी किया जाए। सभी पेट्रोल पंपों पर 25 अक्टूबर, 2022 से वाहन में ईंधन (पेट्रोल-डीजल) भरवाने के लिए प्रदूषण जांच प्रमाण पत्र (पीयूसी) अनिवार्य होगा।

इस सन्दर्भ में दिल्ली के सभी पेट्रोल पंपों पर इसकी सूचना देने वाले सार्वजनिक होर्डिंग लगाए जाने के निर्देश भी दे दिए गए हैं। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग को निर्देश दिया गया है कि वो दिल्ली पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन के साथ एक अलग बैठक बुलाकर उनको इस सन्दर्भ में जानकारी दें।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि इस बार कमीशन फार एयर क्वालिटी मैनेजमेंट की तरफ से ग्रेप में कुछ परिवर्तन किए गए है। 2018 से इमरजेंसी रिस्पासं सिस्टम के रूप में लागू किया जा रहा था। इसका आधार वायु में पीएम 2.5 और पीएम 10 की मात्रा हुआ करती थी। उसी के आधार पर प्रदूषण के स्तर को 5 वर्गों में विभाजित किया गया था। 2022 में इसमें संशोधन करके एक्यूआई लेवल के आधार पर, प्रदूषण के स्तर को 4 वर्गों में विभाजित किया गया है।

उन्होंने कहा कि सीएसई की पिछले साल की एक रिपोर्ट के अनुसार प्रदूषण में केवल 31 फीसदी दिल्ली के अंदर के सोर्स की भूमिका होती है। जबकि बाहरी सोर्स का योगदान 69 फीसदी है। इसलिए मेरा कहना है कि एनसीआर से जुड़े राज्यों के लिए एक जॉइंट एक्शन प्लान बनाना चाहिए,जिससे कि सर्दी के मौसम में दिल्ली तथा एनसीआर के राज्यों में प्रदूषण को कम किया जा सके।

दिल्ली में नवरात्रि के सातवें दिन मां कालका के दर्शन को भक्तों की उमड़ी भीड़

नई दिल्ली। नवरात्रि में सप्तमी तिथि का बड़ा ही महत्व होता है। इस दिन पूजा पंडालों में मां की विशेष पूजा होती है। इस कड़ी में दिल्ली के प्रसिद्ध कालकाजी मंदिर में सप्तमी तिथि पर माता कालका की आरती की गई। यहां पर यूं तो वर्ष भर भक्तों का तांता लगा रहता है लेकिन नवरात्रि के इन विशेष दिनों में लाखों की संख्या में भक्त आते हैं और माता के दर्शन करते हैं। इस बार यहां विशेष रूप से इंतजाम किए गए हैं क्योंकि बीते दो वर्ष नवरात्रि में कोरोना वायरस की वजह से काफी पाबंदियां लगीं थी।

नवरात्रि में लगातार कालकाजी मंदिर में भक्तों माता के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं और यह सिलसिला नवरात्र के सातवें दिन

रविवार को भी जारी है। रविवार सुबह से ही कालकाजी मंदिर में माता रानी के दर्शन के लिए भक्त पहुंच रहें हैं। रविवार को नवरात्र के सप्तमी तिथि पर माता का विशेष फूलों से सुंदर श्रृंगार किया गया है और उनकी आरती की गई। कालकाजी मंदिर को लेकर पौराणिक मान्यताएं हैं कि जगत जननी मां जगदंबा ने रक्तबीज का संहार करने के लिए मुंह का विस्तार किया था। माता का वही विस्तारित रूप कालकाजी मंदिर में स्थापित है जिसमें करोड़ों भक्तों की आस्था है। आज नवरात्र का सप्तमी तिथि है और आज माता के कालरात्रि रूप की पूजा अर्चना की जाती है।

नवरात्र को लेकर कालकाजी मंदिर में तमाम व्यवस्थाएं की गई हैं। मंदिर में प्रवेश के लिए चार प्रवेश बनाए गए हैं और सुरक्षा के भी इंतजाम किए गए हैं। पुलिस बल की तैनाती के साथ ही सुरक्षा के अन्य इंतजाम भी किए गए हैं।

अब जल्द निपटेंगे केंद्रीय मंत्रालयों में लंबित मामले, सरकार चलाने जा रही विशेष अभियान

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रालयों और सरकारी विभागों में अगर आपका कोई भी काम बहुत दिनों से अटका पड़ा है तो अब आपको ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर केंद्र सरकार सभी केंद्रीय मंत्रालयों में लंबित मामलों के निपटान के लिए विशेष अभियान 2.0 की शुरुआत करने जा रही है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह आज सरदार पटेल भवन में कार्मिक मंत्रालय के तहत प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) कार्यालय से विशेष अभियान 2.0 की शुरूआत करेंगे। विशेष अभियान 2.0 से एक स्वच्छ कार्यक्षेत्र के साथ-साथ रुके हुए सभी कार्यों का जल्द से जल्द निपटारा होगा और कार्यों में तेजी आएगी।

अभियान से फाइलों का बोझ भी अन्य विभागों में कम हो सकेगा। विशेष अभियान 2.0, 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलेगा और अलग-अलग श्रेणियों जैसे संसद मंत्री (पीएम) के संदर्भ, प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के संदर्भ, कैबिनेट संदर्भ, राज्य सरकार के संदर्भ, जनता के सभी प्रकार के लंबित मामलों की समीक्षा की जाएगी। सभी लंबित मामलों को जितेंद्र सिंह के प्रभार में सभी मंत्रालयों और विभागों में लिया जाएगा। इसी दौरान जितेंद्र सिंह द्व्रारा विशेष अभियान 2.0 दिशा-निर्देश पुस्तिका और अगस्त प्रगति रिपोर्ट का विमोचन भी किया जाएगा। जितेंद्र सिंह ने एक बयान में कहा, नियमों को आसान बनाना विशेष अभियान 2.0 का एक हिस्सा है।

दिल्ली सरकार डूसिब की खाली पड़ी जमीनों व भवनों का कराएगी ऑडिट

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डूसिब) की खाली पड़ी जमीन और भवन संपत्तियों का ऑडिट करवाएगी। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने इसके लिए अधिकारियों को आदेश देते हुए 15 दिनों में रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ एक ऑनलाइन कंप्यूटर इन्वेंट्री सिस्टम स्थापित करने को कहा है।

इस ऑनलाइन मोनिटरिंग सिस्टम में डूसिब की खाली भूमि और भवन संपत्ति की मौजूदा स्थिति का जियो कोआर्डिनेट, फोटो, अवैध कब्जे पर रिपोर्ट आदि के साथ हर संपत्ति का होगा का पूरा विवरण होगा जिससे सरकारी जमीन पर अतिक्रमण गतिविधियों को ट्रैक करने और रोकने में सरकार की मदद करेगी। उपमुख्यमंत्री ने आदेश जारी करते हुए कहा, 'सरकारी जमीन पर अतिक्रमण और अवैध कब्जा एक गंभीर मामला है और इन्हें हटाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि डूसिब को निर्देश दिया गया है कि वह सरकारी जमीनों पर कब्जा करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करे और डूसिब की खाली जमीन और भवन संपत्ति की स्थिति को नियमित रूप से अपडेट करने के लिए एक ऑनलाइन मोनिटरिंग सिस्टम स्थापित करे, जिसमें जियो-कोआर्डिनेट, फोटो, रिपोर्ट, अतिक्रमण और अवैध कब्जा, प्रभारी अधिकारी का विवरण जैसे व्यापक विवरण शामिल हों। यह प्रणाली हमें सरकारी भूमि पर होने वाली सभी गतिविधियों पर नज़र रखने और किसी भी अतिक्रमण के मामले में त्वरित कार्रवाई करने में मदद करेगी।

सिसोदिया ने कहा कि डूसिब का मुख्य उद्देश्य दिल्ली में स्लम और जेजे कॉलोनियों मेंढ़ रहे लोगों को सरकार की ओर से बेहतर सेवाएं सुनिश्चित करना और उनके लाइफ-स्टाइल में गुणवत्तापूर्ण सुधार लाना है। इस दिशा में डूसिब की जमीनों के लिए एक ऑनलाइन मॉनिटरिंग स्थापित करना भी एक महत्वपूर्ण कदम है ताकि आम जनता के लिए सरकारी भूमि को भू-माफियाओं के चंगुल से मुक्त किया जा सके।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड दिल्ली सरकार के नियंत्रण में कार्य करता है और मुख्य रूप से डूसिब अधिनियम, 2010 के दायरे में कार्य कर रहा है। यह अधिनियम डूसिब को कुछ क्षेत्रों को स्लम व जेजे क्लस्टरके रूप में अधिसूचित करने का अधिकार देता है, जहां डूसिब इन इलाकों में रह रहे लोगों को बेहतर व बुनियादी नागरिक सुविधाएं देने का काम करती है।

अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस पर जिला अस्पताल में संगोष्ठी बुजुर्ग हमारी जिम्मेदारी उनका रखें ध्यान

नोएडा। सेक्टर 30 स्थित जिला अस्पताल में अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस (एक अक्टूबर) पर स्वास्थ्य शिविर, संगोष्ठी, जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर बुजुर्गों को उनकी सेहत का ख्याल रखने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ एनडीसी कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा. आर.पी. सिंह ने किया। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में सामुदायिक जागरूकता के लिए इस दिन की उपयोगिता, उद्देश्य के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। लोगों को बताया गया- बचपन से माता-पिता हमारा ध्यान रखते हैं अब हमारी जिम्मेदारी है, हम उनका भी ध्यान रखें।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा उम्र बढ़ने के साथ-साथ शारीरिक बदलाव होने शुरू हो जाते हैं। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। इससे बीमारियों की चपेट में आने की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए बुजुर्गों को अपने खान-पान, रहन सहन का विशेष ध्यान रखना चाहिए। शरीर के संकेत समझ कर अपनी सेहत बरकरार रखने के जरूरी उपाय करने चाहिए। पर्याप्त कैलोरी, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, फाइबर विटामिन खनिज और पानी की उचित मात्रा वाला पौष्टिक आहार स्वस्थ बुढ़ापे के लिए जरूरी है। मधुमेह, दिल के रोग और किडनी के रोग वाले बुजुर्गों को अपना खानपान अपने चिकित्सक की सलाह के हिसाब से रखना चाहिए।

वक्ताओं ने कहा- जिन परिवारों में बुजुर्ग मौजूद हैं उनका ध्यान रखना हमारा दायित्व है। परिवार के सदस्यों को चाहिए कि वह अपने बुजुर्गों का हर समय ध्यान रखें। उनके साथ समय बितायें, उन्हें अकेलापन

का कतई अहसास न होने दें। इस उम्र में छोटी सी बात बड़ा मानसिक तनाव पैदा कर सकती है। इसलिए उनके सम्मान का भी ध्यान रखना जरूरी है। जिला वित्त एवं रसद सलाहकार आशुदीप ने बताया- प्रति वर्ष एक अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस मनाया जाता है। बुजुर्गों की सेहत अच्छी रहे, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग प्रयासरत है।

यमुना को प्रदूषण मुक्त करने के लिए दिल्ली सरकार ने उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार 2025 तक यमुना की सफाई पूरी करने, हर घर को 24 घंटे नल से साफ पानी देने और सभी अनाधिकृत कॉलोनियों के घरों को सीवर लाइन से जोड़ने के लिए गंभीरता से काम कर रही है। सरकार दिल्ली की विभिन्न कालोनियों में निशुल्क सीवर कनेक्शन दे रही है।

इसी क्रम में उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली जलबोर्ड को विभिन्न इलाकों में जनता के घरों में मुफ्त सीवर कनेक्शन मुहैया कराने, पुराने पाइपलाइन को बदलकर नए पाइपलाइन लगाने, झीलों से अधिक से अधिक ग्राउंडवॉटर रिचार्ज कराने व एसटीपी की क्षमता बढ़ाने आदि की कई परियोजनाओं को मंजूरी दी। परियोजनाओं के पूरा होने के बाद इससे जहां 2025 तक यमुना की सफाई के लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी, वहीं दिल्ली के लाखों लोगों को सीवर की समस्या से भी राहत मिलेगी।

सिसोदिया ने कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल सरकार बेहतर सीवरेज सिस्टम और अपने हर नागरिकों को 24 घंटे जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में चरणबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है।

सीवर कनेक्शन से जुड़ेंगी 64 कॉलोनिया और 10 गांव

दिल्ली सरकार ने संत नगर जीओसी, सिंघू जीओसी, शाहबाद जीओसी, प्रधान एन्क्लेव

जीओसी और कुरेनी जीओसी को हाउस सीवर कनेक्शन से जोड़ने के लिए चैंबर का निर्माण करेगी। इन इलाकों में 64 कॉलोनियों समेत 10 गांवों में हाउस सीवर कनेक्शन जोड़े जाएंगे। वर्तमान में दिल्ली जल बोर्ड द्वारा मैनहोल से लोगों के परिसर तक सीवर कनेक्शन डालने का कार्य प्रगति पर है। इसमें चैंबर के निर्माण और व्यक्तिगत घरों के साथ कनेक्शन के कार्य को शामिल नहीं किया गया था।

सिसोदिया ने बताया कि यमुना को प्राथमिकता के आधार पर साफ करना ही दिल्ली सरकार का मुख्य मकसद है। अधिकृत कॉलोनियां और गांवों में बेहतर सीवरेज प्रबंधन, यमुना की सफाई में अहम साबित होगी। पहले सीवर कनेक्शन लेना बहुत महंगा था। क्योंकि सीवर कनेक्शन लेने के लिए लोगों को विकास, कनेक्शन व रोड कटिंग शुल्क देना पड़ता था। लेकिन केजरीवाल सरकार इसे निशुल्क उपलब्ध करा रहे है। ऐसे में दिल्ली के लाखों उपभोक्ताओं को इसका फायदा मिल रहा है।

रोहिणी झील नंबर-1 और 2 की मौजूदा क्षमता में की जाएगी बढ़ोतरी

रोहिणी सेक्टर-25 में झील नंबर-1 के निर्माण का कार्य किया जा रहा है। 10 एकड़ में फैली इस झील की क्षमता 7.5 एमजी है और इसकी गहराई मौजूदा जमीनी स्तर से केवल 1.5 मीटर नीचे है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने स्थलीय निरीक्षण के दौरान झील की अपर्याप्त क्षमता को देखते हुए कैपेसिटी को बढ़ाने का सुझाव दिया था। ऐसे में अब इस झील को मौजूदा जमीनी स्तर से करीब 6 मीटर नीचे गहरा किया जाएगा। इससे ज्यादा से ज्यादा ग्राउंडवाटर को रिचार्ज करने में मदद मिलेगी।

इसके अलावा 7.5 एमजी क्षमता की वाली एक अन्य झील की कुल क्षमता को बढ़ाकर 15 एमजी किया जाएगा। बता दें कि रोहिणी एसटीपी में 20 एमजीडी क्षमता का आरओ प्लांट स्थापित किया जाएगा, 30 फीसद वेस्टेज को देखते हुए कम से कम 26 एमजीडी पानी की आवश्यकता है।इस मांग को पूरा करने के लिए पानी प्रस्तावित झीलों सहित रोहिणी एसटीपी के चारों ओर ट्यूबवेल की स्थापना कर ग्राउंडवॉटर से उपलब्ध कराया जाएगा। इसी के साथ दोनों झीलों की कैपेसिटी 15-15 एमजी होगी। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया कि केजरीवाल सरकार दिल्ली को 'झीलों का शहर' बनाने के सपने को साकार करने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही है। इसी कड़ी में दिल्ली जल बोर्ड ने भूजल को रिचार्ज करने के लिए दिल्ली में विभिन्न कृत्रिम झीलें तैयार की हैं।

इनमें पप्पनकलां झील, द्वारका झील, नजफगढ़ झील, निलोठी झील.रोहिणी सेक्टर-25 झील, तिमारपुर, इरादत नगर झील, रोशनारा झील (पुरानी सूखी झील), ओखला एसटीपी आदि शामिल हैं। इन झीलों के जरिए इकोलॉजिकल सिस्टम को बनाए रखने और लागत प्रभावी तरीकों के साथ ज्यादा से ज्यादा अंडरग्राउंड वॉटर रिचार्च किया जा सकेगा। खास बात है कि दिल्ली जल बोर्ड की ओर से इन नव निर्मित झीलों में ग्राउंड वॉटर फ्लो मॉडलिंग और अन्य स्टडी की जाएगी।

15 दिन पहले ही एनसीआर में ग्रेप लागू, प्रदूषण से बचाने के लिए और कड़े हुए नियम

नई दिल्ली। एनसीआर। ग्रेडेड एक्शन रिस्पांस प्लान (ग्रेप) पूरे एनसीआर में लागू कर दिया गया है। दिल्ली एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए इस साल ग्रेप में कई नियमों में बदलाव किया गया है। सबसे पहला और बड़ा बदलाव तो ये है कि हर साल ग्रेप को 15 अक्टूबर से लागू किया जाता था, वह 15 दिन पहले 1 अक्टूबर से ही दिल्ली एनसीआर में लागू कर दिया गया है। पहले ही दिन यानि 1 अक्टूबर को नोएडा में ग्रेप नियम को तोड़ने वालों पर 2 लाख रूपए का जुर्माना लगाया गया।

ग्रेप के लागू होते ही एक्यूआई 300 से अधिक होते ही डीजल जनरेटर के संचालन पर पूरे एनसीआर में पूरी तरीके से रोक रहेगी। बड़ी-बड़ी सोसाइटियों में, अस्पताल, होटलों में लगे एस्केलेटर और लिफ्ट को चलाने के लिए सिर्फ 2 घंटे ही डीजल जनरेटर चलाने की छूट दी गई है। और जैसे-जैसे एक्यूआई बढ़ेगा वैसे-वैसे पाबंदियां और भी बढ़ती जाएंगी। ग्रेप के लागू होते ही पूरे एनसीआर में औद्योगिक संगठनों में बहुत ज्यादा रोष है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली में तमाम औद्योगिक संगठन जगह जगह पर प्रदूषण विभाग के दफ्तर के बाहर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके मुताबिक उन्हें डीजल जेनरेटर सेट चलाने की छूट दी जाए। नहीं तो उनकी औद्योगिक इकाइयों पर बहुत ज्यादा असर पड़ेगा।

गौतमबुद्ध नगर की अगर बात करें तो इस पूरे जिले में करीब 20,000 से अधिक छोटी बड़ी औद्योगिक इकाइयां है। जिन पर इस ग्रेप सिस्टम का असर साफ तौर पर देखा जा सकता है और सबसे बड़ी बात है कि अगर नियमों का उल्लंघन किया तो तुरंत 50,000 रूपए का जुर्माना लगाया जाएगा।

गौतमबुद्ध नगर के क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी प्रवीण कुमार के मुताबिक, जिला प्रशासन के नेतृत्व में प्रदूषण विभाग की 4

टीमों के अलावा प्राधिकरण के अधिकारियों की कुल 14 टीमें प्रदूषण वा ग्रेप नियमों की निगरानी के लिए बनाई गई हैं। इनमें तीनों प्राधिकरण के अधिकारियों को अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। अगर कोई भी नियमों का उल्लंघन करता हुआ पाया गया तो उस पर 50,000 रूपए का जुर्माना लगाया जाएगा।

किस तरह के उपकरण चलाए जा सकते है?

ग्रेप सिस्टम लागू होते ही एक्यूआई 300 से अधिक होने पर सीएनजी, पीएनजी और एलपीजी जनरेटर के संचालन पर छूट रहेगी। साथ ही ऐसे जनरेटर जिनमें रिंटोफिट इमर्शन कंट्रोल डिवाइस (आरईसीडी) और ड्यूल फ्यूल किट लगी है, उन्हें चलाने पर छूट रहेगी। दोनों डिवाइस के लगने से डीजल इंजन से प्रदूषण 90 प्रतिशत कम हो जाता है।

एक्यूआई 300 से अधिक होने पर डीजल जनरेटर पर रोक रहेगी। सोसाइटी में सिर्फ लिफ्ट चलाने के लिए 24 घंटे में सिर्फ 2 घंटे डीजल जनरेटर चलाने की छूट होगी। दिल्ली एनसीआर में ज्यादातर औद्योगिक इकाइयों में डीजल जनरेटर लगे हैं अभी तक उद्यमी जनरेटर को सीएनजी और पीएनजी में परिवर्तित नहीं कर सके हैं। ऐसे में उद्योगों पर ग्रेप का काफी असर देखने को मिलेगा।

किन-किन बातों का रखना होगा ध्यान, नहीं तो लगेगा जुमार्ना?

ग्रेप लागू होने के बाद कूड़ा जलाने पर पूरी तरीके से रोक रहेगी और कूड़ा जलाने वाले पर जुर्माना लगाया जाएगा। निर्माण सामग्री को ढक कर रखना होगा। सड़कों को नियमित रूप से मशीन से सफाई कर पानी का छिड़काव करना होगा। निमार्णाधीन साइटों पर एंटी स्मॉग गन लगानी होगी। एक्यूआई 400 के ऊपर पहुंचने पर निर्माण और ध्वस्तीकरण का काम बंद कर दिया जाएगा।

इसके साथ साथ होटल व ढाबों में तंदूर, लकड़ी व कोयले का उपयोग इंधन के रूप में करने पर पाबंदी होगी। अस्पताल में से निकलने वाले बायो मेडिकल वेस्ट का निस्तारण करना होगा।